सृजन

वार्षिक पत्रिका

सत्र- 2016

महात्मा गाँधी शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय

खरसिया, जिला - रायगढ़ (छ.ग.)

सर्वजनाय, स्वदेश हिताय, संदेश वाहक, सत्यानुगामी, सरल–सहज भाष्य, सद्भावनापूर्ण, सम्प्रदाय मुक्त, सृजनात्मकता के साथ, सृजनशील, संस्कारित, सांगीतिक, सुस्पष्ट, संवेदनामय, सक्रिय, समकालीन, साहित्यिक, स्तरीय, सकारात्मक सोच के शब्दपूंज

सृजन

सत्र – 2015–16

संपादक
डॉ. रमेश टण्डन

प्राचार्य
डॉ. पी. सी. घृतलहरे

प्रकाशक©

महात्मा गांधी शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, खरसिया
जिला- रायगढ़ (छ.ग.)

e_mail : mggovtcollegekhs@gmail.com
Website : www.mgcollegekharsia.in

मुद्रक : समूह ऑफसेट प्रिन्टर्स, खरसिया

Dr. S. N. SUBBA RAO
221, D.D. Upadhyay Marg, New Delhi - 110002, INDIA
Ph.: 011-23222329, 23237491
Fax: 011-23235734 (M) 09868942329
e-mail : nypindia@gmail.com

शुभ कामना

रवसिया के शासकीय महाविद्यालय के हम सभी सदस्यों के लिए यह गौरव की बात है कि हमारा परिवार महात्मा गांधी के कार्य से जुड़ा है। गौरव के साथ हम एक एक व्यक्ति का दायित्व भी है कि हम नाम के अनुकूल काम करें - हम प्रत्येक

- चरित्रवान रहेंगे
- सत्य बोलेंगे
- शहर में, राज्य में शांति बनाए रखेंगे
- ध्यान रखेंगे कि शहर में प्रत्येक बालिग व्यक्ति को रोजगार मिलेगा
- प्रयास करेंगे नशा समाप्त हो जाए
- भ्रष्टाचार मिट जाए।

सबको प्यार व शुभकामनाएं

राष्ट्रीय एकता - सद्भावना
मुख शिविर
रवसिया. उ.प्र.

राम राव

26 जनवरी 2016

उमेश पटेल

विधायक
लोकसभा क्षेत्र क्र.-18
खरसिया

मु.पो. - नंदेली (खरसिया)
तह. व जिला - रायगढ़ (छ.ग.)
मोबा. : 9407700000
फोन : 07762-271571
फैक्स : 07762-271631
ई-मेल : umesh.nkpatel@gmail.com

क्रमांक : .....

दिनांक 02/12/2015

शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हुई कि आपके संस्थान द्वारा महाविद्यालयीन छात्र-छात्राओं की साहित्यिक प्रतिभा को जागृत एवं उजागर करने के पवित्र उद्देश्य से वार्षिक पत्रिका "सृजन" का इस वर्ष पुनः प्रकाशन किया जा रहा है ।

यह पत्रिका महाविद्यालयीन छात्र-छात्राओं के भीतर छुपी सृजनशीलता, साहित्यिक प्रतिभा एवं रचनात्मक गतिशीलता को प्रोत्साहित कर उनमें नव सृजन की प्रतिभा को पुष्पित पल्लवित करने में सफल होगी मेरी यही हार्दिक सद्भावना है ।

सृजन पत्रिका के संपादक मण्डल रचनात्मक प्रतिभागी छात्र-छात्राओं तथा समस्त महाविद्यालय परिवार को मेरी ओर से हार्दिक शुभकामना एवं कोटिशः बधाई सफल सुखद भविष्य की अनुत कामना के साथ .....

(उमेश नंदकुमार पटेल)

प्रति,

प्राचार्य,

महात्मा गांधी शास. कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, खरसिया

जिला रायगढ़ (छ.ग.)

निवास : डी-1/2, शासकीय आवासीय परिसर, देवेन्द्र नगर, रायपुर-492001, फोन/फैक्स : 0771-2881030

गिरधर गुप्ता
पूर्व अध्यक्ष, खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड,
छ.ग. शासन

खरसिया
जिला–रायगढ़ (छ.ग.)
पिन–496661

शुभकामना संदेश

यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हुई है कि एम.जी. शासकीय महाविद्यालय, खरसिया विगत वर्षों की तरह वार्षिक पत्रिका ''सृजन'' का प्रकाशन कर रहा है । इसमें छात्र–छात्राओं की साहित्यिक प्रतिभा का उजागर होगा ।

मैं इस अवसर पर समस्त महाविद्यालयीन स्टॉफ व छात्रों को शुभकामनाएँ देता हूँ ।

(गिरधर गुप्ता)

कमल गर्ग
अध्यक्ष,
नगरपालिका परिषद, खरसिया
जिला– रायगढ़ (छ.ग.)

शुभकामना संदेश

इस वर्ष भी महात्मा गांधी शासकीय महाविद्यालय, वार्षिक पत्रिका "सृजन" के माध्यम से छात्रों में समाज के सकारात्मक कार्यों के प्रति रूझान पैदा कर रहा है, इसी शुभकामनाओं के साथ समस्त महाविद्यालयीन स्टॉफ व छात्रों को हृदय से बधाई देता हूँ एवं आशा करता हूँ कि इससे छात्रों में साहित्य के प्रति रूचि उत्पन्न होगी ।

(कमल गर्ग)

श्रीचंद रावलानी
डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी मार्ग, खरसिया
जिला– रायगढ़ (छ.ग.)
मो. 98267–02302

शुभकामना संदेश

महात्मा गांधी शासकीय महाविद्यालय, खरसिया जिला– रायगढ़ (छ.ग) द्वारा ''सृजन'' पत्रिका के प्रकाशन पर मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ । मैं यह आशा करता हूँ कि ''सृजन'' पत्रिका छात्र–छात्राओं को एक नई दिशा प्रदान करे जिससे उनमें देश–प्रेम की भावना जागृत हो ।

इन्हीं शुभकामनाओं के साथ .....

(श्रीचंद रावलानी)

धनसाय यादव
अध्यक्ष, जनभागीदारी समिति
महात्मा गांधी शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, खरसिया
जिला– रायगढ़ (छ.ग.)

शुभकामना संदेश

अत्यंत हर्ष की बात है कि महात्मा गांधी शासकीय महाविद्यालय, खरसिया जिला– रायगढ़ (छ.ग) अपनी वार्षिक पत्रिका ''सृजन'' प्रकाशित कर रहा है । इसमें सभी छात्र–छात्राओं की भागीदारी होगी एवं उनका व्यक्तित्व सामने आयेगा ।

मैं इस अवसर पर समस्त महाविद्यालयीन स्टॉफ व छात्रों को बधाई देता हूँ ।

(धनसाय यादव)

डॉ. अतुल कुमार श्रीवास्तव
प्राचार्य,
कि. शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय
रायगढ़ (छ.ग.)
(अग्रणी महाविद्यालय)

उत्तर चक्रधर नगर रायगढ़
जिला रायगढ़ (छ.ग.)
Phone – 07762-222966
email – kgcraigarh1958@gmail.com

शुभकामना संदेश

अत्यंत हर्ष का विषय है कि पिछले वर्षो की भांति इस वर्ष भी महात्मा गांधी शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय खरसिया अपनी वार्षिक पत्रिका "सृजन" का प्रकाशन करने जा रहा है। इसमें छात्रों की सच्ची साहित्यिक प्रतिभा का उजागर हो, यही मेरी शुभकामना है।

A Shrivastava
प्रा. प्राचार्य,
कि.शास. कला एवं विज्ञान महाविद्यालय
रायगढ़ (छ.ग.)

प्राचार्य की लेखनी से ...

महाविद्यालय के विभिन्न सकारात्मक व रचनात्मक उद्देश्यों की प्राप्ति में सफलता की ओर अग्रेषित प्रत्यक्ष व परोक्ष कदम की सराहना करते हुए, मैं, महाविद्यालय के स्वर्णिम भविष्य की कामना करता हूँ । सत्र् 2015–16 हमारे लिए उत्तम शिक्षा सत्र् रहा । राष्ट्रीय सेवा योजना की समस्त गतिविधियाँ व विशेष शिविर निर्विघ्न संपन्न हुए । स्वीप के तहत बहुत से कार्यक्रम महाविद्यालय में संपादित हुए । एन.सी.सी. में दर्ज संख्या 53 से बढ़कर 107 हो जाने से हमारे अधिकतम युवा छात्र–छात्राओं में राष्ट्र की सेवा करने के सपने फलीभूत होंगे । अधिकांश कैडेट एन.सी.सी के विभिन्न शिविरों में हिस्सा लेकर प्रशिक्षित हुए और पैरासिलिंग का भी अभ्यास किये । खेल में इस वर्ष 32 छात्र–छात्राओं ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अपनी सहभागिता दर्ज कराते हुए इनमें से तीन ने अंतर्विश्वविद्यालयीन प्रतियोगिता भुवनेश्वर, भागलपुर एवं वाराणसी में अपने खेल का प्रदर्शन किया।

लगभग एक करोड़ रूपये का भवन विस्तार का प्रस्ताव शासन से स्वीकृत किया है, यह उल्लेखनीय है । साथ में यहाँ एम. एस–सी. स्तर में रसायन विषय का अध्यापन प्रारंभ होना गौरव का विषय है।

खरसिया नगर के सामूहिक गणतंत्र दिवस में सांस्कृतिक कार्यक्रम/मार्च पास्ट में इस महाविद्यालय के प्राध्यापकों एवं छात्रों (बालक व कन्या छात्रावास/एन.सी.सी. कैडेट) की सक्रिय भूमिका प्रशंसनीय है । वार्षिक छात्र स्नेह सम्मेलन, छात्रों में स्वागत व विदाई की परम्परा, भौगोलिक पर्यटन, विभिन्न गरिमामयी दिवसों का आयोजन आदि महाविद्यालय के लिए गौरव की बात है । इसके अतिरिक्त डॉ. एस. एन. सुब्बारॉव (नई दिल्ली) निर्देशित राष्ट्रीय एकता सद्भावना शिविर का महाविद्यालय के खेल मैदान में आयोजित होने से हम गौरवान्वित हुए ।

अंत में, इस "सृजन" में उल्लेखित विभिन्न विभागों के विकास प्रतिवेदन, साहित्यिक प्रतिभाओं का उद्घाटन हमें सतत् विकास पथ पर अग्रसर होने के लिए प्रेरित करता रहेगा, सर्व सम्बन्धितों को धन्यवाद एवं बधाई ।

डॉ. पी. सी. घृतलहरे
प्राचार्य

संपादकीय

एक ओर जहाँ गीधा पहाड़ में सतनाम गुफा हो, दूसरी ओर बरगढ़ पहाड़ी की घुमावदार घाटी हो, बसनाझर जंगल का सिद्धमाड़ा हो, कुनकुनी–रानीसागर का पहाड़ पर स्थित ढाल (ढोलपहरी) हो, मांड नदी पर बना आड़पाथर हो, अटल रॉक गार्डन की प्राकृतिक झील हो, वनाच्छादित पंचमुखी मंदिर हो, रंगीन मछलियों का भगत तालाब हो, ऐसे सुरम्य प्राकृतिक जनजातीय बाहुल्य क्षेत्रों के मध्य महात्मा गांधी शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, खरसिया जिला–रायगढ़ (छ.ग.) का स्थित होना स्वमेव गौरवशाली व रोमांचकारी दृश्य को उद्घाटित करता है । इसके स्वयं के स्टेडियमनुमा विशाल खेल मैदान होने से अंचल के 1500 से अधिक नियमित छात्र–छात्राएं अपनी खेल प्रतिभा को जागृत करने लाभान्वित होते हैं । साथ में शहरवासी भी सुबह–शाम अपने शरीर–सौष्ठव के लिए नित्य पैदल चाल व अन्य खेलाभ्यास करते दिखाई देते हैं । पोस्टमैट्रिक अनुसूचित जनजाति कन्या व बालक छात्रावास, महाविद्यालय के इतने करीब हैं कि कुछ ही पलों व मिनटों में आवागमन करते हुए छात्र–छात्राएं महाविद्यालय से अध्ययन लाभ प्राप्त कर लेते हैं ।

सी. सी. टी. व्ही. कैमरे की परिधि में महाविद्यालय परिसर का होना, एम. एस–सी. की कक्षा का प्रारंभ होना एवं रसायन विभाग में एक भी नियमित प्राध्यापक की नियुक्ति नहीं होने के बावजूद उक्त पाठ्यक्रम का सही संचालन होना, बिना ग्रंथपाल के ग्रंथालय का संचालन होना, बिना प्रशिक्षित एन.सी.सी. अधिकारी के एन.सी.सी. का संचालन होना, बिना क्रीड़ा अधिकारी के खेल गतिविधियों को गति देते हुए जिला स्तर के तीन–तीन खेलों को आयोजित कर 32 छात्र–छात्राओं को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में एवं 03 विद्यार्थियों को विश्वविद्यालयीन प्रतियोगिता में सहभागिता दर्ज कराना यहाँ के प्राध्यापकों व स्टॉफ की शत्–प्रतिशत सक्रिय सफलता को रेखांकित करता है ।

रूसा के अंतर्गत कार्यशाला का आयोजन, स्वीप के समस्त गतिविधियों का संचालन, वार्षिक छात्र स्नेह सम्मेलन, विभिन्न प्रतियोगिताओं का क्रियान्वयन, भौगोलिक पर्यटन आदि छात्रों के सर्वांगीण विकास में सहयोगी रहे हैं । सांस्कृतिक कार्यक्रमों का दिग्दर्शन तो छात्र–छात्राएं खुले मंच से कर लेते हैं परन्तु साहित्यिक रसानुभूति प्रबुद्ध पाठकों के द्वारा पत्र–पत्रिकाओं के माध्यम से हो पाती है । इसी प्रयोजन को साकार करने हेतु यह महाविद्यालय पिछले वर्ष से "सृजन" पत्रिका का प्रकाशन कर रहा है । इसमें विभिन्न विभागों के विकास प्रतिवेदन के साथ छात्रों के मौलिक विचार, संकलित विचार, मौलिक कविता आदि समाहित हैं ।

इस प्रकाशन के लिए जिन्होंने शुभकामनाएँ प्रेषित की, उन्हें धन्यवाद । प्राचार्य महोदय, माननीय विधायक महोदय, नगरपालिका अध्यक्ष महोदय, समस्त प्राध्यापक, जन भागीदारी समिति के अध्यक्ष व सम्मानित सदस्यगण, नगर व तहसील के समस्त अधिकारी, अंचल के समस्त जनप्रतिनिधिगण, पुलिस प्रशासन, मीडिया, महाविद्यालय के समस्त कर्मचारी, छात्र–संघ पदाधिकारी एवं कक्षा प्रतिनिधि, भूतपूर्व छात्र एवं महाविद्यालय हित में जुड़े समस्त शुभचिंतक व्यक्तित्व को महाविद्यालय के सुचारू संचालन में इनके द्वारा किये प्रत्यक्ष व परोक्ष सहयोगी भाव के लिए इस पत्रिका के माध्यम से आभार व्यक्त किया जा रहा है ।

कोशिश की गई है कि यह पत्रिका निर्विकार हो, बावजूद इसके, कोई त्रुटि यदि झलकती हो, तो नजरअंदाज करने का कष्ट करेंगे एवं आगामी वर्षों की पत्रिका के लिए सुझाव प्रेषित करेंगे । पत्रिका में यदि किसी का मन आहत हुआ हो, तो क्षमा ।

साभार ।

खरसिया,
फरवरी 26, 2016

डॉ. रमेश टण्डन

अनुक्रमणिका

1.	शुभकामना संदेश		
2.	प्राचार्य की लेखनी से		
3.	संपादकीय		
4.	महाविद्यालय का परिचय		
5.	माँ	– रश्मि यादव	1
6.	तमन्ना	– रितेश कुमार राठौर	1
7.	घोर अंधकार	– सीमा पटेल	2
8.	मुस्कान	– चन्द्रप्रकाश जोल्हे	3
9.	वनसंरक्षण	– भुवनेश्वरी राठौर	3
10.	आखिर क्यों ?	– सीमा पटेल	4
11.	जिंदगी	– हितेन्द्र राठौर	4
12.	मिट्टी से बैर करो मत, ये मिट्टी ही सोना है	– ओमप्रकाश वैष्णव	5
13.	हमारे शिक्षक	– किशोर निषाद	6
14.	विद्यार्थी	– गीता साहू	7
15.	हिम्मत न हारो	– ओमप्रकाश गवेल	8
16.	हर हाल में	– अमर रात्रे	8
17.	छत्तीसगढ़ दर्शन	– हेमकुमारी पटेल	9
18.	हाय ! ये सभ्यता	– सागर सिदार डमरूधर राठिया	10
19.	एकाग्रता और सफलता	– अरूण कुमार यादव	10
20.	*Motivation*, समय का सदुपयोग	– रोमी कुमार जायसवाल	11
21	बाबा साहब अंबेडकर जी के संदेश	– गायत्री राठिया लेखराम राठिया	12
22.	बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ	– यशोदा राठिया	12
23.	प्रकृति की गोद में है "खुशहाली"	– खुलेश्वरी राठिया	13
24.	आप भी तो समझदार हो	– रम्भा राठिया	14
25.	अरमानों का महल बनाती हूँ	– नमिता राठिया	14
26.	निर्भय बनिये	– निर्मला सिदार	15
27.	यंत्रों की सहायता से सर्वेक्षण	– हेमकुमारी पटेल एवं भुवनेश्वरी राठौर	16
28.	जरीब एवं फीता सर्वेक्षण	– मुकेश कुमार चौहान धनेश्वरी उरांव	17
29.	भक्ति	– दिग्विजय सिंह	18
30.	छत्तीसगढ़ राज्य की स्थिति एवं विस्तार	– शारदा कुमारी भारद्वाज	18
31.	पंचमुखी मंदिर	– हरिशंकर साहू	19
32.	स्त्री जागेगी तभी बात बनेगी	– डॉ. रविन्द्र चौबे, प्रो.मनोज साहू	20
33.	प्रतिवदेन : भूगोल	– मनोज बरेठा	21
34.	स्पोर्ट स्पेशल	– डॉ. रमेश टण्डन	22
35.	एन. सी. सी. (विभागीय प्रतिवेदन)	– प्रो. श्रीमती सरला जोगी	23
36.	राष्ट्रीय सेवा योजना और विशेष शिविर	– प्रो. एम.एल.धिरही	24
37.	समाचार पत्रों में महाविद्यालय	–	26
38.	छात्र–संघ पदाधिकारी परिचय		42
39.	अधिकारी / कर्मचारी परिचय		43

प्राचार्य
डॉ. पी.सी. घृतलहरे

संपादक
डॉ. रमेश टण्डन

संपादन सहयोग
प्रो. दिलीप अम्ब्रेला
प्रो. एम.एल. धीरही
डॉ. पी. एल. पटेल
डॉ. रविन्द्र चौबे
डॉ. सुशीला गोयल
प्रो. सरला जोगी
प्रो. मनोज साहू
प्रो. काश्मीर एक्का
प्रो. अश्वनी पटेल

टीप : –
प्रतिवेदन लेखक / कवि / लेखक आदि के लेख / कविता / विचार उनके स्वयं के हैं, जिसमें त्रुटि व आपत्ति होने पर वे स्वयं जिम्मेदार होंगे । इसके लिए महाविद्यालय व संपादक जिम्मेदार नहीं होगा । न्यायालयीन प्रकरण पर मुकदमा आदि की कार्यवाही खरसिया स्थित न्यायालय पर ही चलेगी ।

महाविद्यालय का परिचय

महात्मा गाँधी शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, खरसिया, जिला– रायगढ़ की स्थापना सर्वप्रथम नगरपालिका परिषद, खरसिया द्वारा एक अशासकीय महाविद्यालय के रूप में सन् 1964 में हुई थी जिसके तहत केवल कला संकाय के अंतर्गत बी. ए. की कक्षाओं का संचालन किया जाता था । तत्कालीन नगरपालिका परिषद के अध्यक्ष एवं महाविद्यालय शिक्षा समिति के पदेन अध्यक्ष स्व. श्री लखीराम अग्रवाल जी के प्रयास से यहाँ पर वाणिज्य संकाय प्रारंभ किया गया । पूरे अविभाजित मध्यप्रदेश में यह महाविद्यालय नगरपालिका परिषद द्वारा संचालित एक मात्र महाविद्यालय था तथा अविभाजित रायगढ़ जिले में वाणिज्य की उच्च शिक्षा इसी महाविद्यालय में प्रारंभ की गई थी । नगरपालिका द्वारा महाविद्यालय संचालन के कार्यकाल में अनेक बाधाएं आयीं परंतु महाविद्यालय के संस्थापक अध्यक्ष श्री लखीराम अग्रवाल के क्षेत्र के सामाजिक – सांस्कृतिक – शैक्षणिक विकास के पक्के इरादे तथा दूर दृष्टि के कारण यह महाविद्यालय निरंतर विकास करता रहा । यह महाविद्यालय पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर के अंतर्गत 1964 से 1983 तक तथा गुरूघासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर से 1984 से 2012 तक संबद्ध रहा । वर्तमान में यह महाविद्यालय बिलासपुर विश्वविद्यालय, बिलासपुर से संबद्ध है । राज्य शासन, स्थानीय स्व–शासन/नगरीय कल्याण विभाग एवं उच्च शिक्षा विभाग से यह दबाव आया कि नगरपालिका परिषद का कार्य महाविद्यालय संचालित करना नहीं है तथा इसके लिए पृथक से कोई अनुदान किया जावेगा, अतः इसे बंद किया जावे । इसके बावजूद क्षेत्र की जनता की मांग, विद्यार्थियों तथा पालकों की अभिरूचि तथा उस समय के संचालक मंडल के पदाधिकारियों की दृढ़ इच्छा के कारण यह महाविद्यालय निर्वाध गति से विकास के मार्ग पर आगे बढ़ता रहा । उस दौरान महाविद्यालय को यू. जी.सी. एक्ट के 2–एफ तथा 12 बी के तहत मान्यता भी मिली तथा निरंतर अनुदान भी प्राप्त हुए ।

राज्य शासन की नीति के तहत दिनांक 19 मार्च 1984 को महाविद्यालय का शासकीय अधिग्रहण डॉ. अमिताभ लाहिड़ी, पूर्व प्राचार्य किरोड़ीमल शासकीय कला, विज्ञान एवं वाणिज्य स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, रायगढ़/क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक, उच्च शिक्षा संचालनालय, बिलासपुर संभाग; प्रो. ए. शकूर विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी उच्च शिक्षा विभाग, बिलासपुर संभाग तथ प्रो. व्यासनारायण पाण्डेय के नेतृत्व में किया गया एवं इस दिनांक से नगरपालिका कला एवं वाणिज्य उपाधि महाविद्यालय, शासकीय महाविद्यालय के रूप में परिवर्तित हो गया । 1964 से 1990 तक महाविद्यालय की कक्षाएं नगरपालिका परिषद द्वारा निर्मित तथा उनके द्वारा उपलब्ध कराए गए पुराने भवन में संचालित होती थी । इस दौरान महाविद्यालय में सुप्रसिद्व अर्थशास्त्री एवं उच्च शिक्षा के नीतिकार डॉ. सत्यसहाय श्रीवास्तव, प्रो. बी. डी. शर्मा तथा प्रो. डी. के. बाजपेयी जैसे प्रभृति विद्वानों ने प्राचार्य के रूप में महाविद्यालय के विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया । इस महाविद्यालय के प्रारंभिक दिनों में वाणिज्य संकाय के पूर्व मेघावी छात्र श्री सुभाष चंद्र अग्रवाल इसी महाविद्यालय में वाणिज्य संकाय में वरिष्ठ प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं । स्थापनाकाल के महाविद्यालयीन प्राध्यापकों एवं अधिकारियों में प्रो. दिलीप कुमार बाजपेयी, प्रो. भागवतदास शर्मा, प्रो. सीताराम अग्रवाल (मित्तल), प्रो. रामबिलास थवाईत, प्रो. भगवानधर दीवान, प्रो. कुंजबिहारी चतुर्वेदी, श्री गोविंदराम थवाईत (ग्रंथपाल), डॉ. विजेन्द्र कुमार पाण्डेय, प्रो. श्रीकुमार पेल्लई, डॉ. सतीश देशपांडेय इत्यादि ने महाविद्यालय के विकास में अपना उल्लेखनीय योगदान किया ।

सन् 1988 महाविद्यालय के इतिहास का स्वर्णिम वर्ष था जब खरसिया विधानसभा क्षेत्र से अविभाजित मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री अर्जुनसिंह जी, उपचुनाव में क्षेत्रीय विधायक के रूप में चुने गये । इनके द्वारा शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय खरसिया के नये शासकीय भवन के निर्माण हेतु राशि स्वीकृत की गयी। यह शासकीय भवन 1990 में बनकर तैयार हुआ, तब से यह महाविद्यालय नये एवं वर्तमान भवन में संचालित हो रहा है । कालान्तर में खरसिया के पूर्व विधायक तथा म.प्र. शासन/छ.ग. शासन के पूर्व कैबिनेट मंत्री माननीय शहीद श्री नंदकुमार पटेल जी के द्वारा

महाविद्यालय से लगे हुए लगभग 16 एकड़ भूमि में राज्य शासन, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अनुदान से मिनी स्टेडियम का निर्माण हुआ । इसका लाभ महाविद्यालय, पूरे नगर, क्षेत्र के विद्यार्थियों, आम जनता को मिल रहा है। इस स्टेडियम को तकनीकी रूप में कई खेलों के लिए तैयार किया गया है । इसका कुशल संचालन तथा देख–रेख महाविद्यालय के स्थापना काल से 2013 तक क्रीड़ाधिकारी श्री एम. डी. वैष्णव के द्वारा किया गया जिसे वर्तमान में डॉ. आर. के. टण्डन संभल रहे हैं । महाविद्यालय में नियमित विद्यार्थियों के लिए खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा उच्च शिक्षा विभाग के द्वारा एक मल्टी जिम्नेजियम भी स्वीकृत किया गया है जो नियमित विद्वार्थियों के लिए निर्धारित सीमित समय में संचालित किया जाता है ।

तीव्र गति से विकास कर रहे इस महाविद्यालय में बढ़ती हुई विद्वार्थी संख्या को दृष्टिगत रखते हुए महाविद्यालय के संस्थापक अध्यक्ष स्व. श्री लखीराम अग्रवालजी, सांसद राज्य सभा के द्वारा दो वृहद आकार हाल एवं बरामदा तथा माननीय शहीद नंदकुमार पटेल जी के सहयोग से राज्य शासन, राज्य शहरी विकास बधिकरण, नगरीय कल्याण विभाग द्वारा चार अध्ययन कक्षों का निर्माण कराया गया ।

महाविद्यालय के शासनाधीन होने के उपरांत अँचल के जानेमाने अर्थशास्त्री डॉ. अमिताभ लाहिड़ी, सुप्रसिद्ध डॉ. वी. पी. त्रिपाठी, आँग्ल भाषा एवं साहित्य के विद्वान डॉ. दिनेश पाण्डेय, वाणिज्य के प्राध्यापक एस. आर. अग्रवाल, राजनीति विज्ञान के प्रो. डॉ. बी. डी. शर्मा तथा हिन्दी साहित्यकार डॉ. डी. के. बाजपेयी ने प्राचार्य तथा आहरण एवं संवितरण अधिकारी के कार्यभार का सफलतापूर्वक निर्वहन किया । 1999 का वर्ष महाविद्यालय के इतिहास में इस दृष्टि से महत्वपूर्ण है कि क्षेत्र के रसायन शास्त्र विभाग के ख्यात नाम प्रोफेसर एवं पूरे प्रदेश में राष्ट्रीय सेवा योजना के आधार स्तंभों में से एक प्रो. व्यासनारायण पाण्डेय को राज्य शासन ने स्थायी रूप से प्रभारी प्राचार्य एंव आहरण संवितरण अधिकारी के रूप पदांकित किया । उन्होंने 9 वर्षों की दीर्घ अवधि तक महाविद्यालय की सेवा की तथा जुलाई 2008 में स्थानांतरित हुए । इनके कार्यकाल में सन् 2005–06 में महाविद्यालय का, भारत सरकार मानव संसाधन विकास मंत्रालय, नई दिल्ली की ''नैक'' द्वारा महाविद्यालय का मूल्यांकन किया गया तथा C^{++} ग्रेड प्रदान किया गया । महाविद्यालय का पुनः ''नैक'' मूल्यांकन आगामी वर्षों में किया जाना है, जिसके लिए व्यापक तैयारियाँ की जा रहीं हैं । महाविद्यालय में दसवीं पंचवर्षीय योजना के तहत लायब्रेरी एक्सटेंशन का बिल्डिंग का निर्माण लोक निर्माण विभाग से कराया गया है । जुलाई 2008 से 17 अक्टूबर 2010 तक महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य एवं आहरण संवितरण अधिकारी का दायित्व प्रो. बी.के. पठेल ने कुशलतापूर्वक संपादित किया ।

महाविद्यालय में लगभग 31 हजार पाठ्य एवं संदर्भ ग्रंथों का सुसज्जित संग्रह है जिसका संचालन ग्रंथपाल श्री पी. आर. तिरोले ने सेवानिवृत्ति (2013–14) तक किया । वर्तमान में छात्र उपयोगी पाठ्यपुस्तकों का वितरण डॉ. रविन्द्र चौबे व अरूण कुमार के द्वारा किया जा रहा है । महाविद्यालय में एक प्लेसमेंट एवं वाचनालय की व्यवस्था है जहाँ पत्र–पत्रिकाएँ नियमित रूप से आती हैं । महाविद्यालय में एन. एस. एस. की इकाई संचालित है जिसके कार्यक्रम अधिकारी प्रो. एम. एल. धिरही हैं । इसी तरह 28 सी. जी. बटालियन एन. सी. सी.रायगढ़ के नियंत्रण में महाविद्यालय में 107 कैडेट्स की एक टुकड़ी कार्यरत है जिसके एन. सी. सी. अधिकरी प्रो. सरला जोगी है । युवा रेडक्रॉस, छात्र कल्याण परिषद/छात्र–संघ, राष्ट्रीय युवायोजना, डब्ल्यू. डब्ल्यू. एफ., नेचर क्लब, इको क्लब, स्वच्छता प्रकोष्ठ की इकाइयाँ सक्रिय रूप से शैक्षणेत्तर कार्यों से जुड़े हुए हैं । वर्तमान में महाविद्यालय के प्राचार्य का दायित्व डॉ. पी. सी. घृतलहरे अक्टूबर 2010 से संभाल रहे हैं ।

□□□

माँ

कु. रश्मि यादव
एम. कॉम. अंतिम

"माँ चाँद की चाँदनी, माँ सूरज की धूप,
वक्त पड़े ज्वालामुखी, वक्त पड़े नलकूप ।।

दरिया माँ की नम्रता, इसमें इतना प्यार,
जीवनभर टूटे नहीं, जिसकी अविरल धार ।।

माँ मीरा का पीर है, माँ कबीर का सत्य,
माँ अमीर की शायरी, माँ तुलसी का लालित्य ।।

माँ में गीता सार है, माँ में हर वेद पुराण,
माँ में पावन शक्ति है, माँ में हर ईमान ।।

माँ में सीता का त्याग है, माँ राधा का प्यार,
माँ है पर्वत-सी अडिग, माँ गंगा की धार ।।

माँ वीणा का संगीत, माँ मुरली की तान,
बिन माँ के जीवन, लगे निरस व बेजान ।।

□□□

सबसे अच्छा मनुष्य वह है, जो अपनी प्रगति के लिए सबसे अधिक श्रम करता है।

— सुकरात

तमन्ना

रितेश कुमार राठौर
बी. कॉम प्रथम वर्ष

आपको भी अपने जैसा देखता हूँ,
सर पे अक्सर धूप छाया देखता हूँ ।
दिल मेरा खुशियों से भर जाता है,
जब मैं खिलखिलाता हुआ आप सा देखता हूँ।

क्यों न बिक जाये वो कुछ सिक्कों के खातिर,
जिसका मैं ईमान सस्ता देखता हूँ ।
आदमी वो काम का भी होगा कैसे,
जिसका मैं किरदार ढीला देखता हूँ ।।

कोई पहचाने भला कैसे किसी को,
मैं यहाँ चेहरे पे चेहरा देखता हूँ ।
यूँ कठिन दौर है जिंदगी के लिये,
आदमी अजनबी है आदमी के लिये ।।

काम अच्छा किया खिड़कियाँ खोलकर,
ये जरूरी भी था ताजगी के लिये ।
हाथ आये न आये खुशी वक्त पर,
रख लिया साथ गम दिल्लगी के लिये ।।

दोस्त दिल में रहे धड़कनों की तरह,
है तमन्ना यही दोस्ती के लिये ।
जो रूकी प्यास थी मुद्दतों से कहीं,
चल पड़ी है कहीं इक नदी के लिये ।
आपने उसकी तरफ देखा ही नहीं,
उम्र जिसकी ढली आप ही के लिये ।।

□□□

घोर अंधकार

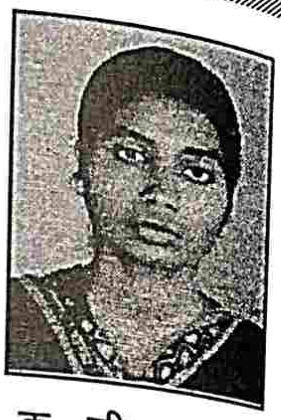

कु. सीमा पटेल
बी. एससी. अंतिम वर्ष
(गणित)

बढ़ रही है घूसखोरी और भ्रष्टाचार ।
छिनता जा रहा है अपना अधिकार ।।
ये आँखें किस काम की,
नाम की है बस नाम की ।
देखते हुए भी अंधे बने हुए हैं हम,
आ रही है हमें इस बात पर शरम ।
तौल दिया हमने खुद को पैसों के भार,
घोर अंधकार, घोर अंधकार ।
बढ़ रही है ..... अधिकार ।।

हम क्यों ? इतने बेवश हैं,
कि कुछ कर भी नहीं सकते ।
ये कैसी कसमकस है,
जिसे हम समझ नहीं सकते ।
क्यों ? नहीं कोई भी, इनसे लड़ने को तैयार ।
घोर अंधकार, घोर अंधकार ।
बढ़ रही है ..... अधिकार ।।

आज ऋतुएँ भी हैं बदल गयीं,
नरम मिट्टी जो सड़कों में ढल गयी ।
जो उगलते थे कभी हीरों-सा अनाज,
उन पर दिया, धुएँदार चिमनियों को साज ।
पतझड़ हो गया है अब ये बसंत बहार,
घोर अंधकार, घोर अंधकार ।
बढ़ रही है ..... अधिकार ।।

स्वार्थी हो गया, आज का इन्सान,
भटक गया है, अब सबका ध्यान ।
अपने स्वार्थ के खातिर,
सबकी नजरों से गया गिर ।
जान भी ले सकता है,
जो करता था, कभी औरों पर जान निसार ।
घोर अंधकार, घोर अंधकार ।
बढ़ रही है ..... अधिकार ।।

□□□

मुस्कान (संकलित)

चंद्रप्रकाश जोल्हे
एम. ए. पूर्व (समाज शास्त्र)

जलाये हैं हमने जो दीप प्यार के,
उसे कभी ना बुझाना तुम ।
जिदगी की राहें जब कठिन हो,
साथ मिलकर चलना तुम ।

भटक जाऊँ जो मैं कभी राह में,
दिया बनकर राह दिखाना तुम ।
जिस घड़ी मैं रह जाऊँ अकेला,
मेरी यादों में समा जाना तुम ।

"क्या पता कब थक जाऊँ मैं,
और जिंदगी बेगानी हो जाये ।
जब होने लगे मेरी जिंदगी की शाम,
मेरी बगिया का सहारा बन जाना तुम ।"

□□□

> व्यक्ति अपने विचारों से निर्मित एक प्राणी है । वह जो सोचता है, वही बन जाता है ।
>
> — महात्मा गाँधी

वन संरक्षण

भुवनेश्वरी राठौर
बी. ए. द्वितीय वर्ष

आओ मिलकर पेड़ लगाएं ।
जीवन अपना खुशहाल बनाएं ।

पेड़ हमें सब कुछ देता है ।
बदले में कुछ नहीं लेता है ।

पेड़ों से ही फल मिलता है ।
हर पेड़ों में फूल खिलता है ।

खुशी से भरा वह गाँव होता है ।
जहाँ पेड़ों का छाँव होता है ।

फिर क्यों हम उसे काटते हैं ।
एक पेड़ को अनेक टुकड़ों में बाँटते हैं ।

हर पेड़ों में जान होती है ।
जो मनुष्य के समान होती है ।

ना काटो उस पेड़ को मानव ।
जो हमें ना कुछ कहता है ।
हर दुःख को जो हँस कर सहता है ।

आओ मिलकर पेड़ लगाएं ।
जीवन अपना खुशहाल बनाएं ।

□□□

आखिर क्यूं ?

कु. सीमा पटेल
बी.एससी. अंतिम वर्ष (गणित)

मन में एक प्रश्न है,
कहीं सन्नाटा तो कहीं जश्न है ।
आखिर क्यूं ?

जब कभी सोचा,
इस विषय में मैंने ।
बढ़ गयी साँसे,
उमड़ पड़े अक्षि-अश्रु ।

किसी को मंजिल-ए-मकान मिलता है ।
तो कोई छत को तरसता है ।।

सीने में ये कसक है,
आज भी वही दशक है ।
आखिर क्यूं ?

जब कभी सोचा,
इस विषय में मैंने ।
बढ़ गयी साँसे,
उमड़ पड़े अक्षि-अश्रु ।

किसी को भरपेट मिलता है ।
तो कोई दाने को तड़पता है ।।

ये कैसी कसमकस है,
किस्मत पर किसका बस है ।
आखिर क्यूं ?

जब कभी सोचा,
इस विषय में मैंने ।
बढ़ गयी साँसे,
उमड़ पड़े अक्षि-अश्रु ।

''किसी का हर दिन उजियारा ।
तो कोई इक दिया भी न पाया ।।''

हृदय के घाव और भी गहरे हैं,
सहमें पल फिर भी ठहरे हैं ।
आखिर क्यूं ?

□□□

जिन्दगी

हितेन्द्र राठौर
एम. कॉम अंतिम वर्ष

जीना है अगर
तो फिर जीने का हुनर सीख लीजिए
पांव काटने या चादर तानने से बेहतर है
पांव मोड़ लीजिए ।

सपने और लक्ष्य में एक ही अंतर है
सपने के लिए बिना मेहनत की नींद चाहिए
और लक्ष्य के लिए, बिना नींद की मेहनत ।

जरा मुस्कुराना भी सीखा दे ये जिंदगी
रोना तो पैदा होते ही सीख लिया था ।

उधेड़ देता है जमाना जब जज्बात मेरे ...
मैं कलम से अपने हालात रफू कर लेता हूँ ।

लोगों के पास बहुत कुछ है
मगर मुश्किल यही है कि भरोसे पे शक है और
अपने शक पे भरोसा है ।

मिट्टी से बैर करो मत, ये मिट्टी ही सोना है ।

ओमप्रकाश वैष्णव
बी. ए. अंतिम वर्ष

इस मिट्टी से बैर करो मत, ये मिट्टी ही सोना है ।
इसी में हँसना इसी में गाना, इसी में यारों रोना है ।
इस मिट्टी के लिए जन्म लिए हो, इसी मिट्टी में रहना है ।
इसी में खा के इसी में जा के, इसी में वापस आना है ।
इससे प्रेम करोगे प्यारे, नाम अमर हो जाना है ।
इसी में सपना इसी में अपना, इसी में ये जग सारा है ।
इसी में कंकर इसी में पत्थर, इसी में अन्न होना है ।
इस मिट्टी से बैर करो मत, ये मिट्टी ही सोना है ।
इसी में आना इसी में जाना, इसी में खोना पाना है
इसी में राम जी इसी में किशनजी, इसी में प्रभु को आना है ।
जितने पापी है दुनियाँ में, इनको मिटा के जाना है ।
इसी में पाप इसी में पुण्य, यही से दोनों को जाना है ।
अच्छे कर्मों का फल अच्छा, बुरा करके पछताना है ।
इसी मिट्टी से प्यार करोगे, हँसते-हँसते जाना है ।
इस मिट्टी से बैर करो मत, ये मिट्टी ही सोना है ।

□□□

*एक विचार लो, उस विचार को अपना जीवन बना लो। उसके बारे में सोचो, उसके सपने देखो, उस विचार को जीयो और बाकी सभी विचार को किनारे कर दो। यही सफल होने का तरीका है। – **स्वामी विवेकानंद***

हमारे शिक्षक

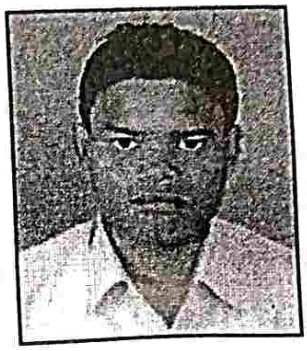

किशोर निषाद
बी. एससी. अंतिम वर्ष

माता ने हमको जीवन दिया,
पिता ने दिया सहारा,
ज्ञान का पुष्प लगाकर,
शिक्षक ने उन्हें संवारा,
जीवन के इस बागबान का
मैं सम्मान सदा करता हूँ,
हाथ जोड़कर शीश झुकाकर
उन्हें प्रणाम करता हूँ।

जीवन के सद्मार्गों का,
जिसने ज्ञान कराया,
हाथ पकड़कर उन राहों पे,
जिसने चलना सिखाया,
जीवन के ऐसे मार्गदर्शक का,
मैं सम्मान सदा करता हूँ,
हाथ जोड़कर शीश झुकाकर,
उन्हें प्रणाम करता हूँ।

एक प्रश्न के उत्तर के लिए जिसने,
जमीन आसमाँ एक कर डाला,
उस प्रश्न के उत्तर के लिए जिसने,
पुस्तक का हर पन्ना पलट डाला,
ऐसे कर्मनिष्ठ पुरूष का,
मैं सम्मान सदा करता हूँ,
हाथ जोड़कर शीश झुकाकर,
उन्हें प्रणाम करता हूँ।

दुनिया के किसी गली में,
यूं ही भटक रहे होते,
अगर हमारे सभी शिक्षक,
सही राह न दिखाये होते,
ऐसे शुभचिन्तक का आज,
पूरे दिल से सम्मान करता हूँ,
हाथ जोड़कर शीश झुकाकर,
उन्हें प्रणाम करता हूँ।

□□□

Don't take rest after your first victory because if you fail in second, more lips are waiting to say, that your first victory was just luck - ***Dr. A.P.J. Abdul Kalam***

विद्यार्थी

गीता साहू
बी. एससी द्वितीय वर्ष (बायो.)

जीवन की राह में, हम सब हैं विद्यार्थी ।
शरीर रूपी रथ में,
आत्मा रथी और परमात्मा है सारथी ।
हम चाहे विदेशी हों, चाहे हों भारती ।
हमें तो बस, मानवता है पुकारती ।
जीवन की राह में हम सब हैं विद्यार्थी ।।

जोश तो हम सब में है ।
पर होश होना चाहिए ।
जीवन सागर पार करना है,
तो सार को अपनाइए ।
यही सार डुबती नौका को उबारती,
जीवन की राह में हम सब हैं विद्यार्थी ।।

आलस्य सम शत्रु नहीं,
ढूंढकर देखलो, मिलेगा न कहीं ।
बैठा है छुपा शरीर-रथ में,
बहता जा रहा है रग-रग में
हे प्राणी ! परिश्रमी बनों,
तुम्हें श्रमशीलता है पुकारती ।
जीवन की राह में हम सब हैं विद्यार्थी ।।

जीवन में धोखे के साथ-साथ,
पग-पग पर सबक और सीख है ।
इसे ऐसे सहेज कर रखो,
जैसे भिखारी सहेज कर रखता भीख है।
हर सीख हमारी गलतियों को है सुधारती ।
जीवन की राह में हम सब हैं विद्यार्थी ।।

□□□

हिम्मत न हारो

ओमप्रकाश गवेल
बी.ए. द्वितीय वर्ष

जब कोई काम बिगड़ जाये,
जैसा कि कभी-कभी होगा
जब रास्ता सिर्फ चढ़ाई का ही दिखता हो
जब पैसे कम और कर्ज ज्यादा हो
जब मुस्कुराहट की इच्छा आह बने
तो सुस्ता लो, लेकिन हिम्मत न हारो, डटे रहो।

भूल-भुलैया है ये जीवन
पगडंडियाँ जिसको हमें पार करनी है
कई असफल हो लौट गये
पार होते गये जो आगे बढ़ते गये
धीमी रफ्तार है तो क्या
मंजिल को एक दिन पाओगे
लेकिन हिम्मत न हारो, डटे रहो।

सफलता छिपी असफलता में ही
जैसे शंका के बादल में आशा की चमक
नाप सकोगे क्या इतनी दूरी
दूर दिखती है लेकिन मुमकिन है यह
डटे रहो चाहे कितनी भी मुश्किल हो
चाहे हालात जितने भी बुरे हों
लेकिन हिम्मत न हारो, डटे रहो।

❑❑❑

कोई भी लक्ष्य,
इंसान के जुनून से बड़ा नहीं ।
जीता वही जो डरा नहीं ।।

हर हाल में

उमर रात्रे
बी.एससी. द्वितीय वर्ष (गणित)

लोग कुतर्क, अनुचित और स्वार्थी होते हैं,
फिर भी उन्हें प्यार करें ।
यदि आप अच्छा काम करेंगे तब भी लोग आपको स्वार्थी कहेंगे
फिर भी अच्छे कर्म करें ।
यदि आप सफल हैं तो आप झूठे मित्र और सच्चे दुश्मन पायेंगे
फिर भी सफल बनें ।
आज आपने जो अच्छा किया उसे भूला दिया जायेगा
फिर भी अच्छा करें ।
उच्च कोटि के लोगों और उनकी कल्पनाओं को निम्न स्तर के लोग सदा नकारेंगे ।
फिर भी उच्च विचार रखें ।
लोग कमजोर के प्रति सहानुभूति रखते हैं परन्तु ताकतवर का ही अनुसरण करते हैं
फिर भी कमजोरों की मदद करें ।
जिसे बनाने में आपको वर्षों लगे वह रातों-रात नष्ट हो जायेगा
फिर भी निर्माण करें ।
लोगों को सहायता की आवश्यकता है परन्तु सहायता मिलने के पश्चात् वे आपका विरोध करेंगे
फिर भी लोगों की सहायता करें ।
संसार का भला करने पर भी आपको बुराई मिलेगी
फिर भी भलाई करें ।

❑❑❑

छत्तीसगढ़ दर्शन

कु. हेमकुमारी पटेल
बी. ए. द्वितीय वर्ष

अपना छत्तीसगढ़ देखो, कितना विशेष देखो ।
आओ-आओ घूमो यहाँ, खुशियों से झूमो यहाँ ।।
छत्तीसगढ़ की है शिमला, 'मैनपाट' से घिरा ।
राजिम की क्या शान, महातीर्थ का है धाम ।।
'रायपुर' की क्या सानी, अपनी है राजधानी ।
ऊँचे-ऊँचे है मकान, यहाँ की निराली शान ।।
आओ-आओ खरौद, 'कांशी' की है बेमिसाल ।
शबरी का है धाम, 'शिवरीनारायण' का नाम ।।
देखो ऊँचा है 'मैनपाट', बड़ा ही कठिन है घाट ।
ऊँचे-ऊँचे हैं पहाड़, यहाँ की निराली है पहाड़ ।।
लोहे की ढलाई देखो, देखो 'भिलाई' देखो ।
गूंजे जहाँ सुर का ताल, 'खैरागढ़' है बेमिसाल ।।
'कोरबा' की बिजली, हम सब को मिली ।
'देवभोग' का है मान, हीरे का जहाँ खदान ।।
'चैतुरगढ़' की है शान, कश्मीर का मान ।
मंदिरों का ये नगर, 'आरंग' की ये शान ।।
'रायगढ़' की क्या शान, बुढ़ीमाई का मान ।
ऊँचे-ऊँचे हैं पहाड़, यहाँ की निराली शान ।।
नदी की धारा है 'शिवनाथ', लम्बी है इसकी धार ।
महानदी की धारा देखो, 'सिरपुर' मल्हार देखो ।।
'बस्तर' के वन में देखो, वहाँ का भोलपन देखो ।
ऊँचे-ऊँचे हैं झाड़ देखो, बहती नदी और पहाड़ देखो ।।
गूँजे जहाँ सत्यनाम, 'गिरौदपुरी' का धाम ।
कबिरा की सुनो बानी, 'दामाखेड़ा' की है जुबानी ।।
फसलों में है धान, 'छत्तीसगढ़ ' का है नाम ।
छत्तीसगढ़ सुख का धाम, करे इसका गुणगान ।।
अपना प्रदेश है ये, कितना विशेष है ये ।
सबका दुलारा है ये, सच में बड़ा प्यारा है ये ।।

□□□

हाय ! ये सभ्यता

(संकलित)

सागर सिदार
एम.ए. पूर्व

डमरूधर राठिया
एम.ए. पूर्व

तुलसी की जगह मनीप्लांट ने ले ली ..
चाची की जगह आंटी ने ले ली ..
पिताजी डेड हो गये ..
भाई तो अब ब्रो हो गये ..
बेचारी बहन भी अब सिस हो गयी ..
दादी की लोरी अब टांय-टांय फिस्स हो गयी।

टी. वी. के सास-बहू में भी
अब सांप-नेवले का रिश्ता है ..
पता नहीं एकता कपूर
औरत है या फरिश्ता है ।

जीती जागती माँ बच्चों के लिए ममी हो गयी ..
रोटी अब अच्छी कैसे लगे ..
मैगी जो अतनी यम्मी हो गयी ।

गाय का आशियाना अब
शहरों की सड़कों पर बचा है ..
विदेशी कुत्तों ने लोगों के कंधो पर
बैठकर इतिहास रचा है ।

बहुत दुखी हैं ये सब देखकर
दिल टूट रहा है
हमारे द्वारा ही हमारी
भारतीय सभ्यता का साथ छूट रहा है ।

❑❑❑

एकाग्रता और सफलता

अरूण कुमार यादव
बुक लिफ्टर

सफलता हेतु एकाग्रता अनिवार्य है । कोई भी व्यक्ति एकाग्र हुए बिना अपना लक्ष्य प्राप्त नहीं कर सकता । सफल होने के लिए अपने विचारों को एकाग्र करना आवश्यक है । बिना रूचि के एकाग्र होना मुश्किल है । परिणाम प्राप्ति की आशा भी एकाग्रता को बढ़ाती है । सफलता एवं एकाग्रता के बीच गहरा संबंध है । विषय या वस्तु में रस लेने पर एकाग्रता आती है । एकाग्रता रस का परिणाम है तन्मयता से ही एकाग्रता पैदा होती है । चाहत उसे स्वतः पैदा करती है । रसमयता परिणाम के आधार पर नहीं होती, स्वयं कर्म करने से प्राप्त खुशी से आती है ।

एकाग्रता ही सभी प्रकार के ज्ञान की नींव है । इसके बिना कुछ भी करना संभव नहीं है । अपनी प्रगाढ़ रूचि के कारण ही एकलव्य मिट्टी के द्रौण से सीख लेता है ।

उठो जागो और लक्ष्य की प्रप्ति तक रूको नहीं।

❑❑❑

अपने आप को कभी सीमित न रखें ।
जो आपको हृदय से पसंद है वो करें,
चाहे वो कुछ भी हो।

MOTIVATION

Pro. Romi Kumar Jaiswal
Guest Asstt. Pro. English

Everyone wants to be successful, but sadly, most people don't have what it takes to produce the outstanding results like successful people do. If you want to be successful, you must first start with yourself. You must change the way you do things.

When you change the way you do things, you will get different result in life. It is what you do each day that gets you where you are right now. Therfore if you continue to do what you have always been doing, you will never get to the new place that you wanted to go.

We are the creatures of habits. It is what consistently do that will deteremine who we are. Bill gates did not grow microsoft into a multi billion company in a year.

Great work takes time. If you want to be successful. It is going to take time and you must be able to change and improve yourself to get there. So start by learning what successful people do differently, replicate their success and innvate their habits and mind set to make them yours. ☐☐☐

समय का सदुपयोग

रोमी जायसवाल

समय अनमोल है । यदि हमें जीवन से प्रेम है तो यही उचित है कि समय को व्यर्थ नष्ट न करें । खोई दौलत फिर कमाई जा सकती है, भूली हुई विद्या फिर याद की जा सकती है, खोया स्वास्थ्य चिकित्सा द्वारा लौटाया जा सकता है पर खोया हुआ समय कभी भी नहीं लौट सकता। उसके लिए केवल पश्चाताप ही शेष रह जाता है।

जिस प्रकार धन के बदले में अभीष्टित वस्तुएँ खरीदी जा सकती हैं, उसी प्रकार समय के बदले में भी विद्या, बुद्धि, कीर्ति, आरोग्य, सुख, शांति, मुक्ति,आदि प्राप्त किया जा सकता है।

ईश्वर ने समय रूपी प्रचुर धन देकर मनुष्य को पृथ्वी पर भेजा है और निर्देश दिया है कि इसके बदले में संसार की जो वस्तु रूचिकर समझें, प्राप्त कर लें ।

अधिकांश लोग आलस्य और प्रमाद में पड़े हुए जीवन के बहुमूल्य क्षणों को यों हि बर्बाद कर देते हैं । हर बुद्धिमान् व्यक्ति ने बुद्धिमता का सबसे बड़ा परिचय यही दिया है कि उसने जीवन के क्षणों को व्यर्थ बर्बाद नहीं होने दिया ।

विद्यार्थी जीवन भी ईश्वर का अमूल्य वरदान है, हम अपने आपको समाज में एक प्रतिष्ठित रूप प्रदान करने के लिए तप करते हैं एवं सफलता प्राप्त करने हेतु संघर्ष करते हैं । कुछ विद्यार्थी असफल हो जाने से हताश हो जाते हैं। ऐसे विद्यार्थियों ने सफलता का प्रयास पूरे मन से नहीं किया।

अपने समय का सदुपयोग किए बिना कोई भी व्यक्ति महान नहीं बन सकता । यदि हमें जीवन से प्रेम है, तो हमें अपने बहुमूल्य समय को कभी भी नष्ट नहीं होने देना चाहिए । अगर आप महापुरूषों का इतिहास पढ़ें तो पायेंगे कि उन्होंने समय का महत्व जानकर उसका सही सदुपयोग किया एवं जीवन के हर क्षेत्र में अपने आपको अग्रणी बनाया।

यहाँ मुझे श्री हरिवंशराय बच्चनजी की एक कविता याद आती है । वे लिखते हैं ...

"माना अंधेरा घना है, पर दीपक जलाना कहाँ मना है।"

इंसान ने वक्त से पूछा ...
मैं हार क्यूँ जाता हूँ ?
वक्त ने कहा ....
धूप हो या छाँव हो,
काली रात हो या बरसात हो,
चाहे कितने भी बुरे हालात हो,
मैं हर वक्त चलता रहता हूँ ।
इसलिए मैं जीत जाता हूँ ।
तुम भी मेरे साथ चलो
कभी नहीं हारोगे ....

बाबा साहब अम्बेडकर जी के संदेश

(संकलित)

गायत्री राठिया
एम.ए. पूर्व

लेखराम राठिया
एम.ए. पूर्व

★ शिक्षा उस शेरनी का दूध है जो पियेगा वो दहाड़ेगा, इसलिए मैं तुम्हें सफल बनने का मूल मंत्र देता हूँ – शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो ।

★ राजनीति में हिस्सा नहीं लेने से अयोग्य व्यक्ति शासक बनकर आप पर शासन करेगा ।

★ अपने वोट की कीमत समझो, हमें बिकने वाला समाज नहीं बनाना है ।

★ मैंने रानी के पेट की नसबंदी, तुम्हें वोट का अधिकार दिलवाकर कर दी है। अब आप खुद अपने वोट से राजा बन सकते हो या बना सकते हो ।

★ अपनी दिवारों पर लिख दो कि हमें इस देश की शासक जमात बनना है ; क्योंकि शासन करने वाले, अधिकार मांगने वाले नहीं अपितु देने वाले होते हैं।

★ मेरे बहादूर सिपाहियों ! मैं ये कारवां यहाँ तक बड़ी कठिनाइयों से लाया हूँ। जहाँ आज ये दिख रहा है, ये निरंतर आगे ही बढ़ते रहना चाहिए । अगर आगे नहीं बढ़ा सको तो किसी भी सूरत में पीछे की ओर मत धकेलना ।

★ मेरे लोगों ! तुम सिर्फ धार्मिक पाखंड को ढो रहे हो, इसे छोड़ दो और भारतीय संसद में जाओ । तुम्हें शासक वर्ग बनाना मेरे जीवन का अंतिम उद्देश्य है। यह सपना आपको साकार करना होगा ।

★ मैंने तुम्हे आजाद करवाने के लिए मेरा सारा जीवन समर्पित कर दिया है, मेरे परिवार को कुर्बान कर दिया । मेरी इस कुर्बानी को व्यर्थ मत जाने देना । आपको आपसी मतभेद भुलाकर संगठित होना है और अपने अधिकारों के लिए संघर्ष करना है । □□□

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ

यशोदा राठिया
बी. एससी. अंतिम

अभिशाप नहीं, वरदान है लड़की ।
संसार के विस्तार का विधान है लड़की ।।
दान के रूप में कन्यादान है लड़की ।
शक्तियों में सबसे प्रधान है लड़की ।।
घर बने स्वर्ग जिससे, वह नाम है लड़की ।

बोये जाते हैं बेटे, पर उग आती हैं बेटियाँ ।
खाद पानी बेटों पर, पर लहराती हैं बेटियाँ ।।
मान गिराते हैं बेटे, पर नाम कमाती हैं बेटियाँ ।
रूलाते हैं बेटे, पर सहलाती हैं बेटियाँ ।

पढ़ते हैं बेटे, पर सफलता पाती हैं बेटियाँ ।
फिर भी कहलाती हैं पराया धन बेटियाँ ।।
कुछ भी कहें पर अच्छी है बेटियाँ ।। □□□

प्रकृति की गोद में है ''खुशहाली''

कु. खुलेश्वरी राठिया
बी. एससी. अंतिम वर्ष (बायो.)

सूरज की पहली किरण से ।
दोस्ती कीजिए ।
सरसराती खुशनुमा हवा को,
अपने भीतर समेटिए ।।
फूल पतियों के रंग-रूप को निहारिए ।
पक्षियों की चहक, प्यार से सुनिए ।।
पेड़ों पर लदे फल को ध्यान से देखिए ।
यह जानिए कि देने का भाव कितनी विनम्रता ले आता है ।।
प्रकृति के करीब जाइए ।
और जिन्दगी खुशहाल बनाइए ।

यह हकीकत है कड़वी-सी, कि जब से हमने प्रकृति के साथ जीना छोड़ा है, बीमारियाँ भी हमसे जुड़ गयी हैं । प्रकृति ने हर ओर से खूबसूरत-सी छटा बिखेर रखी है । हर मौसम का अपना आनन्द होता है । जिसके साथ हमें जुड़ाव रखना चाहिए । विशेषज्ञ भी मानते हैं कुदरत के करीब रहने से आपकी शारीरिक और मानसिक सेहत दुरूस्त रहती है । यही वजह है कि जो लोग प्राकृतिक वातावरण में रहते हैं, वे ज्यादा खुश रहते हैं ।

- गुणवत्ता जीवन का आधार -

प्रकृति के बिना हमारा जीवन गुणवत्तापूर्ण नहीं हो सकता क्योंकि कुदरत का हर रंग हमें स्वयं से जोड़ता है ।

जिस तरह मौसम व प्रकृति में बदलाव होता है, उसी तरह हमारे शरीर और मन-मस्तिष्क में भी बदलाव होते हैं । इसलिए जैसे कुदरत के बदलाव को जीने के लिए कुछ पल ठहरकर आनंद लेना होता है उसी प्रकार अपने भीतर आ रहे बदलावों को समझने के लिए भी खुद के भीतर झांकने की आवश्यकता होती है । प्रकृति का साथ हमें यह बखूबी समझाता और सिखाता है कि प्रकृति हर परिस्थिति के लिए खुद को तैयार करती है ।

एच. जी. वेल्स के अनुसार :- "अनुकूल बनें या नष्ट हो जाएँ, यही प्रकृति की अनिवार्यता है ।"

प्रकृति को गहराई से देखिये और जानिए, आप हर एक चीज को बेहतर ढ़ंग से समझ सकेंगे । ऐसे विचार हमारे जीवन को स्तरीय बनाते हैं । उन गुणों को सहेजते हैं, जो सुखी, स्वस्थ्य और गुणवत्ता भरे जीवन का आधार है ।

- अपनों से ''जुड़ाव'' की राह -

प्रकृति के अनूठे सौन्दर्य से हमें खुशी मिलती है । कई व्रत, त्यौहार, प्रकृति पूजन से ही जुड़ते हैं । कृतज्ञता की सोच सदैव बनी रहती है क्योंके सोच हमें सकारात्मकता से जोड़ती है ।

कठिनाइयों में सबसे अधिक सहयोग व सहानुभूति मित्रों व परिवार से मिलती है, उनके प्रति कृतज्ञ होना हमारा नैतिक दायित्व है ।

"अतः हमेशा अपनों से जुड़े रहें "

□□□

आप भी तो समझदार हो

रम्भा राठिया
बी.एससी. अंतिम वर्ष (बायो.)

मान के बाद मनुहार हो,
इस तरह भी कभी प्यार हो !
कल्पनाएँ न सीमित रहें,
कल्पनाओं का विस्तार हो !
जिंदगी के घमासान में,
प्यार से जीत या हार हो !
ऐसा सपना भी मत देखना,
उम्र भर जो निराकार हो !
छह दिवस काम के बाद,
सबके हिस्से में इतवार हो !
युक्तियाँ हम ही बतलायें क्यों,
आप भी तो समझदार हो !
मैं तो कहती हूँ हर देश में,
सिर्फ जनता की सरकार हो !

□□□

आँसू ना होते तो आँख इतनी खूबसूरत ना होती,
दर्द ना होता तो खुशियों की कीमत ना होती ।
पूरी करता रब यूं ही सब मुरादें,
तो इबादत की कभी जरूरत ना होती।।

अरमानों का महल बनाती हूँ...

नमिता राठिया
बी. ए. प्रथम वर्ष

तिनका-तिनका जुटाकर
अरमानों का महल बनाती हूँ ..
छल के धरातल पर
बड़े जतन से.. उसे सजाती हूँ
संवारती हूँ, निहारती हूँ..
इतराती हूँ, फिर .. उसके खयालों में खो जाती हूँ..
तभी आता है .. एक झोंका सच्चाई का ..किसी ओर से
और बिखर जाता है ...
उस म्हल को, देखती रह जाती हूँ...
भरभराकर गिरते हुए,
उस घरौंदे को, उन्हीं आँखें से सजाया था ..
कभी जिनमें एक सपना
उसे आबाद करने का, बेबस लाचार, उदास
बिलखती हूँ, रोती हूँ.. सारी-सारी रात, न सोती हूँ..
गुजरते हैं यू ही ...कुछ दिन,
फिर .. तिनके जुटाने लगती हूँ..

□□□

सुविचार -
टूटी कलम और गैरों से जलन हमें खुद का भाग्य लिखने नहीं देती।

निर्भय बनिये

कु. निर्मला सिदार
बी. एससी. प्रथम वर्ष (बायो.)

यह कैसी बाधा है, जो हमारे जीवन की निरंतर प्रगति को प्रभावित करती है। कई लोग इसे हराकर आगे बढ़ जाते है, तो कई लोग इसे अपनी कमजोरी बना लेते है।

पं. श्रीराम शर्मा आचार्य की एक छोटी सी पुस्तिका है :- ''हारिये ना हिम्मत'' । इसमें एक महीने अर्थात 31 दिनों की शिक्षा के बारे में बताया गया है, कि किस तरह आप अपने जीवन में कठिनाइयों से विजय होकर बदलाव ला सकते हैं।

इसी तरह भय से हार ना मानें, अपने सम्पूर्ण मनोबल से उसका सामना करें । जब कभी डर के कारण आपके हाथ- पैर ठंडे पड़ जायें, तो अपने डर को एक से दस के पैमाने पर परखें, देखें कि 10 के पैमाने पर मेरा भय कहाँ है- एक, पाँच या सात पर, ऐसा करते ही भय कम होने लगेगा, क्योंकि इससे दिमाग का सोचने वाला हिस्सा सक्रिय हो जायेगा और भावनाएँ काबू में हो जाएँगी ।

डर को टालने से उसकी शक्ति बढ़ती है, उसका सामना करें । जैसे लिफ्ट में सवार होने से डर लगता है, तो उसमें सवार होकर डर को महसूस करें । जब आप उसका सामना करते हैं, तो वह कमजोर पड़ने लगता है ।

भय को अवसर के रूप में देखना शुरू करें । यदि किसी कार्य की डेडलाइन या कोई कार्यक्रम के कारण अचानक भय पैदा हो जाये, अथवा परीक्षा की घड़ी हो तो पूरी तैयारी की मुकम्मल योजना बना लें । जिन बातों से हमें भय लगता है, वे अजीब तरह का आनंद भी देती है, इसलिए तो लोग हॉरर फिल्में देखते है । इस रूप में देखें, तो जिन्दगी में इसकी भूमिका पंसद करने लगेंगे ।

यह बेमिसाल ताकत है इसका दोहन करें । जिन्दगी-मौत वाली स्थितियों में भय आपकी ताकत बन सकता है । ज्ञानेन्द्रियों की क्षमता एकदम बढ़ जाती है और अपने आप पता लगने लगता है कि क्या करना है । इसका उपयोग सर्वोत्तम प्रदर्शन के लिए करें ।

हर व्यक्ति के जीवन में खौफनाक घटनायें, कभी घटती ही नहीं है, यानी यह घटना, मनुष्य के दिमाग में होती है।

!! विपत्ति का आना "Part of Life" है
और उस विपत्ति में मुस्कुराकर बाहर
निकल आना "Art of Life" है !!

□□□

सत्य ही मानव का आभूषण है –
संतगुरू बाबा घासीदास

यंत्रों की सहायता से सर्वेक्षण

(संकलित)

हेमकुमारी पटेल
बी. ए. द्वितीय वर्ष

भुवनेश्वरी राठौर
बी. ए. द्वितीय वर्ष

पृथ्वी अथवा उसके किसी भाग का मानचित्र तैयार करने हेतु सर्वेक्षण आवश्यक होता है । सामान्यतः सर्वेक्षण तीन प्रकार से होता है :–

(1) क्षैतिज दूरी नापकर
(2) दिशा ज्ञात करके
(3) ऊँचाई नापकर

इन तीनों नापों के बिना कोई सवेक्षण पूरा नहीं किया जा सकता। वास्तव में नाप ही सर्वेक्षण का आधार हैं । सर्वेक्षण के द्वारा हम किसी भू–भाग का क्षेत्रफल ज्ञात करते हैं और साथ–ही–साथ उस भू–भाग के अभिदृश्य का सापेक्ष चित्रण भी करते हैं। इससे धरातलाकृति का सही प्रदर्शन हो जाता है।

प्रिज्मीय कम्पास

भारत सहित विश्व के कई देशों में प्रिज्मीय कम्पास द्वारा सर्वेक्षण किया जाता है ।

प्रिज्मीय कम्पास सर्वेक्षण के उपकरण :–

(1) प्रिज्मीय कम्पास तथा त्रिपाद स्टैण्ड
(2) जरीब अथवा फीता
(3) जरीब के तीर
(4) साहुल एवं कांटा
(5) स्पिरीट लेविल
(6) सर्वेक्षण दण्ड
(7) कागज तथा ड्राईंग उपकरण

क्षेत्र सर्वेक्षण करते समय त्रिपाद (तिपाई स्टैण्ड) एवं प्रिज्मीय कम्पास के अतिरिक्त आधार रेखा मापने के लिए फीता, केन्द्रण के लिए तीर या भारी तीर एवं साहुल, स्टेशन वस्तु एवं बिंदु विशेष की सही–सही स्थिति निश्चित करने हेतु आरेखन बांस सर्वेक्षण दण्ड एवं स्प्रिट लेबिल सहायक उपकरणों की आवश्यकता होती है ।

उपकरणों के सहारे किसी भी स्थान का सर्वेक्षण कर सकते हैं जैसे–नदी, नहर, सड़क, रेलमार्ग के साथ–साथ चलकर सर्वेक्षण किया जा सकता है ।

□□□

जरीब एवं फीता सर्वेक्षण

मुकेश कुमार चौहान
बी. ए. प्रथम वर्ष

धनेश्वरी उराँव
बी. ए. प्रथम वर्ष

(1) किसी खेत, चक या छोटे भू–भाग के सही सीमांकन हेतु सर्वेक्षण करना ।

(2) कृषि भूमि का बंटवारा करना हो या छोटे भू–भाग की सीमा निश्चित करनी हो ।

(3) कोई प्रदेश समतल हो एवं जिसमें बाधाएं न्यूनतम हो । इसमें क्षैतिज दूरियाँ शुद्धता से मापी जा सकती है ।

(4) समय में शुद्धता का अधिक महत्व है ।

(5) जरीब तीन प्रकार के होते है :–

(1) मीटर जरीब –

मीटरिक प्रणाली वाले देशों में मीटर को माप इकाई मानकर जरीब की लम्बाई निश्चित की जाती है। 20 मीटर लम्बी जरीब 66.6 फीट और 30 मीटर लम्बी जरीब लगभग 100 फीट लम्बी होती है । जरीब 100 कड़ियों में विभाजित होती है ।

(2) इंजीनियरी जरीब –

इस जरीब का प्रचलन प्रारंभ में भारत सहित ब्रिटिश माप इकाई वाले देशों में रहा है । 100 कड़ियों में विभाजित सौ फीट लम्बी होती है । इस पर भी दस कड़ी के बाद पीतल के चिन्ह होते हैं ।

(3) गन्टर या सर्वेक्षण जरीब –

इसमें भी 100 कड़ियाँ प्रति 10 कड़ी पर एक पीतल का चिन्ह होता है । इसकी एक कड़ी की लंबाई 0.66 फीट या 7.92 इंच होती है । खेत, चक, छोटे भू–भाग एवं सम्पत्ति के सीमा निर्धारण में या भू–कर सर्वेक्षण में अब तक इस जरीब का अधिक उपयोग होता रहा है ।

□□□

तितली महीने नहीं, क्षण गिनती है और उसके पास पर्याप्त समय होता है।

– रवीन्द्रनाथ टैगौर

भक्ति

दिग्विजय सिंह
एम. कॉम

'भक्ति' हाथ पैरों से नहीं होती है,
वरना विकलांग कभी नहीं कर पाते ।

'भक्ति' ना ही आँखों से होती है,
वरना सूरदास जी कभी नहीं कर पाते ।

ना ही 'भक्ति' बोलने सुनने से होती है,
वरना गूंगे बहरे कभी नहीं कर पाते ।

'भक्ति' केवल भाव से होती है ।

एक एहसास है 'भक्ति',
जो हृदय से होकर विचारों में आती है ।

पवित्र प्रेम है 'भक्ति',
जो परमात्मा से जुड़कर रिश्ते में बदल जाती है ।

'भक्ति' भाव का सच्चा सागर है ।

□□□

छत्तीसगढ़ राज्य की स्थिति और विस्तार (संकलित)

शारदा कुमारी भारद्वाज
बी. ए. द्वितीय वर्ष

छत्तीसगढ़ राज्य मध्यप्रदेश के दक्षिण पूर्व में स्थित है। यह 17°46 उत्तरी अक्षांश से 24°5 उत्तरी अक्षांश और 80°15 पूर्वी देशान्तर से 84°24 पूर्वी देशान्तर के मध्य विद्यमान है । उत्तर से दक्षिण की ओर 700 किमी. तथा पूर्व से पश्चिम की ओर 435 किमी. में यह राज्य फैला हुआ है । छत्तीसगढ़ राज्य छः भौगोलिक सीमा को छूता है। उत्तर में उत्तर प्रदेश, दक्षिण में आन्ध्रप्रदेश, उत्तर–पूर्व में झारखण्ड, दक्षिण–पूर्व में उड़ीसा, उत्तर–पश्चिम में मध्यप्रदेश, और दक्षिण–पश्चिम में महाराष्ट्र प्रदेश स्थित है ।

छत्तीसगढ़ में चार संभाग है रायपुर संभाग, बिलासपुर संभाग, बस्तर संभाग और सरगुजा संभाग । बस्तर संभाग इस राज्य का क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा संभाग है ।

□□□

अपने "सुन्दर" शरीर पर घमंड ना करो,
क्योंकि इसकी कीमत एक कटोरा राख (मिट्टी) है।

पंचमुखी मंदिर

(संकलित)

हरिशंकर साहू
बी. ए. प्रथम वर्ष

सार्वजनिक पंचमुखी हनुमान मंदिर की प्रतिमा

रामजीपाल, राधेश्याम रायपुर द्वारा प्रदत्त एवं स्थापित ।

वि. सं. 2045, माघ शुक्ल पक्ष बसंत पंचमी

दिनांक 10.02.1989

– संरक्षक –

श्री बजरंग अग्रवाल

श्री बजरंग जिंदल

श्री भोजसिंह राठिया, कुनकुनी

अध्यक्ष – विमल गर्ग, खरसिया

उपाध्यक्ष – साखी गोपाल, भेलवांडीह

सचिव – सुशील अग्रवाल डिंपल, खरसिया

सह–सचिव – त्रिभुवन पटेल, रानी सागर

कोषाध्यक्ष – नित्यानंद शर्मा, खरसिया

माँ दुर्गा मंदिर पंचमुखी मंदिर (पूर्व दिशा में)

यह मंदिर स्व. लाला जयनारायण की पुण्य स्मृति में
उनकी पत्नी श्रीमती कस्तुरीदेवी, हाटी वाले ने वर्ष 1995 बनवाया ।

इस मंदिर के बगल में विन्ध्यवासिनी दुर्गा मंदिर स्थापित है । ऊपर पर्वत पर श्रीशंकर जी की प्रतिमा स्व. श्री लालप्रसाद अग्रवाल, सपोस वाले के स्मृति में उनके पुत्र राजकुमार अग्रवाल द्वारा किया गया है ।

ऊपर पर्वत पर दुर्गा माँ की मंदिर का जिर्णोद्धार है –

इंजीनियर – अभय गोयल

प्रोफेसर – डॉ. सुशीला गोयल

परिश्रम सौभाग्य की जननी है।
– बेंजामिन फ्रैंकलिन

स्त्री जागेगी तभी बात बनेगी

डॉ. श्रीमती रविन्द्र चौबे
सहायक प्राध्यापक
हिन्दी साहित्य

प्रो. मनोज साहू
सहायक प्राध्यापक
वाणिज्य

आकाश से गिरी आषाढ़ की पहली बूंद, चमन में खिला पहला फूल, धरा से निकली पहली जलधारा, ये सृजन के रूप हैं और इस धरती में मानव के सृजन का सूत्रधार है नारी । परन्तु जन्म से लेकर मृत्यु तक भारतीय नारी उपेक्षाओं एवं तरह–तरह की वर्जनाओं की शिकार है । असंतुलित लिंगानुपात, पोषक तत्वों का न्यूनतम उपयोग, कम उम्र में विवाह के कारण स्वास्थ्य में गिरावट, उच्च प्रजनन दर, घरेलू एवं कार्यस्थल पर यौनशोषण, दहेज एवं बलात्कार के कारण भारत में महिलाओं की स्थिति गंभीर है ।

हमारे देश में प्रतिवर्ष 150 लाख बच्चियाँ पैदा होती हैं जिनमें 25 प्रतिशत की मृत्यु 15 वर्ष की आयु से पहले ही हो जाती है । भारतीय नारी घर के कामों को पूरी दक्षता से करती हैं पर सराहना नहीं मिलती, बाहर भी वे जो काम करती हैं उनके लिए उचित मजदूरी नहीं मिलती । मात्र 4 प्रतिशत महिलाएं संगठित क्षेत्र में काम करती हैं और उचित मजदूरी पाती हैं । कृषि क्षेत्र में 79 प्रतिशत महिलाएं मजदूरी करती हैं, जिसके लिए या तो उन्हें कुछ नहीं मिलता या फिर पुरूषों की तुलना में आधी मजदूरी दी जाती है ।

संविधान के 73वें एवं 74वें संशोधन के अनुसार महिलाओं को शिक्षा, रोजगार एवं राजनीति में अवसर की वकालत की गई है । संविधान के अनुच्छेद 14 एवं 15 में लिंग भेद न करने की हिदायत है । सन् 1983 में बलात्कार संबंधी कानून में संशोधन हुए, दहेज विरोधी सेल बने । धारा 897 ए से घरेलू हिंसा की शिकार महिलाओं को राहत मिली । लेकिन महिलाओं पर हिंसा और अत्याचार की घटनाएं कम नहीं हुई । इसके महत्वपूर्ण कारक खुली अर्थव्यवस्था के कारण लगातार बढ़ती महंगाई, रोजगार के घटते अवसर, सांप्रदायिकता एवं आतंकी समूहों के तेजी से बढ़ते प्रभाव के साथ–साथ राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक संक्रमण है ।

महिलाओं के हक में कानून तो काफी है जैसे संपत्ति का अधिकार, दहेज उन्मूलन कानून, संगठित होने, तलाक मांगने का अधिकार, समान वेतन का अधिकार, मताधिकार परन्तु जमीनी हकीकत कुछ और ही है । सन् 1984 में पूरे देश में 13952 मामले नारी प्रताड़ना के दर्ज हुए थे जो 2004 में बढ़कर 56784 हो गए । 2014 में यह संख्या 147564 हो गई है । वर्ष 1985 में अपहरण और बलात्कार के 7652 मामले दर्ज हुए थे । वर्ष 2004 में बढ़कर 28998 हो गये।

प्रख्यात वकील एवं सामाजिक कार्यकर्ता फलेविया एकेस का कहना है कि प्रतिदिन औसतन 17 विवाहिताएँ दहेज के कारण मरती हैं । हर तीन मिनट पर इस देश में बलात्कार की एक घटना होती है । वेश्याओं की तादाद बढ़ रही है । लगभग 20 प्रतिशत वेश्याएं 9 से 12 वर्ष की हैं । पति या पिता की संपत्ति में महिलाओं को अधिकार कहाँ मिला है ? मुस्लिमों में विवाह भी अनुबंध है जो टूट जाए तो मेहर वसूलना भी दुष्कर हो जाता है । अगर छल या भय से किसी लड़की या औरत के साथ कोई यौन संबंध बनाता है तो उसे दंडित करने के लिए धारा 354, 373, 376ए, 366, 493, 494, 495 एवं 507 के तहत पीड़िता को यह सिद्ध करना पड़ता है कि पूरे कर्म में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से यह सहभागी नहीं थी । यह न्यायालय में प्रतिवादी अपने कुतर्कों और अपमानजनक टिप्पणियों से सिद्ध होने नहीं देता । घरेलू हिंसा के मामलों में भी औरत इन्हीं कारणों से न्याय नहीं पाती है ।

बेशक, बंधनों को तोड़कर, नियमों को दरकिनार कर अपनी जगह बनाने वाली स्त्रियों की संख्या बहुत अधिक नहीं है । आज भी हमारे देश में बहुसंख्यक स्त्रियाँ पितृसत्तात्मक पाबंदियों के बीच एक छोटी सी दुनिया में जिंदगी बिताने को मजबूर है । जिंदगी जहाँ कोई खिड़की नहीं खुलती, जहाँ से होकर कोई राह नहीं निकलती, जहाँ न सूरज उगता है, न रोश्नी की किरण प्रस्फुटित होती है, जहाँ हवा की आवाजाही पर भी पहरे हैं । सारे उन्नति के बावजूद यहाँ इस उन्नत देश की स्त्रियों की जो शक्ल है उससे आँखें मूंदी नहीं जा सकती । महिला उत्पीड़न से मुक्ति के लिए ग्रामीण एवं शहरी इलाकों में शिक्षा, स्वावलंबन, कानून का ज्ञान और महिलाओं की एकजुटता के लिए लगातार काम करने की जरूरत है । स्त्री और पुरूष एक दूसरे के पूरक हैं, इसलिए जरूरी है स्त्रियों को जागरूक करने के साथ–साथ पुरूषों की सोच बदली जाए । ❑❑❑

प्रतिवेदन : भूगोल विभाग

मनोज बरेठा
भूगोल विभाग

महात्मा गाँधी शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, खरसिया में कला संकाय के अंतर्गत भूगोल विषय का अध्यापन कार्य स्नातक स्तर पर जनभागीदारी समिति द्वारा सन् 2002 से किया जा रहा है । विभाग के द्वारा भूगोल में अभिरूचि रखने वाले समस्त छात्र–छात्राओं को उचित शिक्षा के साथ–साथ प्रत्यक्ष रूप से प्रायोगिक कार्य की सभी सुविधायें प्रदान की जाती है । भौगोलिक शिक्षा एवं प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता हेतु सतत् अध्ययन के साथ ही सही दिशा एवं मार्गदर्शन का भी होना आवश्यक है जो इस विभाग के द्वारा प्रदान किया जाता है । जिसकी वजह से छात्र–छात्राओं की रूझान भूगोल विषय में बढ़ती जा रही है एवं प्रतिवर्ष छात्र–छात्राओं की संख्या में वृद्धि होती जा रही है।

प्रत्येक वर्ष प्रायोगिक परियोजना कार्य के अंतर्गत भौगोलिक भ्रमण किया जाता है । गतवर्षों में अम्बेटिकरा (धरमजयगढ़), दमाऊधारा (सक्ती) का भ्रमण किया गया ।

भूगोल विभाग में सन् 2015–2016 में नियमित छात्र–छात्राओं की दर्ज संख्या–प्रथम वर्ष 150, द्वितीय वर्ष 108, अंतिम वर्ष–80 है । अध्ययनरत छात्र–छात्राओं के द्वारा प्रथम वर्ष के छात्र–छात्राओं के लिए स्वागत समारोह तथा अंतिम वर्ष के छात्र–छात्राओं के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया । अंतिम वर्ष के छात्र–छात्राओं के द्वारा भौगोलिक भ्रमण परियोजना के अंतर्गत चंद्रपुर (पर्यटन स्थल) का भौगोलिक भ्रमण किया गया । ❑❑❑

जीवन में दो ही प्रकार के लोग असफल होते है :–
पहले वे, जो सोचते तो हैं, पर करते नहीं ;
दूसरे वे, जो करते तो हैं, पर सोचते नहीं।

स्पोर्ट स्पेशल

डॉ. रमेश टण्डन
(प्रभारी क्रीड़ाधिकारी)
सहायक प्राध्यापक, हिन्दी साहित्य

खेल विभाग में महाविद्यालय ने सत्र 2015–16 में भी उत्कृष्ट कार्य करते हुए 03 विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय स्तर की प्रतियोगिता में एवं 32 विद्यार्थियों को राज्य स्तर की प्रतियोगिता में शामिल कराया । कबड्डी में गायत्री राठिया ने भुवनेश्वर में, खो–खो महिला में गमलेश्वरी राठिया ने वाराणसी में तथा खो–खो पुरूष में रूपेन्द्र राठिया ने भागलपुर में इस महाविद्यालय का नाम रौशन किया । राज्य स्तर के खेल में – कबड्डी (महिला) में गायत्री राठिया, सरोज सिदार, लक्ष्मी मरावी, हेमबाई सिदार ; कबड्डी (पुरूष) में – तूफान सिंह सिदार, उमेन्द्र कुमार सिदार, कृष्ण कुमार नेताम ; खो–खो (महिला) में – गमलेश्वरी राठिया, उनीता राठिया, अनिता राठिया, रम्भा राठिया, पद्मा राठिया ; खो–खो (पुरूष) में – सुभाष प्रसाद राठिया, रूपेन्द्र कुमार राठिया, दिनेश कुमार राठिया, राजकुमार ; बास्केट बॉल (महिला) में लक्ष्मी मरावी, चंचला जांगड़े, यशोदा सोनी ; फुटबॉल (पुरूष) में हितेन्द्र राठौर, सागर सिदार, धनेश्वर सिंह ; क्रिकेट में माजिद अली ; एथलेटिक्स (महिला/पुरूष) में गायत्री राठिया, मनोज कुमार सिन्हा, लेखराम राठिया, यश कुमार, दिनेश कुमार राठिया, सागर सिदार, दीपक कुमार राठिया, सुभाष प्रसाद राठिया, डमरूधर राठिया ने रायगढ़ सेक्टर की ओर से खेलते हुए महाविद्यालय को बुलंदियों में पहुँचाया । इसके अतिरिक्त यह महाविद्यालय इस वर्ष जिला स्तर में सबसे अधिक तीन खेलों – कबड्डी (महिला), खो–खो (महिला) एवं एथलेटिक्स (पुरूष/महिला) का भी आयोजक रहा । जिला स्तरीय खो–खो महिला एवं पुरूष दोनों में विजेता का खिताब तथा कबड्डी महिला एवं पुरूष दोनों में उप–विजेता का खिताब इस महाविद्यालय के नाम रहा । इन सभी खेलों का आयोजन एवं सहभागिता में महाविद्यालय के प्राचार्य, सभी प्राध्यापक, सभी कर्मचारी, छात्र–संघ पदाधिकारी, सिनीयर छात्रों के साथ–साथ एम.डी. वैष्णव, तीजराम पटेल, चिंतामणी चक्रधारी, राजू सागर, भरत, सागर सिदार, डमरूधर राठिया, लेखराम राठिया, सुभाष राठिया, दीपक राठिया, गायत्री राठिया, गमलेश्वरी राठिया, दिलीप राठौर, राजकुमार, रामनाथ, अनिलराज सिदार, रूपेन्द्र राठिया, केश्वर प्रसाद, पवन भगत, मनुएल एक्का, मनोज सिन्हा, मोना रात्रे, सपना पाटले, आर. बी. बर्मन आदि ने सहयोग किया, सभी साधूवाद के पात्र हैं।

विश्वविद्यालयीन प्रतियोगिता में शामिल छात्र–छात्राएं

कु. गायत्री राठिया

रूपेन्द्र राठिया

कु. गमलेश्वरी राठिया

एन.सी.सी.

प्रो. सरला जोगी
एन.सी.सी.अधिकारी

28 सी.जी. बटालियन एन.सी.सी. रायगढ़ की एक इकाई 1967 से महात्मा गांधी शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, खरसिया में संचालित है । प्रो. दुबे, क्रीड़ाधिकारी श्री एम.डी. वैष्णव, डॉ. रमेश टण्डन के एन.सी.सी अधिकारी के रूप में बीते कार्यकाल में कई कैडेटों ने एन.सी.सी. के आधार पर सुरक्षा सेवा से जुड़े विभिन्न पदों को हासिल किया है । यह महाविद्यालय के लिए गौरव की बात है । इस वर्ष एन. सी. सी. अधिकारी प्रो. सरला जोगी के निर्देशन में आर्मी अटैचमेंट कैम्प में अमर रात्रे , अमित लहरे, विकास बघेल, हेमलाल उरांव, भावेश वैष्णव, दौलतराम दिनकर, राजेन्द्र टंडन ; ऑल इंडिया ट्रैकिंग कैम्प में अमर रात्रे, ओमप्रकाश, संजय यादव, गिरधारी यादव ; आर.डी.सी. में ओमप्रकाश, महासिंह, रामदीन, यशवंत, खगेश्वर ; ट्रैकिंग कैंम्प में रामदीन राठिया, अमित लहरे, विकास बघेल, राजेन्द्र टंडन, धनंजय एवं आर.डी.सी. रायपुर में कमलचंद, रितेश राठौर, भुनेश्वर, धनश्याम टंडन ने प्रशिक्षण प्राप्त किया । पैरासिलिंग में 32 कैडेट्स ने भाग लिया । इस वर्ष भी एन. सी. सी. दिवस पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर अनेक प्रतियोगिताएं और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति हुई । इस वर्ष की कुल दर्ज संख्या 107 है, इसके सीनियर अंडर ऑफिसर विकास बघेल है ।

□□□

विकास बघेल
सिनियर अंडर ऑफिसर

गीतांजलि जोशी
जूनियर अंडर ऑफिसर

सुनिता टंडन
जूनियर अंडर ऑफिसर

राष्ट्रीय सेवा योजना और विशेष शिविर

प्रो. एम. एल. धीरही
कार्यक्रम अधिकारी, रा. से. यो.
सह प्राध्यापक, इतिहास

महात्मा गाँधी शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय खरसिया में राष्ट्रीय सेवा योजना का प्रारम्भ सन् 1985–86 में हुआ। प्रारम्भ में 50 छात्रों की संख्या रासेयो इकाई को आबंटित की गई थी। आज उस इकाई में 100 स्वयं सेवकों की संख्या आबंटित है। सत्र 2015–16 में कुल 121 छात्र–छात्राओं ने प्रवेश लिया जिसमें 57 छात्र एवं 64 छात्राएँ शामिल है। प्रवेश प्राप्त स्वयं सेवकों में वर्ग आधार पर संख्या सामान्य 01 अन्य पिछड़ा वर्ग 65 अनुसूचित जाति 28 एवं अनुसूचित जनजाति 27 है।

राष्ट्रीय सेवा योजना छात्र – छात्राओं में सामाजिक चेतना, अनुशासन की भावना का विकास एवं श्रम के प्रति गरिमा का भाव जागृत करने की दृष्टि से 1969 में प्रारम्भ किया गया। यह संयोग ही रहा कि वर्ष 1969 राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जी का जन्म शताब्दी वर्ष भी था। सम्पूर्ण भारत वर्ष में मात्र 40000 हजार विधार्थियों से यह योजना पूरी की गई आज उसकी संख्या 29 लाख पहुँच गयी है। छत्तीसगढ़ में 92000 विधार्थी योजना से जुड़ चुके है। लोग राष्ट्रीय सेवा योजना की आवश्यकता और उसकी उपयोगिता को समझने लगे है। छात्रों में जागरूकता आयी है। रासेयो के प्रेरणा पुरूष स्वामी विवेकानंद जी है। योजना का प्रतीक चिन्ह उड़ीसा के कोणार्क मंदिर के रथ के चक्र पर आधारित है।

रासेयो योजना का उद्देश्य समाज सेवा के माध्यम से विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का विकास है। आसपास के क्षेत्र में से किसी एक ग्राम को गोद ग्राम के रूप में इकाई की गतिविधि संचालित की जाती है। विशेष शिविर के अन्तर्गत सात दिवसीय विशेष शिविर किसी गांव में आयोजित की जाती है।

रासेयो में स्वयं सेवकों का मुख्य आकर्षण सात दिवसीय विशेष शिविर होता है। स्वयं सेवक रासेयो विशेष शिविर की प्रतीक्षा करते रहते है। विशेष शिविर में उन्हें व्यक्तित्व विकास के साथ–साथ अनुशासन, प्रशासन आदि की शिक्षा मिलती है। सत्र् 2015–16 में महाविद्यालय की रासेयो की इकाई की सात दिवसीय विशेष शिविर ग्राम गांड़ापाली तहसील खरसिया में दिनाँक 11.12.2015 से 17.12.2015 तक आयोजित की गई थी। विशेष शिविर का विषय "सम्पूर्ण स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए युवा" पर आधारित था। इस शिविर में 50 स्वयं सेवकों ने भाग लिया। विशेष शिविर का उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि श्री उमेश पटेल विधायक, खरसिया एवं श्री रविन्द्र पटेल, श्रीमती उमा राठिया जिला पंचायत सदस्य, श्रीमति सत्यवती राठिया जनपद पंचायत सदस्य, श्रीमती जनीरा बाई सरपंच ग्राम पंचायत गांड़ापाली विशिष्ट अतिथि थे। समापन समारोह के मुख्य अतिथि माननीय श्री गिरधर गुप्ता पूर्व अध्यक्ष खादी एवं ग्रामोद्योग निगम छ.ग. थे एवं श्री कमल गर्ग अध्यक्ष नगर पालिका खरसिया, श्रीचंद रावलानी, श्री धनसाय यादव अध्यक्ष जनभागीदारी समिति महाविद्यालय, श्री राजेन्द्र राठौर, श्री तरूण अग्रवाल, श्री राधेलाल वर्मा, पार्षदगण, विजय वर्मा आदि विशिष्ट अतिथि थे।

सात दिवसीय विशेष शिविर में स्वयं सेवकों के 5 दल बनाये गये थे। शिविरार्थियों द्वारा ग्राम गांड़ापाली मे शिविर स्थल, हैण्डपम्प परिसर, मंदिर परिसर, तालाबों के घाट, गाँव के गली आदि की सफाई

की गई। शिविर में स्वयं सेवकों को कार्य करने हेतु परियोजना समिति, बौद्धिक समिति, भोजन समिति उपकरण समिति, सांस्कृतिक समिति आदि कई समिति बनाई गई थी। शिविर में कार्य करने से स्वयं सेवकों को अनुभव प्राप्त हुआ। शिविर में प्रातः प्रभात फेरी, योग, परियोजना कार्य, बौद्धिक कार्य, ग्राम सम्पर्क, रासेयो खेलकूद, सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि दिनचर्या थी । शिविर दलनायक श्री लवकुश राठिया, श्री भूपेन्द्र पटेल, कार्यक्रम सहायक थे । विशेष शिविर में पूर्व वरिष्ठ स्वयं सेवक श्री चूड़ामणी यादव, श्री चन्द्रकांत जायसवाल, श्री तीजराम पटैल, श्री क्रांतिदास महन्त, श्री खिलेश्वर टंडन, श्री राजकुमार गवेल, श्री बहादूरमणि, श्री लच्छीराम चौहान, श्री छबिलाल श्रीवास आदि का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ । स्वयं सेवकों द्वारा गाँव में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया । स्वयं सेवकों ने अपने कार्यों एवं व्यवहार से ग्रामवासियों का मन मोह लिया । ग्राम के सरपंच, उपसरपंच, पूर्व सरपंच तथा ग्रामवासी, स्कूल के शिक्षकगण आदि का महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ ।

महाविद्यालय की रासेयो इकाई निरंतर प्रगति की ओर है । इस इकाई के कार्यों एवं गतिविधियों को प्रोत्साहन देने में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पी. सी. घृतलहरे का महत्वपूर्ण योगदान रहा है । इसके लिए राष्ट्रीय सेवा योजना उनका आभार मानती है । ❑❑❑

समाचार पत्रों में महाविद्यालय

किरण/दूत 17 जन० 2015

वार्षिक उत्सव में शामिल हुए विधायक उमेश

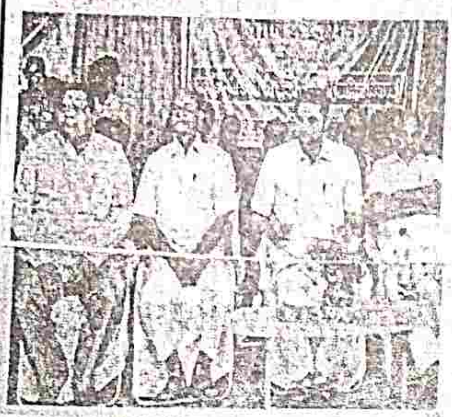

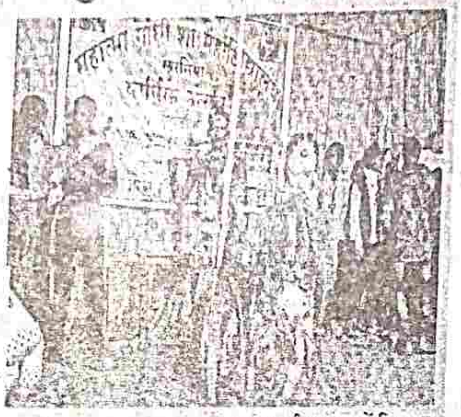

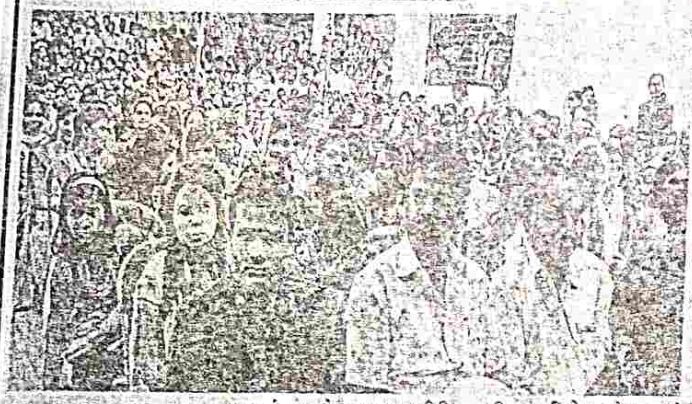

खरसिया @किरणदूत

महात्मा गांधी शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय खरसिया में वार्षिक उत्सव हुआ संपन्न। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक उमेश नन्दकुमार पटेल, बालकराम पटेल, रविन्द्र पटेल, अभय महंती, राम शर्मा, रामकिशुन आदित्य, हरिओम रुपेन्द्र शर्मा तेजराम नायक, भुवन पटेल, हेमेंद्र दर्शन गोपालकृष्ण नायक, देहाती, पदाधिकारी कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत में विधायक पटेल दीप प्रज्वलित किये। कालेज में अध्यापक कामेश शर्मा का नहर में डूब जाने के कारण निधन हो गया था।

कामेश शर्मा के दादा रुपेन्द्र शर्मा को सम्मानित कर कामेश को उनके सहयोगियों ने व कालेज परिवार ने याद किया। उनके सहयोगियों ने कहा की अगर कामेश होते तो कार्यक्रम में चार चांद लग जाते। तत्पश्चात कॉलेज के छात्र छात्राओं ने विभिन्न कार्यक्रमों की रंग बिरंगी मनमोहक प्रस्तुति दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर फैसी धुरुलहरे के द्वारा की गई।

एम.जी. कॉलेज ने संविधान दिवस मनाया

केवल प्रवाह 27 नवम्बर 2015

खरसिया। 26 नवम्बर को महात्मा गांधी शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय खरसिया में संविधान दिवस मनाया गया। डॉ. रमेश टण्डन के दिशा-निर्देशन में भारत के संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर को सादर याद करते हुए एवं उनके योगदान को याद करते हुए महाविद्यालय में शताधिक छात्रों व प्रोफेसर्स की उपस्थिति में संविधान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर प्रो. मनोज साहू, प्रो. राकेश गिरी, डॉ. रमेश टण्डन, प्रो. रोमी जायसवाल ने संविधान पर विस्तृत चर्चा करते हुए अपना वक्तव्य दिए। संविधान निर्मात्री सभा के अध्यक्ष डॉ. अम्बेडकर, संविधान के स्त्रोत, अनुच्छेद, अनुसूची, मौलिक कर्तव्य आदि के बारे में विस्तृत चर्चा की गयी। डॉ. टण्डन ने कहा कि हमें अपने मौलिक अधिकारों के साथ-साथ मौलिक कर्तव्यों को जानना आवश्यक है। प्रो. गिरी ने मौलिक अधिकारों का वृहद वर्णन उनके अनुच्छेद सहित किया। छात्रों की ओर से कु. राधिका पटेल व घनश्याम टण्डन ने अपने विचार रखे। दिग्विजय सिंह व बादलसिंह ठाकुर ने भी छात्रों को सम्बोधित किया। भारत के संविधान की उद्देशिका ''हम, भारत के लोग, भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-सम्पन्न.....'' का वाचन भी किया गया जिसे समस्त छात्रों ने दोहराया और संविधान की रक्षा तथा उसे पालन करने का वचन दिया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रो. तुषार दुबे, प्रो. रोमी जायसवाल, प्रो. राकेश गिरी, प्रो. एमके साहू, डॉ. आरके टण्डन सहित समस्त प्राध्यापक उपस्थित थे।

छात्र संघ अध्यक्ष भानुप्रताप राठिया, सहसचिव हितेश साहू, बादल सिंह ठाकुर, दिग्विजय सिंह, पुष्पेन्द्र जांगड़े, सुनील सहित अनेक छात्र उपस्थित थे।

रायगढ़ आ
01 दिसम्बर 2015
केलो प्रवाह | रायगढ़, मंगलवार

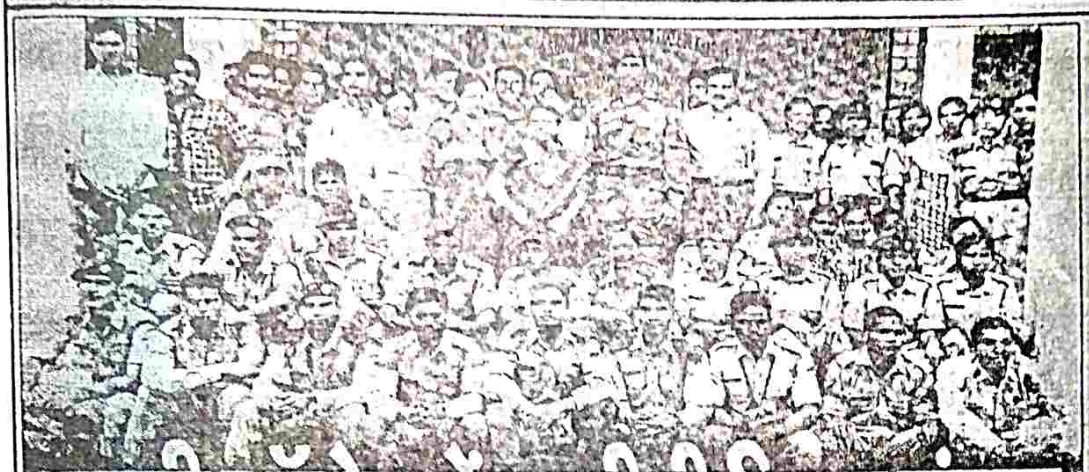

एमजी कॉलेज में एनसीसी दिवस संपन्न

खरसिया। महात्मा गांधी शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय खरसिया में पूरे जोश एवं उत्साह के साथ एनसीसी दिवस सम्पन्न हुआ। एनसीसी अधिकारी प्रो. सरला जोगी के दिशा निर्देशन, डॉ. रमेश टण्डन के मंच संचालन में पूरा कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताएं करायी गई। समस्त कैडेटों के मध्य विभिन्न प्रतियोगिताएं हुई जिसमें बेस्ट कैडेट के रूप में एसडी से विकास बघेल, धनंजय पटेल व अमर रात्रे को तथा एसडब्ल्यू में जया भारती, सुनीता टण्डन व शकुन्तला को चुना गया। बेस्ट कमाण्ड के लिए अमित लहरे व विकास बघेल को चयन हुआ। इसी तरह बेस्ट ड्रिल कम्पटिशन में अमर रात्रे, ओमप्रकाश व गीतांजलि जोशी को चुना गया। इन सभी चयनित कैडेट्स को मंचीय कार्यक्रम के दौरान मेडल से सम्मानित किया गया। इसके निर्णायक 28 सीजी बटालियन एनसीसी रायगढ़ के केएन यतीश, प्रो. सरला जोगी, डॉ. रमेश टण्डन, प्रो. एमएल धिरही, प्रो. मनोज साहू व प्रो. अश्वनी पटेल थे। अनन्तर सेवानिवृत्त क्रीड़ाधिकारी व पूर्व एनसीसी अधिकारी एमडी वैष्णव के मुख्य आतिथ्य, प्रो. डीके अम्बेला, डॉ. पीएल पटेल, यतीश सर, डॉ. रवीन्द्र चौबे, प्रो. एमके साहू, प्रो. अश्वनी पटेल, डॉ. आरके टण्डन, प्रो. लोकेश शर्मा, प्रो. रूक्मणी पटेल, प्रो. रोमी जायसवाल, प्रो. दीपक पटेल, प्रो. रचिता अग्रवाल, प्रो. तुषार दुबे, छात्र संघ अध्यक्ष भानुप्रताप राठिया, उपाध्यक्ष जानकी बर्मन, सचिव सागर सिदार व सहसचिव हितेश साहू के विशिष्ट आतिथ्य में विभिन्न कार्यक्रम हुए। डॉ. रवीन्द्र चौबे के मंच संचालन में लवकुश राठिया द्वारा सरस्वती बंदना एवं स्वागत गीत की प्रस्तुति हुई।

सभी अतिथियों को मैच से सम्मानित करने के बाद सामूहिक रूप से केक काटा गया। तत्पश्चात् धनंजय को जूनियर अंडर ऑफिसर का रैंक प्रदान किया गया।

आर्मी अटेचमेंट कैम्प व आल इंडिया ट्रैकिंग कैम्प में शामिल कैडेट्स अमित लहरे, अमर रात्रे, भावेश वैष्णव, विकास बघेल, हेमलाल उरांव, दौलतराम दिनकर, राजेन्द्र टण्डन, धनंजय पटेल, रामदीन व रवीन्द्र चौहान को प्रमाण पत्र प्रदान करते हुए मैडल से सम्मानित किया गया।

इसके अतिरिक्त बी प्रमाण पत्र उत्तीर्ण किये कैडेट्स को भी प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम के अन्तर्गत जया भारती, रानी साहिबा ने युगल नृत्य तथा गायत्री राठिया, रूपारानी मरावी, रामलेश्वरी राठिया, पद्मा राठिया व निर्मला सिदार ने झमाझम लोक नृत्य की प्रस्तुति दी जिससे उन्हें मुख्य अतिथि के द्वारा प्रोत्साहन करते हुए पुरस्कृत किया गया। युगसिन्धु, लवकुश राठिया व किशोर कुमार ने देशभक्ति से ओत-प्रोत गीत प्रस्तुत किया, दिनेश दिनकर ने कविता पाठ किया व अमर रात्रे ने एनसीसी पर भाषण दिया। अंत में एनसीसी अधिकारी प्रो. सरला जोगी ने सभी अतिथियों का आभार करते हुए कार्यक्रम समापन की घोषणा की।

इस कार्यक्रम के दौरान कालेज के सभी अधिकारी, कर्मचारी व छात्रों की उपस्थिति रही। दिग्विजय सिंह, मनोज सिन्हा, माजिद अली, जगन्नाथ मिश्रा, चेतनात्मक राठौर, लेखराम राठिया, दिनेश राठिया, लक्ष्मी मरावी, मनीषा राठौर, सत्यप्रकाश डेंगारे सहित सैकड़ों छात्र कार्यक्रम में शामिल हुए। यहां यह उल्लेखनीय है कि छात्र संघ अध्यक्ष भानुप्रताप राठिया को मंच प्रदान किए जाने के बावजूद वे अपने सहृदिली का परिचय देते हुए कैडेटों के मध्य दर्शक दीर्घा में आसीन हुए।

एमजी कालेज में युवा दिवस सम्पन्न

खरसिया@किरणदूत

महात्मा गांधी शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय खरसिया में 12 जनवरी को स्वामी विवेकानंद जी की 153 वीं जयन्ती के शुभ अवसर पर आयोजित युवा दिवस में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्रो. एम एल धीरही के निर्देशन में युवाओं के प्रेरणास्रोत स्वामी विवेकानंद विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इसमें बारह छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। इसके प्रमुख वक्ता प्रो. एम एल धीरही, डॉ आर के टण्डन, डॉ सुशीला गोयल, डॉ रविन्द्र चैबे; सद्भावना गीतद्ध, प्रो राकेश गिरी व महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ पी सी घृतलहरे थे। इन सबने स्वामी विवेकानंद जी के जीवन पर विस्तार से चर्चा की। डॉ टण्डन ने कहा, अरविन्द कहते है कि विवेकानन्द का पश्चिम में जाना विश्व के सामने पहला जीता-जागता संकेत था कि भारत जाग उठा है न केवल जीवित रहने के लिए बल्कि विजयी होने के लिए। इसी तरह इन्होंने नोबल पुरस्कार विजेता रवीन्द्रनाथ ठाकुर के कथन पर प्रकाश डाला, जिन्होंने कहा था कि आप भारत को जानना चाहते हैं, तो विवेकानन्द का अध्ययन कीजिए। उनमें सब कुछ सकारात्मक है, नकारात्मक कुछ भी नहीं। स्वामी विवेकानन्द में प्राचीन और आधुनिक, प्राचार्य और पाश्चात्य, आदर्श और व्यवहार, राष्ट्रीय और वैश्विक, विज्ञान और अध्यात्म का मिश्रण है। परवर्ती कार्यक्रमों में वाद-विवाद प्रतियोगिता व समूह चर्चा हुई। बादलसिंह ठाकुर, केंचरा खूंटे, पुष्पा, गोवर्धन भारद्वाज, जगन्नाथ मिश्रा, राधेश्याम पाल, रूस्तम डेंजारे, चन्द्रकान्त वैष्णव, मनमोहन पटेल, नितिन अग्रवाल, कमलेश नायडू आदि सभी ने स्वामी विवेकानंद के बारे में अपने सारगर्भित विचार रखे। इस अवसर पर डॉ. पी एल पटेल, प्रो. सरला जोगी, प्रो. अश्वनी पटेल, प्रो. काश्मीर एक्का, तुषार दुबे, दीपक पटेल, लोकेश शर्मा, रोमी जायसवाल, रचिता अग्रवाल एवं छात्र संघ अध्यक्ष भानुप्रताप राठिया आदि उपस्थित थे।

एमजी में वार्षिक खेलकूद सम्पन्न

खरसिया @किरणदूत

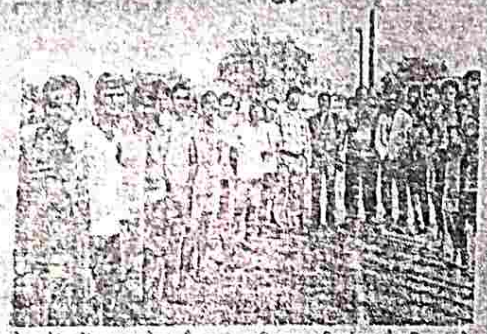

14 एवं 15 जनवरी को महात्मा गांधी शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय खरसिया में प्राचार्य डॉ पी सी घृतलहरे के संरक्षण व क्रीड़ाधिकारी डॉ रमेश टण्डन के निर्देशन में वार्षिक खेलकूद सम्पन्न हुआ। इसमें विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएँ आयोजित हुई। 100 मी दौड़, 200 मी दौड़, 400 मी दौड़, 800 मी दौड़, 1500 मी दौड़, लम्बी कूद, गोला फेंक, कबड्डी, खो-खो व धीमी सायकल रेस के खेल आयोजित हुए। 100 मी दौड़ में प्रथम मनोज सिन्हा, द्वितीय किशोर निषाद व तृतीय लालू प्रसाद यादव, 200 मी दौड़ में प्रथम अजय सिदार, द्वितीय रामदीन राठिया व तृतीय दिनेश राठिया, 400 मी दौड़ में प्रथम मनोज सिन्हा, द्वितीय दिनेश राठिया व तृतीय डमरूधर सिदार, 800 मी दौड़ में प्रथम नन्दकुमार राठिया, द्वितीय रामदीन राठिया व तृतीय अजय सिदार, 1500 मी दौड़ में प्रथम अजय सिदार, द्वितीय हीरासंकर सोन व तृतीय मेनुएल बेक, लम्बी कूद में प्रथम नन्द कुमार राठिया, द्वितीय खुशीराम पटेल व तृतीय चेतनात्मक राठौर, गोला फेंक में प्रथम मनोज चौहान, द्वितीय नागेन्द्र व तृतीय नन्दकुमार राठिया एवं धीमी सायकल रेस में प्रथम खुशीराम पटेल व द्वितीय भावेश वैष्णव रहे। कबड्डी में अनिलराज सिदार की टीम में शामिल सदस्यों- दिनेश राठिया, नागेन्द्र राठिया, सुभाष राठिया, रूपेन्द्र राठिया, चेतनात्मक राठिया, मनोज चौहान, कमलेश धीरही ने अंतिम मैच जीतकर विजेता का खिताब अपने नाम किया। उपविजेता रामदीन राठिया की टीम रही। इसी तरह खो- खो में रूपेन्द्र राठिया की टीम में शामिल सदस्यों- रामदीन राठिया, भावेश वैष्णव, हीरासंकर सोन, अजय सिदार, खुशीराम पटेल, पवन राठिया, दिनेश राठिया, वीरान राठिया, रविशंकर राठिया ने अंतिम मैच जीतकर विजेता का खिताब अपने नाम किया। उपविजेता मिलनकुमार राठिया की टीम रही। समस्त मैच व व्यक्तिगत खेल के निर्णायक सागर सिदार, डमरूधर राठिया, गायत्री राठिया, गमलेश्वरी राठिया, भरत, दिनेश राठिया, सुभाष राठिया आदि थे। पूरे खेल में प्रो डी के अम्बेल्ला, प्रो एम एल धीरही, डॉ पी एल पटेल, प्रो मनोज साहू आदि उपस्थित थे।

स्कै
ड्राइंग
मेंहदी (अरेबि
हाथ
सुबह 7 से
मो. 8
88

एम.जी. कालेज ने संविधान दिवस मनाया

खरसिया @किरणदूत

गुरुवार को महात्मा गांधी शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय खरसिया में संविधान दिवस मनाया गया। डॉ. रमेश टण्डन के दिशा निर्देशन में भारत के संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर को सादर याद करते हुए एवं उनके योगदान को याद करते हुए महाविद्यालय में शताधिक छात्रों व प्रोफेसर्स की उपस्थिति में संविधान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर प्रो. मनोज साहू, प्रो. राकेश गिरी, डॉ. रमेश टण्डन, प्रो. रोमी जायसवाल ने संविधान पर विस्तृत चर्चा करते हुए अपना वक्तव्य दिए। संविधान निर्मात्री सभा के अध्यक्ष डॉ. अम्बेडकर, संविधान के स्रोत, अनुच्छेद, अनुसूची, मौलिक कर्तव्य आदि के बारे में विस्तृत चर्चा की गयी। डॉ. टण्डन ने कहा कि हमें अपने मौलिक अधिकारों के साथ साथ मौलिक कर्तव्यों को जानना आवश्यक है। प्रो. गिरी ने मौलिक अधिकारों का वृहद् वर्णन उनके अनुच्छेद सहित किया। छात्रों की ओर से कु. राधिका पटेल व घनश्याम टण्डन ने अपने विचार रखे। दिग्विजय सिंह व बादलसिंह ठाकुर ने भी छात्रों को सम्बोधित किया। भारत के संविधान की उद्देशिका "हम, भारत के लोग, भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-सम्पन्न....." का वाचन भी किया गया जिसे समस्त छात्रों ने दोहराया और संविधान की रक्षा तथा उसे पालन करने का वचन दिया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रो. तुषार दुबे, प्रो. रोमी जायसवाल, प्रो. राकेश गिरी, प्रो. एम. के. साहू, डॉ. आर. के. टण्डन सहित समस्त प्राध्यापक उपस्थित थे। छात्र संघ अध्यक्ष भानुप्रताप राठिया, सहसचिव हितेष साहू, बादल सिंह ठाकुर, दिग्विजय सिंह, पुष्पेन्द्र जांगड़े, सुनील सहित अनेक छात्र उपस्थित थे।

दै. भास्कर 27 नवम्बर 2015

महाविद्यालय में एनसीसी प्रमाण पत्र वितरित

खरसिया @किरणदूत

महात्मा गांधी शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय खरसिया में एनसीसी कैडेट्स को 'बी' प्रमाण पत्र वितरित किया गया। एक सादे समारोह में एन. सी. सी. अधिकारी प्रो सरला जोगी व पूर्व एनसीसी अधिकारी प्रो डॉ. रमेश टण्डन की उपस्थिति में 2014-15 में एनसीसी की ''बी'' प्रमाण पत्र परीक्षा उत्तीर्ण किए कैडेट्स को उनके दो वर्ष की मेहनत का प्रमाण पत्र दिया गया। 2013 से ''बी'' प्रमाण पत्र का प्रशिक्षण दो वर्ष का हो गया है। इसके पूर्व यह पाठ्यक्रम एक वर्ष का हुआ करता था। ''सी'' प्रमाण पत्र का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम अभी भी एक वर्ष का है। 2014-15 में कैडेट भरत डेंजारे को ''सी'' प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। वर्ष 2014-15 में लगभग 20 कैडेट्स ''बी'' प्रमाण पत्र की परीक्षा उत्तीर्ण किए जिन्हें पूर्व एनसीसी अधिकारी प्रो डॉ रमेश टण्डन ने प्रमाण पत्र प्रदान किया।

खरसिया में संविधान दिवस मनाया गया

दैनिक भास्कर 27 नवम्बर 2015

विधान दिवस पर खरसिया कॉलेज में उपस्थित स्टूडेन्ट्स

भास्कर न्यूज | खरसिया

26 नवम्बर को महात्मा गांधी शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय खरसिया में संविधान दिवस मनाया गया। भारत के संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर को सादर याद करते हुए एवं उनके योगदान को याद करते हुए महाविद्यालयीन छात्रों व प्रोफेसर्स की उपस्थिति में संविधान दिवस मनाया गया।

इस अवसर पर प्राध्यापकों ने संविधान पर विस्तृत चर्चा करते हुए अपना वक्तव्य दिए। संविधान निर्मात्री सभा के अध्यक्ष डॉ. अम्बेडकर, संविधान के स्रोत, अनुच्छेद, अनुसूची, मौलिक कर्तव्य आदि के बारे में विस्तृत चर्चा की गयी। प्राध्यापकों ने कहा कि हमें अपने मौलिक अधिकारों के साथ साथ मौलिक कर्तव्यों को जानना आवश्यक है। मौलिक अधिकारों का वृहद् वर्णन उनके अनुच्छेद सहित किया। छात्रों की ओर से भी कुछ छात्र छात्राओं ने अपने विचार रखे। दिग्विजय सिंह व बादलसिंह ठाकुर ने भी छात्रों को सम्बोधित किया। भारत के संविधान की उद्देशिका "हम, भारत के लोग, भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-सम्पन्न....." का वाचन भी किया गया जिसे समस्त छात्रों ने दोहराया और संविधान की रक्षा तथा उसे पालन करने का वचन दिया। इस अवसर पर महाविद्यालय के अनेक प्राध्यापक सहित छात्र संघ अध्यक्ष भानुप्रताप राठिया, सहसचिव हितेश साहू, बादल सिंह ठाकुर, दिग्विजय सिंह सहित अनेक छात्र उपस्थित थे।

केलो प्रवाह 06 दिसम्बर 2015

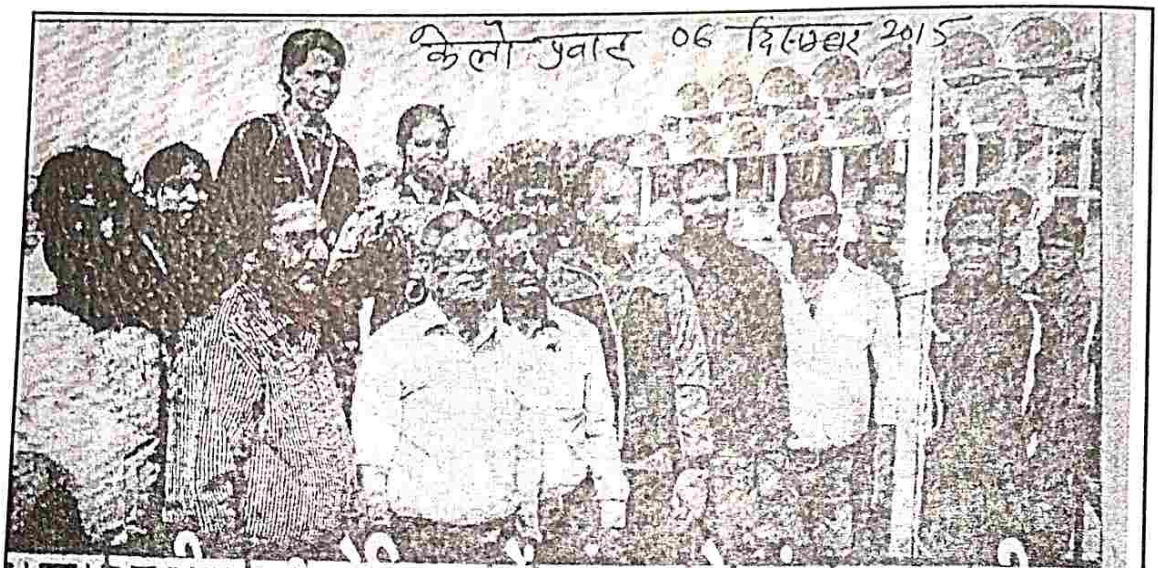

राज्य स्तरीय एथलेटिक्स में रायगढ़ ने पांच पदक जीता

खरसिया। सेक्टर रायगढ़ के टीम मैनेजर डॉ. रमेश टण्डन के निर्देशन में जिले के विभिन्न महाविद्यालय - केजी रायगढ़, पीजी रायगढ़, एमजी खरसिया, जोबी, तमनार, केएमटी रायगढ़ व सारंगढ़ से 26 खिलाड़ियों ने अपने शौर्य व वीरता का प्रदर्शन ई. राघवेन्द्र राव शा स्नातकोत्तर विज्ञान महाविद्यालय बिलासपुर द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में किया। इसमें आनंद कुमार को हैमर थ्रो मे रजत पदक व गोला फेंक में कांस्य पदक, प्रतिमा बंजारा को त्रिकूद में रजत पदक, कमलेश्वरी सिदार को चक्का फेंक में कांस्य पदक, अजय कर्ष को त्रिकूद में कांस्य पदक प्रदान किया गया। इन विजेता खिलाड़ियों को मुख्य अतिथि व क्रीड़ाधिकारियों तथा प्राचार्य बिलासपुर ने बधाइयां दी। मनोज सिन्हा, गायत्री राठिया, लेखराम राठिया, सागर सिदार, डमरूधर राठिया, सुभाष राठिया, दीपक राठिया, दिनेश राठिया, सुस्मेल लकड़ा, अजय कर्ष, यश, कृष्णा, कुश प्रधान, कमलेश्वरी, यशोदा, शांति कुजूर, ममता सिदार, सौदामिनी, कमलेश्वरी, रविता बेहेरा, अशोक, मधुवन, आनंद कुमार, गोविन्दा चौहान, प्रतिमा बंजारा, मनहरण राठिया ने विभिन्न विधाओं में हिस्सा लिया। इन्हें सेक्टर स्तरीय आयोजक महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मीसो धृतलहरे, प्रो. डॉके अम्ब्रेला, प्रो एमएल भिरही, डॉ. पीएल पटेल, प्रो. सरला जोगी, डॉ. आरके टंडन, प्रो मनोज साहू व अन्य सभी प्राध्यापकों, कर्मचारियों, छात्र संघ पदाधिकारियों, एमडी वैष्णव व सीनियर खिलाड़ियों ने बधाइयां दी।

जिला स्तरीय एथेलेटिक्स प्रतियोगिता आयोजित

फ्री प्रेस 10 नवम्बर 2015

बिलासपुर। विश्वविद्यालय के अन्तर्गत [illegible] का आज अगस्त से [illegible] एक साथ, सम्मान दौड़ [illegible] में जिला (रायगढ़) [illegible] प्रतियोगिता (महिला एवं पुरुष) डॉ. रमेश टण्डन क्रीड़ाधिकारी महात्मा गांधी शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय खरसिया की मेजबानी सम्पन्न हुई।

पूरे जिले के [illegible] महाविद्यालयों से शतधिक खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। 100 मी. दौड़ पुरुष में प्रथम मनोज सिन्हा एम.जी.खरसिया, द्वितीय अजय कर्ष [illegible], 200 मी. दौड़ पुरुष में प्रथम मनोज सिन्हा एम.जी.खरसिया, द्वितीय अजय कर्ष छात्र, 400 मी. दौड़ पुरुष में प्रथम कृष्णा सिदार के.जी. रायगढ़, द्वितीय मुकेश राठिया छात्र, 800 मी. दौड़ पुरुष में प्रथम कुश प्रधान, द्वितीय मीना राम के.जी.रायगढ़, 1500 मी. दौड़ पुरुष में प्रथम अशोक ठाकुर के.जी.रायगढ़, द्वितीय अमर चेक छात्र, 5000 मी. दौड़ पुरुष में प्रथम कोमल प्रसाद जोबी, द्वितीय मनहरण राठिया जोबी, ऊँची कूद पुरुष में प्रथम प्रमोद पटेल छात्र, द्वितीय नंदकुमार राठिया खरसिया, त्रिकूद में प्रथम अजय कर्ष सारंगढ़, तवा फेंक पु में प्रथम आनंद कुमार डनसेना के.जी. रायगढ़, द्वितीय लेखराम राठिया खरसिया, भाला फेंक में प्रथम सुस्मेल लकड़ा सारंगढ़, द्वितीय आकिनाश केजी रायगढ़, गोला फेंक में प्रथम सुस्मेल लकड़ा सारंगढ़, द्वितीय आनंद कुमार डनसेना केजी रायगढ़, लम्बी कूद में प्रथम मनोज सिन्हा खरसिया, द्वितीय तनुज कुमार छात्र रहे।

इसी प्रकार महिलाओं में 100 मी. दौड़ में प्रथम यशोदा चौहान केएमटी रायगढ़, द्वितीय आशा केरकेट्टा केजी रायगढ़, 200 मी. दौड़ में प्रथम क्रिस्टिना पन्ना केजी रायगढ़, द्वितीय मधुवन एक्का केजी रायगढ़, तृतीय अनिता राठिया खरसिया, 400 मी. दौड़ में प्रथम मधुवन एक्का केजी रायगढ़, द्वितीय क्रिस्टिना पन्ना, 800 मी. दौड़ में प्रथम सौदामिनी केजी रायगढ़, द्वितीय कमलेश्वरी सिदार खरसिया, 1500 मी. दौड़ में प्रथम शांति कुजूर केएमटी रायगढ़, द्वितीय कमलेश्वरी राठिया जोबी, लम्बी कूद में प्रथम रविता बेहेरा केजी रायगढ़, द्वितीय प्रतिमा बंजारा तमनार, ऊँची कूद में प्रथम प्रतिमा बंजारा तमनार, द्वितीय ममता सिदार तमनार, गोला फेंक में प्रथम मधुवन एक्का केजी रायगढ़, द्वितीय गायत्री राठिया खरसिया, भाला फेंक में प्रथम ललिता भगत केजी रायगढ़, द्वितीय गायत्री राठिया खरसिया, तवा फेंक में प्रथम कमलेश्वरी सिदार तमनार, द्वितीय गायत्री राठिया खरसिया रहे।

सभी विजीत खिलाड़ियों को प्राचार्य डॉ. पी. भी. धृतलहरे, क्रीड़ाधिकारी तापस चटर्जी ने मेडल से सम्मानित किया। इस अवसर पर केजी रायगढ़ से तापस सर क्रीड़ाधिकारी, डा0 मोफिया अम्ब्रेला, प्रो. दर्शन जोबी, प्रो. कुर्रे तमनार, प्रो. श्रीवच्छ भोय लैलूंगा, छत्रेश्वरी छात्र, पी सी रायगढ़ से प्रोफेसर एवं अन्य उपस्थित थे।

महाविद्यालय खरसिया से पी एल पटेल, एम एल भीरही, डी के अम्ब्रेला, डा. रविन्द्र चैबे, रूकमणी पटेल, तुषार दुबे, राकेश गिरी, रचिता अग्रवाल, अश्वनी पटेल, सागर सिदार, दिलीप, एम डी- वैष्णव, आफिशियल तीजराम पटेल, चिंतामणी चक्रधारी आदि की गरिमामयी सक्रिय उपस्थिति रही।

जिला स्तरीय खो-खो में खरसिया विजेता, तमनार उपविजेता

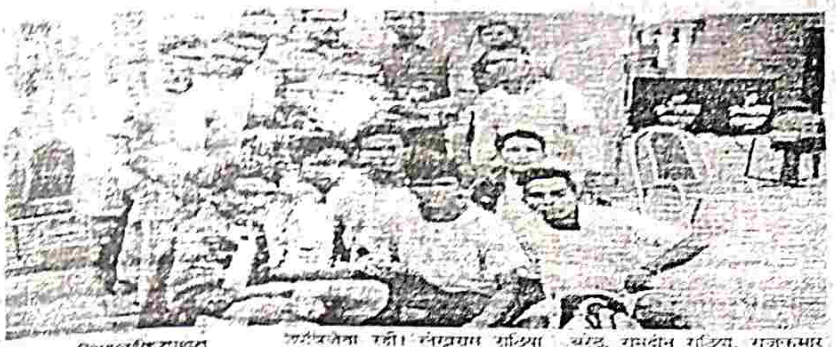

खरसिया। खरसिया के महात्मा गांधी शासकीय महाविद्यालय खरसिया में स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। डॉ रमेश टण्डन के कुशल संचालन में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ पी सी घृतलहरे ने ध्वजारोहण किया।

एनसीसी अधिकारी प्रो सरला जोशी के कुशल मार्गदर्शन एवं सीनियर अंडर ऑफिसर विकास सेन के कमाण्ड पर समस्त कैडेट्स ने झण्डे को सलामी दी। दो कैडेट्स के पायलटिंग पर प्राचार्य परेड का निरीक्षण भी किया। इस स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक, जन भागीदारी समिति के अध्यक्ष घनसाय यादव, डॉ रमेश चैबे, सहायक ग्रेड - 2 उमाकर टांडे, एनसीसी कैडेट अपर गार्ड एवं दुर्गाचरण यादव ने सभा को सम्बोधित करते हुए स्वतंत्रता दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। भारत के इस गौरव पर्व के अवसर में प्रो डी के अम्बेल्ला, प्रो एम एल गिरही, डॉ पी एल पटेल, डॉ एस.के. चैबे, डॉ मुरोला गोयल, प्रो सरला जोशी, डॉ रमेश टण्डन, प्रो मनोज साहू, प्रो अश्वनी पटेल, प्रो कश्मीर एक्का के साथ समस्त कर्मचारी, अतिथियों ने जन भागीदारी समिति अध्यक्ष घनसाय यादव, साहू व सीनियर छात्र, एनसीसी कैडेट्स एवं महाविद्यालय के नियमित छात्र छात्राएं बहुत अधिक संख्या में उपस्थित थे।

एमजी कालेज में स्वतंत्रता दिवस मना

किरणदूत रायगढ़ 24/8/2015

फुटबाल पुरुष के लिए खरसिया से 3 छात्रों का चयन

खरसिया। महात्मा गांधी शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय खरसिया के क्रीड़ाधिकारी डॉ रमेश टण्डन ने कहा कि हितेन्द्र गर्देर, घनेश्वर सिंह, सागर सिदार रायगढ़ जिले की ओर से राज्य स्तरीय फुटबाल प्रतियोगिता स्थल दुर्ग में अपने खेल शौर्य का प्रदर्शन 28 सितंबर से करेंगे। ये छात्र 27 सितम्बर को प्रतियोगिता स्थल दुर्ग के लिए रवाना हुए। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ पी सी घृतलहरे, क्रीड़ा अधिकारी डॉ रमेश टण्डन एनसीसी अधिकारी प्रो सरला जोशी एवं सभी प्राध्यापकों ने इन्हें शुभकामनाएं दी। छात्र संघ अध्यक्ष अनुप्रताप राठिया, उपाध्यक्ष जानकी बर्मन, सहसचिव हितेश साहू समेत महाविद्यालय के सभी छात्रों ने इन छात्रों के राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में चयन होने पर खुशी व्यक्त किया है।

जिला स्तरीय खो खो प्रतियोगिता में लगातार बारहवीं बार रहे विजेता

खरसिया | जिला स्तरीय प्रतियोगिता शासकीय महाविद्यालय तमनार में आयोजित हुई। छह महाविद्यालयों ने इसमें भाग लिया। जिसमें से खरसिया की टीम विजेता व मेजबान टीम तमनारउपविजेता रही। लेखराम राठिया कोच व अनिल राज सिदार की कप्तानी में खरसिया ने 11-5 से मैच जीतते हुए विजेता का खिताब अपने नाम किया। अनिल राज की टीम में सुभाष राठिया ,डमरूधर राठिया, रूपेन्द्र राठिया, दिनेश राठिया, दीपक राठिया, अशोककुमार गवेल, मंगलसिंह बरेठ, रामदीन राठिया, राजकुमार राठिया, रामनाथ राठिया, केश्वर राठिया आदि खिलाड़ियों ने अपना शौर्य दिखाते हुए खरसिया को बुलंदियों में पहुंचाया। इन विजेता खिलाड़ियों को प्राचार्य टोप्पो, क्रीड़ाधिकारी तापस चटर्जी, नारायण कुर्रे, श्रीबच्छ भोय ने सराहना कर अच्छे खेल के लिए उत्साह बढ़ाया।

रायगढ़, रविवार, 22 नवंबर 2015 15

भाषण प्रतियोगिता में खरसिया की किरण प्रथम

प्रतियोगिता : प्रतियोगिता में प्रथम आने पर पुरस्कृत किया गया।

युवा उत्सव

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में लेंगे भाग

खरसिया @ पत्रिका

patrika.com

शनिवार को रायगढ़ जिला स्टेडियम में खेल एवं युवा कल्याण विभाग छ.ग. द्वारा जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन किया गया। इसमें आयोजित विधाएं में लोक नृत्य, लोकगीत, बांसुरी, तबला, हारमोनियम, वीणा, सितार, गिटार, वादन मृदंग, व तात्कालिक भाषण, नृत्य में मणिपुरी, भरत नाट्यम, ओडिसी, कथक व कुच्चीपुड़ी रखा गया था। जहां जिले में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले कलाकारों को 26 दिसम्बर को राज्य स्तरीय जिला खेल एवं युवा कल्याण द्वारा आयोजित कार्यक्रम जिला कोरिया छ.ग. में भाग लेने का अवसर प्रदान किया गया है।

रायगढ़ जिला स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर एमजी कॉलेज खरसिया की छात्रा किरण पटेल, बीए प्रथम वर्ष व शास्त्रीय गायन में द्वितीय स्थान पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला कुनकुनी की छात्रा देवकुमारी वैष्णव रही। जिन्हें पुरस्कृत भी किया गया।

शुक्रवार, 04 दिसम्बर 2015 4

एमजी कालेज में विश्व एड्स जागरूकता दिवस

खरसिया@किरणदूत

एड्स के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से देश भर में विश्व एड्स जागरूकता दिवस मनाया जा रहा है। इस कड़ी में महात्मा गांधी शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय खरसिया में भी इस दिवस को 01 दिसम्बर को एनएसएस के स्वयंसेवकों के द्वारा मनाया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी प्रो. एस. एल. पीरही के दिशा निर्देशन में स्वयंसेवकों में से मनमोहन पटेल, दुर्गा यादव, रूस्तम डेंजारे, केवरा खूंटे, हेमलता पटेल, किरण जायसवाल व उषा कर्श ने भाषण व गीतों के माध्यम से एड्स के बारे में अपने विचार रखे। प्रो. मनोज साहू व प्रो. राकेश गिरी ने एड्स के बारे में जानकारियां देते हुए इससे बचने के उपाय भी बताए।

डॉ. रविन्द्र चौबे ने गीत के माध्यम से अपनी बात को रखा। डॉ. पी. एल. पटेल, प्रो. सरला जोगी, डॉ. आर. के. टण्डन, प्रो. अश्वनी पटेल, प्रो. काश्मीर एक्का, डॉ. तृप्ति शुक्ला, प्रो. रचिता अग्रवाल, प्रो. लोकेश शर्मा, प्रो. दीपक पटेल, प्रो. रोमी जायसवाल, प्रो. तुशार दुबे, प्रो. रूक्मणी पटेल आदि की उपस्थिति में एड्स फैलने के कारणों पर प्रकाश डालते हुए यह जानकारी दी गई कि संक्रमित सूई, संक्रमित खून, असुरक्षित यौन आदि कारणों से यह बीमारी फैलती है। यह हाथ मिलाने से, साथ खाना खाने से यह नहीं फैलता।

प्राध्यापकों ने कहा कि एड्स के संबंध में जागरूक रहना ही इसका निदान है। जिन कारणों से यह फैलता है या होता है, उन कारणों का घटित नहीं होना ही इससे बचने का उपाय है। आप स्वयं जागरूक रहें और दूसरों को इसके बारे में बतायें, तभी हमारा समाज एड्स मुक्त हो सकता है। कार्यक्रम का संचालन स्वयंसेवक मनमोहन पटैल ने किया।

एमजी कालेज ने लैलूंगा को सुपर ओव्हर में हराया

खरसिया, 20 नवम्बर 2015 को जिला स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता के चौथे दिवस के जी कालेज रायगढ़ के लाल मैदान में महात्मा गांधी शास महाविद्यालय खरसिया व शास महाविलैलूंगा के मध्य कड़े मुकाबला के साथ मैच बराबरी पर समाप्त हुआ बाद में सुपर ओव्हर में खरसिया ने मैच जीत लिया।

टीम मैनेजर डारमेश टण्डन व कोच प्रो दिलीप अम्ब्रेला के निर्देशन में खेले गए खरसिया टीम के कप्तान माजिद अली था। खरसिया ने टास जीतते हुए बल्लेबाजी का निर्णय लिया एवं 20 ओव्हर मे 111 रन बनाए। इसके बाद विपक्षी लैलूंगा ने खेलते हुए मैच स्कोर बराबरी पर ला दिया। जिसके कारण मैच सुपर ओव्हर तक गया।सुपर ओव्हर में लैलूंगा ने एक ओव्हर मे पांच रन बनाकर खरसिया वालों के समक्ष छ रन का लक्ष्य रखा जिसे धराशायी करते हुए अंततः खरसिया की टीम ने मैच जीता। इन्हें के जी कालेज के प्राचार्य डा. एके. श्रीवास्तव एवं क्रीड़ाधिकारी तापस चटर्जी ने बधाई दी।

मतदाताओं को जागरूक करने खरसिया के कालेज में चलाया जा रहा स्वीप कार्यक्रम, प्रतियोगिताएं भी आयोजित

खरसिया। खरसिया मतदाताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से पूरे रायगढ़ जिले में स्वीप कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में महात्मा गांधी शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय खरसिया में भी प्राचार्य डॉ0 पी0 सी0 पृतलहरे, संयोजक प्रो0 एम0 एल0 पिरही व डॉ0 आर0 के0 टण्डन के कुशल निर्देशन में दिनांक 03 अक्टूबर एवं 05 अक्टूबर को स्वीप कार्यक्रम के अन्तर्गत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित हुए। "मजबूत लोकतंत्र में सबकी भागीदारी" विषय पर आयोजित निबंध के संयोजक प्रो0 ए0 के0 पटेल ने बताया कि इस प्रतियोगिता में प्रथम दिव्या अग्रवाल, द्वितीय कुसुम पटेल रहे। नारा लेखन के संयोजक डॉ0 सुशीला गोयल ने जानकारी दी कि इसमें प्रथम योगिता विश्वकर्मा व द्वितीय स्थान पर किशोर निषाद रहा। पोस्टर लेखन के संयोजक ने यह बताया कि इस प्रतियोगिता में प्रथम रूस्तम डेंजारे व द्वितीय श्रीकान्ति सिदार रहे।

वाद- विवाद प्रतियोगिता के संयोजक डॉ0 रमेश टण्डन ने कहा कि वाद-विवाद का विषय "प्रजातंत्र शासन की सर्वोत्तम प्रणाली है" था, जिसमें पक्ष की ओर से अपनी बात रखते हुए प्रथम स्थान पर सूरज अग्रवाल व द्वितीय स्थान पर गोवर्धन प्रसाद भारद्वाज, हितेश साहू रहे, इसी तरह विपक्ष की ओर से अपनी बात रखते हुए प्रथम स्थान पर कु0 योगिता विश्वकर्मा व द्वितीय स्थान पर रूस्तम डेंजारे ने अपनी जगह बनायी। कार्यक्रम के दूसरे दिन प्रो0 सरला जोगी के कुशल मार्गदर्शन में रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। इसमें प्रथम स्थान पर मनज चेतन ने एक लड़का होते हुए भी अपनी जगह बनाने में सफलता पायी व दूसरे स्थान पर कु0 पुष्पा सतनामी रही।

स्वीप के तहत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के अंतिम में डॉ0 रमेश टण्डन के कुशल संयोजन में मानव श्रृंखला बनाकर स्वीप के संदेश को जन- जन तक पहुँचाने की सफलतम कोशिश की गई। इस मानव श्रृंखला में खुद प्राचार्य डॉ0 पी0 सी0 पृतलहरे मौजूद रहे। इनके साथ प्रो0 दिलीप कुमार अम्बेला, प्रो0 एम0 एल. पिरही, डा0 पी0 के0 पटेल, डा0 रविन्द्र चौबे, डा0 सुशीला गोयल, प्रो0 सरला जोगी, प्रो0 ए0 के0 पटेल, प्रो0 काश्मीर एक्का, प्रो0 लोकेश शर्मा, प्रो0 रूक्मणी पटेल, प्रो0 रोमी जायसवाल, प्रो0 दीपक पटेल, प्रो0 राकेश गिरी, प्रो0 तुशार दुबे व डा0 तृप्ति शुक्ला ने पूरे जोश के साथ कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी अहम भूमिका निभायी।छात्र संघ पदाधिकारी अध्यक्ष भानुप्रताप राठिया, उपाध्यक्ष जानकी बर्मन, सचिव सागर सिदार, सहसचिव हितेश साहू, दिग्विजय सिंह, बादल सिंह ठाकुर, रूस्तम डेंजारे, राजेन्द्र टण्डन, लवकुश राठिया, जय भारती, रान्ची साहिबा, राजनंदिनी, नीलम, सुहाना राठौर, किशन खटेल, हेमंत माहेश्वरी, हितेन्द्र राठौर, मनोज सिन्हा, माजिद अली, लक्ष्मी मरावी, सरोज सिदार, चंचला जांगड़े, खुशबू सोनी, अमर रात्र, गीतांजली जोशी, गायत्री राठिया, प्रियंका मरकाम, काशीराम कुर्रे, हेमलता, विजया बारे, सुनील देव, सविता, अविनाश पटेल के साथ महाविद्यालय के लगभग 300 से अधिक छात्र छात्राओं ने मानव श्रृंखला में अपना योगदान देते हुए कार्यक्रम को सफल बनाया।

रायगढ़ आसपास

केलो प्रवाह | रायगढ़, सोमवार 14 दिसम्बर 2015 | 5

एमजी कॉलेज ने महिला महाविद्यालय को दी शि

♦ जिला स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता में 5 टीमों ने हिस्सा लिया

खरसिया। महात्मा गांधी शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय खरसिया में जिला स्तरीय खो- खो (महिला) प्रतियोगिता क्रीड़ाधिकारी डॉ. रमेश टण्डन के निर्देशन में 12 दिसम्बर को आयोजित हुई। पूरे जिले से कुल पांच महाविद्यालयों की टीम ने इसमें हिस्सा लिया।

कंजी शासकीय महावि. रायगढ़, केएमटी कन्या महावि. रायगढ़, पीडी वाणिज्य महावि. रायगढ़, शासकीय नवीन महावि. तमनार व मेजमान एमजी महावि. खरसिया की टीम ने अपने खेल का प्रदर्शन किया। गमलेश्वरी राठिया की कप्तानी में पद्मा राठिया, शकुंतला राठिया, रंभा राठिया, नीता राठिया, अनिता राठिया, मंगलासो राठिया, गोपिका राठिया, रामबाई राठिया, खुलेश्वरी राठिया, जमती राठिया व सरोज सिदार ने एमजी कॉलेज की ओर से खेलते हुए अंतिम मैच में केएमटी कन्या रायगढ़ को 8 - 2 से पराजित किया।

इस अवसर पर प्रो. डंके अग्रवेला, डॉ. पीएल पटेल, प्रो. मनोज साहू, प्रो. अरुणो पटेल, प्रो. काश्मीर एक्का, प्रो. राकेश गिरी, प्रो. गुधार दुबे, प्रो. रोमी जायसवाल, प्रो. दीपक पटेल, क्रीड़ाधिकारी तापस चटर्जी, प्रो. पी. किण्डो, प्रो. नारायण कुर्रे, प्रो. देवाचंन पटेल, एमडी वैष्णव, डॉ. आरके टण्डन व समस्त कर्मचारी उपस्थित थे। पूरे मैच के निर्णायक चिंतामणी चक्रधारी व राजू नागर थे। खिलाड़ियों में खेल प्रदर्शन के आधार पर केएमटी रायगढ़ से रजनी नायक, रिंकी मिश्रा, दीना, तमनार से भारती, ममता सिदार, कंजी रायगढ़ से सुरेंद्री, एमजी खरसिया से गमलेश्वरी राठिया, अनिता राठिया, उर्मिला राठिया, रंभा राठिया, पद्मा राठिया व आपती में तमनार से अहिल्या का राज्य स्तरीय खो-खो के लिए चयन हुआ है। इन चयनित छात्राओं को एमजी कालेज के प्राचार्य डॉ. पीसी भूतल्हरे ने बधाई दी। पूरे खेल में सागर सिदार, लेखराम राठिया, डमरूधर राठिया, दिनेश राठिया, दिलीप, हितेन्द्र राठौर, दिग्विजय सिंह, छात्र संघ अध्यक्ष भानुप्रताप राठिया, उपाध्यक्ष जगन्नाथ बर्मन, संजय सागर सिदार, सह संयोजक शिव साहू, दीपक राठिया, सुभाष राठिया, पवन राठिया, राजकुमार, लक्ष्मी मरावी, रूप सिंह मरावी, रामनाथ, केश्वर राठिया, राजेन्द्र टण्डन, अनिलराज सिदार आदि का विशेष सहयोग रहा। जिला टीम की लगभग छात्राएं ही मैट्रिक कन्या छात्रावास खरसिया की है। इनकी अधीक्षिका सपना

इस्पात टाइम्स, रायगढ़ 17 अक्टूबर 2015

भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा सम्पन्न

एम.जी. महाविद्यालय में हुई परीक्षा

खरसिया। संस्कृति भास्कर किताब आधारित महाविद्यालयीन स्तर की भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा 15 अक्टूबर को महात्मा गांधी शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय खरसिया में आयोजित हुई। इस उपलक्ष्य पर प्राचार्य डॉ. पीसी घृतलहरे ने कहा कि लोग अपनी संस्कृति को भूलते जा रहे है, पर गायत्री तीर्थ शांतिकुंज हरिद्वार के द्वारा इस तरह की परीक्षा आयोजित कराकर भारतीय संस्कृति को विभिन्न स्तर के विद्यार्थियों के मानस पटल में पुनर्स्थापित किया जा रहा है।

प्रो. डॉ. रमेश टण्डन के अथक प्रयास से पिछले वर्ष महाविद्यालय का इस परीक्षा के लिए पंजीयन हुआ एवं 57 छात्र इस परीक्षा में सम्मिलित हुए। इन्होंने कहा कि इस परीक्षा का उद्देश्य मात्र परीक्षा प्रमाण पत्र प्राप्त करना नहीं बल्कि अपनी प्राचीनतम गौरवशाली संस्कृति सा प्रथमा संस्कृतिविश्ववारा का बोध कराना है। इस वर्ष पुनः 57 छात्र-छात्राएं इस परीक्षा में सम्मिलित हुए। प्रो. रोमी जायसवाल ने परीक्षा संपादित कराने में भरपूर सहयोग प्रदान किया। इस परीक्षा को सम्पन्न कराने में गायत्री परिवार से परिजन पंचराम निषाद की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इन्होंने समस्त परीक्षार्थियों को संस्कृति भास्कर नामक किताब उपलब्ध करायी साथ में परीक्षा में सम्मिलित समस्त छात्रों को सफलता के सात सूत्र-साधन नामक किताब भी वितरीत किया। इस किताब में विद्यार्थी के गुण का उल्लेख है। इसके अनुसार विद्यार्थी को सदाचारी, त्यागी, स्वस्थ, सृजनशील, सहकारी, विवेकशील, मितव्ययी, स्वअनुशासित, विनम्र, परोपकारी, संयमी, साहसी, धैर्यवान, चरित्रवान, नियमित, संवेदनशील, दूरदर्शी, आशावादी, आत्मविश्वासी, दृढ़निश्चयी और उत्साही होना चाहिए। छात्र संघ अध्यक्ष भानुप्रताप राठिया, सचिव सागर सिदार, पदाधिकारी व कक्षा प्रतिनिधियों ने छात्रों को इस भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए प्रोत्साहित किया।

अंजनी रत्नाकर, सरस्वती भास्कर, रविना राठौर, मनीषा राठौर, अश्वनी कुमार खटेल, सरोजदास महंत, जानकी जोशी समेत 57 छात्र-छात्राएं इस परीक्षा के माध्यम से भारतीय संस्कृति से परिचय प्राप्त किया। इंटरनेट मोबाईल के युग में एवं पश्चिमी सभ्यता के हावी होने की परिस्थितियों में इस महाविद्यालय में इस तरह की परीक्षा का आयोजित होना सुखद पहल के साथ- साथ सुसंस्कारित व स्वर्णिम भविष्य का संकेत है। इस आयोजन में महाविद्यालय के प्रो. डी.के. अम्बेला, प्रो. एम. एल. धीरही, डॉ. पी. एल. पटेल, प्रो. सरला जोगी, प्रो. मनोज कुमार साहू, प्रो. अश्वनी पटेल, प्रो. काश्मीर एक्का, डॉ. रविन्द्र चौबे, डॉ. सुशीला गोयल, सुरेन्द्र मेहरा, उमाशंकर टोण्डे, एलएस पोर्ते, लक्ष्मण सिदार, मदन मलहोत्रा, शौकीलाल बरेठ, अरूण कुमार, प्रेमसाय, संजय गुप्ता, राजकुमार साहू आदि का सहयोग सराहनीय रहा। छात्रों में दिग्विजय सिंह, बादल सिंह ठाकुर, प्रियंका मरकाम, जानकी बर्मन व कक्षा प्रतिनिधियों ने छात्रों को शुभकामनाएं दी एवं इस तरह के आयोजन पर हर्ष प्रकट किया।

कला पुष्पहे रायगढ़ 17 अक्टूबर 2015

महात्मा गांधी कालेज में भूगोल के छात्रों का वेलकम

खरसिया। महात्मा गांधी शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय खरसिया में भूगोल विषय के छात्र छात्राओं द्वारा वेलकम पार्टी मनाई गयी जिसमें मुख्य अतिथि जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष धनसाय यादव, डीके अमरेला के अध्यक्षता में एवं विशिष्ट अतिथि महाविद्यालय के प्रोफेसर के उपस्थिति में गरिमामय कार्यक्रम किया गया। इस अवसर पर जनभागीदारी के अध्यक्ष धनसाय यादव ने कहा कि परम्परा का स्वागत करते हुए कहा कि एक समय था जब सीनियर छात्र-छात्राओं द्वारा जूनियर छात्रों से रैगिंग लिया जाता था जिसे जूनियर छात्र भयभीत हुआ करते थे। छात्र-छात्राओं को अब अध्यापन कार्य में ध्यान देने पर आकृष्ट किया ताकि उनका सब का भविष्य सुरक्षित हो सके। इसी तारतम्य में अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्रो. डीके अमरेला ने कहा कि इस नाजुक उम्र में अच्छाई को ग्रहण करते हुए अध्यापन कार्य में ज्यादा ध्यान देते हुए अच्छे अंकों में पास होने की नसीहत दी। इस कार्यक्रम में प्रो. पीएल पटेल, प्रो. एमएल धिरही ने भी छात्र-छात्राओं को सम्बोधित किया। इस कार्यक्रम में आरके टण्डन गोपेश पाण्डेय, मनोज बरेठ, केशव पटेल, चूड़ामणि यादव, भूपेन्द्र पटेल, लवकुश राठिया, रुक्मणी पटेल, सविता भारती के अलावा भूगोल विषय के छात्र छात्राओं द्वारा मनमोहक गीत गाया गया। सर्वप्रथम मां सरस्वती के मूर्ति पर अतिथियों द्वारा श्रीफल, नारियल, अगरबत्ती एवं पुष्प अर्पित किया गया एवं कार्यक्रम में आरके टण्डन ने आभार व्यक्त किया।

छात्रों की जरूरत को पूरा कर रही सरकार

10 नवम्बर 2015

हरिभूमि न्यूज. खरसिया

महात्मा गांधी शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय खरसिया में स्नातक व स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राओं को टेबलेट वितरण किया गया।

गिरधर गुप्ता पूर्व अध्यक्ष खादी ग्रामोद्योग बोर्ड छत्तीसगढ़ शासन के मुख्य आतिथ्य, जन भागीदारी समिति महात्मा गांधी शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय खरसिया के अध्यक्ष धनसाय यादव के विशिष्ट आतिथ्य एवं जन भागीदारी समिति के सदस्य चितावर सिंह राठिया एवं अन्य सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति में स्नातक व स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राओं को टेबलेट वितरण किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ. धृतलहरे ने कहा कि टेबलेट वितरण के इस महत्वपूर्ण योजना के परिणाम स्वरुप हमारे बच्चों को एक ऐसा इलेक्ट्रानिक उपकरण मिल पा रहा है जिससे वे पढ़ाई के क्षेत्र में उसका प्रयोग करके अपने कैरियर को और अधिक उज्जवल बना सकेंगे। धनसाय यादव ने अपने वक्तव्य में कहा कि यह एक अति महत्वपूर्ण योजना है, इससे छात्रों को दुनिया की तमाम

खरसिया

- एमजी कालेज में टेबलेट वितरित

जानकारियाँ मिलेंगी और इंटरनेट का प्रयोग करके विभिन्न प्रकार के सामान्य ज्ञान से परिपूर्ण होंगे। उन्होंने यह भी कहा कि छत्तीसगढ़ शासन ने इस योजना को लागू करके गरीब बच्चों को उच्च अध्ययन के क्षेत्र में एक उपहार दिया है, उनके भविष्य को संवारा है। मुख्य अतिथि की आसन्दी से गिरधर गुप्ता ने 'सेल्फ असेसमेंट' का उदाहरण देते हुए छात्र-छात्राओं को नैतिक मूल्यों का पाठ पढ़ाया। उन्होंने कहा कि आप रोज सोने से पहले एक डायरी लिखें, इसमें आप दिन भर जो कार्य करते हैं उसे लिखें। इससे आपको पता चलेगा कि आपने क्या-क्या कार्य किया, जो आपने किया, क्या वह सही था, आपको जो कार्य करना था, क्या उस कार्य को आपने किया, आप यह जान पाएंगे कि आपका वह दिन व्यर्थ गया या कुछ सार्थक भी रहा।

इस अवसर पर राधेलाल वर्मा, मुरली राठौर, श्रीमती गीता त्रिलोचन राठौर, महाविद्यालय के प्राचार्य के साथ- साथ प्रोफेसर डीके अम्ब्रेला, प्रो. एम एलधीरही, डा. पीएल पटेल, डा. रवीन्द्र चौबे, डा. सुषीला गोयल, प्रो. सरला जोगी, डा.आरके टण्डन, प्रो. अश्वनी पटेल, प्रो. काश्मीर एक्का एवं महाविद्यालय के समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। छात्र संघ अध्यक्ष भानुप्रताप राठिया, सचिव सागर सिदार, सह सचिव हितेष साहू समेत कई छात्रों की उपस्थिति एवं सहयोग रहा।

किरणदूत रायगढ़ . 21 नवम्बर 2015

खरसिया ने जीता लैलूंगा

जिला स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता, खरसिया ने की पहले बल्लेबाजी

खरसिया@किरणदूत

जिला स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता के चौथे दिवस के जी कालेज रायगढ़ के लाल मैदान में महात्मा गांधी शासकीय महाविद्यालय खरसिया व शासकीय महाविद्यालय लैलूंगा के मध्य कड़े मुकाबला के साथ मैच हुआ। जिसमें खरसिया ने लैलूंगा को मात दी।

टीम मैनेजर डॉ. रमेश टण्डन व कोच प्रो. दिलीप अम्ब्रेला के निर्देशन में खेले गए। खरसिया टीम के कप्तान माजिद अली थे। खरसिया ने टॉस जीतते हुए बल्लेबाजी का निर्णय लिया एवं 20 ओव्हर में 111 रन बनाए। इसके विपक्षी लैलूंगा के साथ खेलते हुए मैच बराबरी पर समाप्त हो गया। सुपर ओव्हर के मैच में लैलूंगा ने एक ओव्हर में पांच रन बनाकर खरसिया वालों के समक्ष छः रन का लक्ष्य रखा।

जिसे धरासायी करते हुए अंततः खरसिया की टीम ने मैच जीता। इन्हें के. जी. कालेज के प्राचार्य डॉ. ए.के. श्रीवास्तव एवं क्रीड़ाधिकारी तापस चटर्जी ने बधाई दी। मैच के दौरान डॉ. रमेश टंडन, प्रो श्रीबच्छ भोय, प्रो. डी. के. अम्ब्रेला, डॉ. सोफिया अम्ब्रेला एवं अन्य संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। इस मैच में खिलाड़ियों ने खेल भावना का प्रदर्शन किया।

छात्रों ने चलाया सफाई अभियान

खरसिया. शासकीय महात्मा गांधी कला एवं विज्ञान महाविद्यालय खरसिया एवं नवीन महाविद्यालय जोबो ,हाईस्कूल गोरपार द्वारा बरभौना में एक सप्ताह के राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत चल रहे शिविर ने छात्र छात्राओं में पूरे ग्राम में साफ सफाई अभियान चलाया। ग्राम बरभौना में विद्यार्थी परिसर के उपाध्यक्ष कमलेश नायडू एवं बीए कक्षा के सीआर टिकेश डनसेना प्रो चुडामणी यादव के नेतृत्व में पूरे गांव में साफ सफाई करने का अभियान चलाया है। बरभौना ग्राम आदिवासी अंचल के मांडनदी के किनारे का गांव है। यहां प्रायमरी स्कूल,मिडिल स्कूल एवं हाईस्कूल तक शिक्षा की व्यवस्था शासन द्वारा की जाती है। सबसे पहले गंदगी से भरे स्थानों में साफ सफाई छात्र छात्राओं द्वारा की जिससे प्रमुख स्थान शिक्षा परिसर बोरिंग,पानीटंकी स्थलों की सफाई की गई। जिससे पूरे ग्रामवासियों ने भी सहयोग किया गया।

आयोजन

खरसिया में सेक्टर स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता आयोजित

प्रतियोगिता में छात्र खिलाड़ियों ने दिखायी प्रतिभा

नवभारत 29 नवम्बर 2014 पृ० 4

खरसिया. महात्मा गांधी शासकीय महाविद्यालय में सेक्टर स्तरीय एथेलेटिक्स प्रतियोगिता सम्पन्न हुई। इसमें एमजी शासकीय कालेज खरसिया, केआरटी महाविद्यालय रायगढ़, ओम माता सुन्दर वृन्दावन हाल, लोचन प्रसाद पाण्डेय महाविद्यालय सारंगढ़, केजी महाविद्यालय तमनार, बटमूल आश्रम महाविद्यालय लाखे ओमेगा, साई फिजिकल एजुकेशन महाविद्यालय रायगढ़, शासकीय महाविद्यालय तमनार, नवीन महाविद्यालय जोबी, गोंडी कामर्स महाविद्यालय रायगढ़ से शाधिक छात्र-छात्राओं ने खरसिया के खेल मैदान में अपनी वीरता का परिचय दिया।

इनके मध्य विभिन्न प्रतियोगितायें हुई। जिसके विजेता के सम्बंध में क्रीडा अधिकारी डा. रमेश टण्डन ने गए जानकारी दी। 1500 मीटर दौड़ पुरुष में प्रथम अनिल राज सिदार खरसिया, द्वितीय अमर बेक छाल, 1500 मीटर दौड़ में प्रथम संगीता राठिया खरसिया, 400 मीटर दौड़ महिला में प्रथम दीपा वैष्णव रायगढ़, द्वितीय सोनम शंकर रायगढ़, 400 मीटर दौड़ पुरुष में प्रथम रामेश्वर बैगा रायगढ़, द्वितीय कृष्णा सिदार रायगढ़, 100 मीटर दौड़ महिला में प्रथम दीपा वैष्णव, केएमटी रायगढ़, द्वितीय सोनम शंकर रायगढ़, 100 मीटर दौड़ पुरुष में प्रथम मनोज कुमार सिन्हा खरसिया, द्वितीय दुष्यंत कुमार रायगढ़, लम्बीकुद महिला में प्रथम मनोज कुमार सिन्हा, द्वितीय दुष्यंत कुमार रायगढ़, लम्बीकुद महिला में प्रथम पूजा केवट खरसिया, द्वितीय संगीता राठिया खरसिया, भाला फेंक महिला में प्रथम रामप्यारी राठिया खरसिया, गोल फेंक महिला में प्रथम रामप्यारी राठिया खरसिया, द्वितीय दीपा वैष्णव रायगढ़, तथा फेंक महिला में प्रथम रामप्यारी राठिया खरसिया, गोल फेंक महिला में प्रथम गायत्री राठिया खरसिया. इसी तरह द्वितीय सोनम शंकर रायगढ़, 200 मीटर दौड़ महिला में प्रथम दीपा वैष्णव रायगढ़ द्वितीय, गायत्री राठिया खरसिया, 800 मीटर दौड़ पुरुष में प्रथम आनंदराज सिदार खरसिया, द्वितीय अमित रलकड़ा रायगढ़, 800 मीटर महिला में प्रथम जानकी राठिया रायगढ़, द्वितीय रामप्यारी राठिया खरसिया, 200 मीटर दौड़ पुरुष में प्रथम मनोज कुमार सिन्हा खरसिया, द्वितीय रामेश्वर बैगा रायगढ़, गोल फेंक पुरुष में प्रथम सुरेन्द्र रलकड़ा रायगढ़, द्वितीय मनोज चौहान खरसिया, भाला फेंक पुरुष में प्रथम लोकेन्द्र चौहान रायगढ़, द्वितीय विनोद केवट जोबी, ऊंची कुद पुरुष अमर बेक छाल, द्वितीय दुष्यंत कुमार रायगढ़, त्रिकुद पुरुष में प्रथम दिनेश कुमार राठिया खरसिया, द्वितीय राकेश कुर्रे रायगढ़ तथा फेंका पुरुष में प्रथम लेकराम राठिया खरसिया, द्वितीय वीरेन्द्र चौहान रायगढ़, ऊंची कुद महिला में प्रथम गायत्री राठिया खरसिया, द्वितीय रामप्यारी राठिया खरसिया, 5000 मीटर दौड़ पुरुष में प्रथम राजकुमार यादव खरसिया, द्वितीय कृष्णा सिदार रायगढ़, 10000 मीटर दौड़ पुरुष में प्रथम राजकुमार यादव खरसिया द्वितीय गनपत स्वरूप रायगढ़ शामिल हैं।

दौड़ में हिस्सा लेते खिलाड़ी छात्र.

छात्र-छात्राओं ने चलाया साफ-सफाई अभियान

खरसिया. शासकीय महात्मा गांधी कला एवं विज्ञान महाविद्यालय खरसिया एवं शासकीय महाविद्यालय जोबी (सारंगढ़) सेक्टर द्वारा जनवरी में एक सप्ताह के राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत चल रहे शिविर ने छठवे सप्ताह में पूरे

एन.एस.एस. के शिविर में सकारात्मक पहल

ग्राम में भाग-सफाई अभियान चलाया। ग्राम वासियों ने विद्यार्थी परिषद के उपाध्यक्ष कमलेश नायडू एवं बीए कक्षा के सं.आ. टिकेश डनसेना की बुद्धमणी यादव के नेतृत्व में पूरे गांव में साफ-सफाई करने का अभियान चलाया है। वर्तमान ग्राम अधिवासी अंचल के मांड नदी के किनारे का गांव है। यहां प्राथमिक स्कूल, जिला स्कूल एवं हाईस्कूल तक शिक्षा की व्यवस्था रामन द्वारा की जाती है। सबसे पहले गुरुजी से और स्थानों में साफ-सफाई छात्र छात्राओं द्वारा की जिससे प्रमुख स्थान शिक्षा परिसर चौरि, पानी टंकी सहित सभी सफाई की गई जिसमें पूरे ग्रामवासियों ने भी सहयोग किया गया। इस अवसर पर ग्राम नेताओं ने ग्रामवासियों को समझाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आह्वान किया है कि स्वच्छ भारत से हमें शिक्षार्थ कार दिलाना है। हम अपने घर के आसपास पूरे गांव को साफ रखेंगे, तब ही अपने अन्दर स्वस्थ रख सकते है एवं एनएसएस शिविर के माध्यम से पौधे दिन सफाई अभियान चलाकर छात्र छात्राओं ने स्वच्छतापूर्ण कार्य किया जिसकी समस्त ग्रामवासियों ने प्रशंसा की है।

प्रतियोगिता में शामिल हुए स्टूडेंट्स

दैनिक भास्कर 05 दिस. 201

खरसिया| सेक्टर रायगढ़ की ओर से महात्मा गांधी शासकीय महाविद्यालय खरसिया के युवा छात्र-छात्रा क्रीड़ा अधिकारी डा. रमेश टंडन के कुशल नेतृत्व में राज्य स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता रायपुर में 4 दिसंबर को शामिल हुए। विभिन्न प्रकार की दौड़, कूद, फेंक प्रतियोगिताओं में अनिल राज सिदार, मनोज कुमार सिन्हा, दिनेश कुमार राठिया, लेखराम राठिया, राजकुमार यादव, सागर सिदार, सत्यप्रकाश डेंजारे, मनोज चौहान, कमलेश नायडू, रामप्यारी राठिया, गायत्री राठिया, संगीता राठिया, पूजा केवट आदि छात्र/छात्राओं ने रायपुर के यूटीडी खेल मैदान में अपनी खेलकूद क्षमता का प्रदर्शन किया।

एबीवीपी ने सामाजिक समरसता दिवस मनाया

दैनिक भास्कर 08 दिसम्बर 2014 पृष्ठ 20

खरसिया| 6 दिसम्बर को बाबा साहेब अंबेडकर की पुण्य तिथि को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद खरसिया ने सामाजिक समरसता दिवस के रुप में मनाया। एबीवीपी के अध्यक्ष विजय शर्मा एवं मंत्री मनीष रावलानी के नेतृत्व में सभी परिषद के सदस्यों ने बालक छात्रावास एवं बालिका छात्रावास के सभी छात्रों को श्रद्धांजलि दी एवं संविधान निर्माण तथा अस्पृश्यता निवारण के उनके कार्यों को याद किया गया।

सभा को प्रो.टंडन, प्रो चूड़ामणि यादव तथा पंडे सर ने भी संबोधित किया। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद खरसिया ने सभी से बाबा साहेब के आदर्शों पर चलने तथा समाज से जात-पात का भेदभाव खत्म करने का संकल्प लेने का आव्हान किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में खरसिया महाविद्यालय अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के अध्यक्ष ज्योति सिंह ,उपाध्यक्ष भरत डेंजारे, सहसचिव दुर्गायादव, टिकेश डनसेना, लक्ष्मणगिरी, लक्ष्य यादव, चन्द्रकांत वैष्णव,भविष वैष्णव, राजकुमार गवेल, सुनील देव, सुमीता रावलानी आदि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

सेक्टर स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता संपन्न

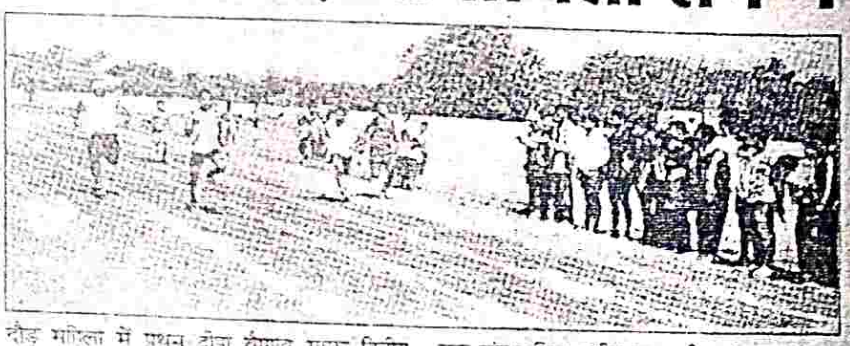

खरसिया। 25 नवम्बर को महात्मा गांधी शासकीय महाविद्यालय खरसिया में सेक्टर स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता सम्पन्न हुई। इसमें एम.जी. शासकीय कालेज खरसिया के.म.टी महाविद्यालय रायगढ़ ओम माया सुन्दर वृन्दावन छाल, लोचन महादेव पाण्डेय महाविद्यालय सारंगढ़, केजी महाविद्यालय रायगढ़, वटमूल आश्रम महाविद्यालय धरमजयगढ़, साई फिजिकल एजुकेशन महाविद्यालय रायगढ़, शासकीय महाविद्यालय तमनार, नवीन महाविद्यालय जोबी, पीडी कामर्स महाविद्यालय रायगढ़ के सतांधिक छात्र-छात्राओं ने खरसिया के मैदान में अपनी वीरता का परिचय दिया। इनके बीच विभिन्न प्रतियोगितायें हुई। जिसके विजेता के रूप में क्रीडा अधिकारी खरमेश टण्डन ने यह जानकारी दी। 1500 मीटर दौड़ पुरुष में प्रथम अनिल राज सिदार खरसिया, द्वितीय अमर बेक 1500 मीटर दौड़ में प्रथम संगीता राठिया खरसिया,400 मीटर दौड़ महिला में प्रथम दीपा वैष्णव रायगढ़, द्वितीय सोनम शंकर रायगढ़, 400 मीटर दौड़ पुरुष में प्रथम रामेश्वर बैगा रायगढ़, द्वितीय कृष्णा सिदार रायगढ़, 100 मीटर दौड़ महिला में प्रथम दीपा वैष्णव, केमटी रायगढ़, द्वितीय सोनम शंकर रायगढ़,100 मीटर दौड़ पुरुष प्रथम मनोज सिन्हा खरसिया, द्वितीय दुश्यंत कुमार रायगढ़, लम्बीकूद पुरुष में प्रथम मनोज कुमार सिन्हा, द्वितीय दुश्यंत कुमार रायगढ़, लम्बीकूद महिला में प्रथम पुजा केवट खरसिया, द्वितीय संगीता राठिया खरसिया,भाला फेंक महिला में प्रथम रामप्यारी राठिया खरसिया, गोल फेंक महिला में प्रथम रामप्यारी राठिया खरसिया, द्वितीय दीपा वैष्णव रायगढ़, तथा फेंक महिला में प्रथम रामप्यारी राठिया खरसिया गोल फेंक महिला में प्रथम गायत्री राठिया खरसिया द्वितीय सोनम शंकर रायगढ़, 200 मीटर दौड़ महिला में प्रथम दीपा वैष्णव रायगढ़ द्वितीय गायत्री राठिया खरसिया, 800 मीटर दौड़ पुरुष में प्रथम अनिलराज सिदार खरसिया, द्वितीय अमित लकड़ा रायगढ़, 800 मीटर महिला में प्रथम जानकी राठिया रायगढ़, द्वितीय रामप्यारी राठिया खरसिया, 200 मीटर दौड पुरुष में प्रथम मनोज कुमार सिन्हा खरसिया,द्वितीय रामेश्वर बैगा रायगढ़, गोल फेंक पुरुष में प्रथम सुरेन्द्र लकड़ा सारंगढ़, द्वितीय मनोज चौहान खरसिया, भाला फेंक पुरुष में प्रथम विरेन्द्र चौहान रायगढ़, द्वितीय हिमांचल केवट जोबी, ऊंची कूद पुरुष अमर बेक छाल, द्वितीय दुश्यंत कुमार रायगढ़, त्रिकूद पुरुष में प्रथम दिनेश कुमार राठिया खरसिया,द्वितीय राकेश कुर्रे रायगढ़,तथा फेंक पुरुष में प्रथम लेखराम राठिया खरसिया, द्वितीय विरेन्द्र चौहान रायगढ़ ऊंची कूद महिला में प्रथम गायत्री राठिया खरसिया, द्वितीय रामप्यारी राठिया खरसिया, 5000 मीटर दौड़ पुरुष में प्रथम राजकुमार यादव खरसिया, द्वितीय कृष्णा सिदार रायगढ़,10000 मीटर दौड पुरुष में प्रथम राजकुमार यादव खरसिया द्वितीय गनपत साय रायगढ़।

सभी खिलाड़ी छात्र-छात्राओं को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद इकाई खरसिया की ओर से छात्र संघ सचिव मनीष रावलानी एवं नगर अध्यक्ष विजय शर्मा ने उत्साहवर्धन करते हुए एक एक लेखनी पुरस्कृत किया। इस अवसर पर प्राचार्य उपीसी धृतलहरे, क्रीडाधिकारी रायगढ़ तापस चटर्जी एमडी वैष्णव, प्रो. पीएल पटेल, डॉ.रविन्द्र चौबे, प्रो. सरला जोगी, डॉ.सुशीला गोयल, प्रो. अश्विनी पटेल, प्रो. कश्मीर एक्का, प्रो. लोकेश शर्मा, प्रो. बीएल कुर्रे, प्रो. तृप्ति शुक्ला, प्रो.रचिता अग्रवाल, प्रो. सुचिलगना त्रिपाठी, प्रो. किण्डो रायगढ़ प्रो. कुर्रे तमनार, प्रो. संतोष सारंगढ़, प्रो. चूड़ामणी यादव जोबी, सभी कालेज के कोच एवं मैनेजर आफिसियल तीजराम पटेल, चिंतामणी चक्रधारी, राजू सागर, ज्योति पटेल, राजकुमार गवेल, सागर सिदार, कामदेव नायडू, लक्ष्मणगिरी, संतोष मिश्रा अध्यक्ष ज्योति सिंह, उपाध्यक्ष भरत डेंजारे सचिव,मनीष रावलानी, सहसचिव दुर्गा यादव,सत्यप्रकाश डेंजारे एवं कालेज के सभी कर्मचारी एवं छात्रगण उपस्थित थे।

प्राचार्य पीसी धृतलहरे ने विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी और पुरस्कृत किया। डॉ. रमेश टण्डन ने कहा कि विजेता खिलाडी 3 दिसम्बर को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए रवाना होंगे।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल हुये खरसिया के विद्यार्थी

खरसिया। सेक्टर रायगढ़ की ओर से महात्मा गांधी शासकीय महाविद्यालय खरसिया के युवा छात्र/छात्रा क्रीड़ा अधिकारी डा. रमेश टण्डन के कुशल नेतृत्व में राज्य स्तरीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता 2014 रायपुर में 4 को सम्मिलित हुये। विभिन्न प्रकार की दौड़, कूद, फेंक प्रतियोगिताओं में अनिल राज सिदार, मनोज कुमार सिन्हा, दिनेश कुमार राठिया, लेखराम राठिया, राजकुमार यादव, सागर सिदार, सत्यप्रकाश डेंजारे, मनोज चौहान, कमलेश नायडू, रामप्यारी राठिया, गायत्री राठिया, संगीता राठिया, पूजा केवट आदि छात्र/छात्राओं ने रायपुर के पुटीडी खेल मैदान में अपनी खेलकूद क्षमता का प्रदर्शन किया। खिलाडियों के प्रदर्शन पर कालेज के प्राचार्य डॉ. पी. सी. धृतलहरे, क्रीड़ा अधिकारी डॉ. रमेश टण्डन एवं महाविद्यालय के जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष धनसाय यादव ने खिलाड़ियों को शुभकामनायें दी है।

शैक्षणिक भ्रमण में ऋषभ तीर्थ पहुंचे छात्र-छात्राएं

खरसिया। महात्मा गांधी शासकीय महाविद्यालय खरसिया का शैक्षणिक भ्रमण ऋषभ तीर्थ दमउधारा में सम्पन्न हुआ। महाविद्यालय के प्रो. एमएल धिरही, एमडी वैष्णव, डॉ. रविन्द्र चौबे, प्रो. सरला जोगी, डॉ. रमेश टण्डन, प्रो. अश्वनी पटेल, प्रो. लोकेश शर्मा, प्रो. मुचिलप्पा त्रिपाठी के दिशा निर्देशन में लगभग 300 से अधिक महाविद्यालयीन छात्र-छात्राएं शैक्षणिक भ्रमण के रूप में दमउधारा गए।

यह स्थान सक्ती से लगभग 18 किमी दूर प्रकृति के गोद में बसा अति मनोरम, ऐतिहासिक, धार्मिक स्थान है जो शैक्षणिक भ्रमण के लिए अति उत्तम है। छात्र-छात्राओं ने सबसे पहले पहाड़ पर स्थित मंदिर का दर्शन किए। उसके पश्चात् पहाड़ों के बीच से निकलती हुई झरना ने सभी का मन मोह लिया। वहां के निवासियों से सम्पर्क कर उस स्थान की ऐतिहासिक भौगोलिक स्थिति की जानकारी छात्रों ने प्राप्त किया। छात्र संघ सचिव मनीष रावलानी, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के नगर अध्यक्ष विजय शर्मा, छात्र संघ अध्यक्ष ज्योति सिंह, सचिव मनीष रावलानी, नगर उपाध्यक्ष कमलेश नायडू, शुभम पाण्डेय, संतोष मिश्रा, लक्ष्मण गिरी, राकेश भारद्वाज, टिकेश डनसेना, मनोज चौहान की अगुवानी एवं पूरी व्यवस्था में यह कार्यक्रम सफल रहा। जिज्ञासु छात्रों ने दमउधारा की प्राकृतिक विशेषता पर गौर फरमाते हुए अपने विषय के अनुरूप ज्ञान का अर्जन किया। डॉ. टण्डन के दिशा निर्देशन में पुरातात्वीन धरोहरों की जानकारी छात्र-छात्राओं प्राप्त की। चूड़ामणी यादव के मंच संचालन में सैकड़ों छात्र-छात्राओं की उपस्थिति में सांस्कृतिक चौबे, डॉ. रमेश टण्डन, लवकुश कार्यक्रम की प्रस्तुति हुई। डॉ. रविन्द्र सविता, मनु साहो, सागर सिदार, कविता गवेर, भूपेश चौहान, देवकुमारी, भूपेन्द्र पटेल, शालिनी राठौर आदि के द्वारा गीत/नृत्य/चुटकुले की प्रस्तुति हुई।

भाजयुमो के प्रदेश उपाध्यक्ष कमल गर्ग व श्रीचंद रावलानी के मार्गदर्शन, प्राचार्य डॉ. पी.सी धृतलहरे के मार्गदर्शन में महाविद्यालय खरसिया का यह शैक्षणिक भ्रमण अविस्मरणीय एवं ज्ञानवर्धक रहा।

जनभागीदारी समिति खरसिया के अध्यक्ष धनसाय यादव, पत्रकार राजेश शर्मा, नवलानंद वैष्णव, संतोष यादव, गोपेश पाण्डेय, टीकेश डनसेना, राजकुमार गवेल आदि का सहयोग रहा। इस कार्यक्रम में तोजराम पटेल, सत्यप्रकाश देवांगन, मुकेश सोनी, शबनम खान, नेहा मेहरा, मनीषा पाण्डेय, रामप्यारी, रसीली, पूर्णिमा, उमरावती, धनेश्वरी, ज्योति सिदार, बृजेश तेदुलकर, लक्ष्य यादव, हिमांशु टण्डन, कमलेश धिरही, निद्रिल गवेल, अंचल प्रसाद बघेल, विरेन्द्र बघेल आदि छात्र-छात्राओं ने भ्रमण कार्यक्रम का भरपूर आनंद उठाते हुए ज्ञानवर्धक बातें सीखे।

आवश्यकता है

योग एवं समाज सेवा में कार्य करने हेतु 18-50 वर्ष आयु के बहनों एवं भाईयों की तुरंत आवश्यकता है।

वेतन योग्यता अनुसार

संपर्क करें :

फोन : 9425250144

ऋषभ तीर्थ पहुचे एमजी कालेज के विद्यार्थी

नवभारत 27 नव 2015 पृ०4

खरसिया. महात्मा गांधी शासकीय महाविद्यालय का शैक्षणिक भ्रमण ऋषभ तीर्थ दमउधारा में सम्पन्न हुआ। महाविद्यालय के प्रो. एमएल धिरही, एमडी वैष्णव, डॉ. रवीन्द्र चौबे, प्रो. सरला जोगी, डॉ. रमेश टण्डन, प्रो. अश्वनी पटेल, प्रो. लोकेश शर्मा, प्रो. मुचिलप्पा त्रिपाठी के दिशा निर्देशन में लगभग 300 से अधिक महाविद्यालयीन छात्र-छात्राएं शैक्षणिक भ्रमण के रूप में दमउधारा गए।

शैक्षणिक भ्रमण पर निकले विद्यार्थी.

यह स्थान सक्ती से लगभग 18 किमी दूर प्रकृति के गोद में बसा अति मनोरम, ऐतिहासिक, धार्मिक स्थान है जो शैक्षणिक भ्रमण के लिए अति उत्तम है। छात्र-छात्राओं ने सबसे पहले पहाड़ पर स्थित मंदिर का दर्शन किए। उसके पश्चात पहाड़ों के बीच से निकलती हुई झरना ने सभी का मन मोह लिया। वहां के निवासियों से सम्पर्क कर भौगोलिक स्थिति की जानकारी छात्रों ने प्राप्त किया। छात्र संघ सचिव मनीष रावलानी, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के नगर अध्यक्ष विजय शर्मा, छात्र संघ अध्यक्ष ज्योति सिंह, सचिव मनीष रावलानी, नगर उपाध्यक्ष कमलेश नायडू, शुभम पाण्डेय, संतोष मिश्रा, लक्ष्मण गिरी, राकेश भारद्वाज, टिकेश डनसेना, मनोज चौहान की अगुवानी में यह कार्यक्रम सफल रहा। जिज्ञासु छात्रों ने दमउधारा की प्राकृतिक विशेषता पर गौर फरमाते हुए अपने विषय के अनुरूप ज्ञान का

रासेयो के छात्रों ने गोद लिए गांव में सफाई की

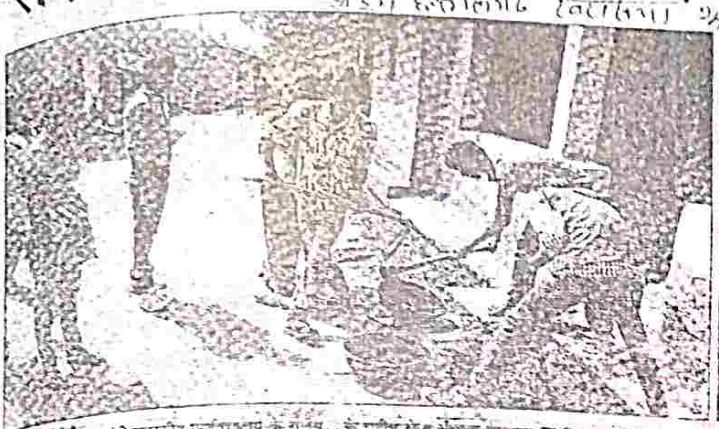

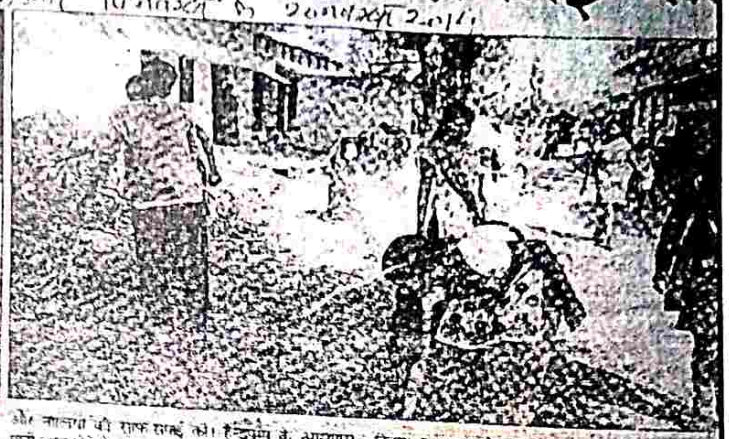

खरसिया। महात्मा गांधी शासकीय महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र छात्राओं ने महाविद्यालय को रासेयो द्वारा गोद लिए ग्राम बाम्हनपाली का भ्रमण किया और रासेयो की नियमित गतिविधि के तहत साफसफाई की और इसका महत्व भी ग्रामीणों को समझाया।

महात्मा गांधी शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र छात्राओं के द्वारा नियमित रूप से रचनात्मक गतिविधियां राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र छात्राएं करते रहते है इसी के मद्देनजर छात्र छात्राओं ने 9 नवम्बर 2014 को नियमित गतिविधि के अंतर्गत रासेयो के गोद ग्राम बाम्हनपाली का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान स्वयं सेवक गोद ग्राम बाम्हनपाली के गलियों में झाड़ू लगाई ,घास छिली और नालियों की साफ सफाई की। हैण्डपंप के आसपास पानी जमा होने के कारण बदबू मार रहा था छात्र छात्राओं ने साफ किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्र छात्राओं ने साफ सफाई का यह कार्य महात्मा गांधी शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय खरसिया के राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी प्रो.एम.एल. धिरही के मार्गदर्शन में किया। गोद ग्राम के भ्रमण कार्यक्रम में रासेयो के सक्रिय स्वयं सेवक राजकुमार गवेल,एकेश्वर पटेल,कु.कनकलता बर्मन,कु.रामप्यारी राठिया एवं रुपराम केन्हार,विवेकदास ,नेहलदास,मनमोहन पटेल, पंकज पटेल, प्रियंका परकाम,ज्योति साहू,अमर दास,नमता उदय,कमलेश राठिया आदि स्वयं सेवकों ने साफसफाई में योगदान किया है।

केलो. प्रहार 12 नव-14

खो-खो में खरसिया ने लैलूंगा को दी शिकस्त

खरसिया। 11 नवम्बर को तमनार में सेक्टर स्तरीय खो-खो पुरुष मैच सम्पन्न हुआ। कुल 6 कॉलेज से टीम ने मैच खेला। टीम मैनेजर डॉ.रमेश टंडन एवं कोच तीजराम के दिशा निर्देशन में महात्मा गांधी शासकीय महाविद्यालय खरसिया की टीम ने फायनल में लैलूंगा की टीम को हराते हुए विजेता की खिताब हासिल किया। कार्यक्रम का उद्घाटन विधायक सुनीति राठिया ने किया। कप्तान अनिलराज सिदार, लेखराम राठिया, धर्मेन्द्र-सिंगराम दीपक, अशोक कुमार, सत्यप्रकाश डेंजारे, मंगल रामदीन, उत्तम पटेल, दिनेश राठिया,पवन ने अपने खेल का उत्कृष्ट प्रर्शन कर विजेता का स्थान प्राप्त किया। प्राभारी प्राचार्य प्रो.टोप्पो क्रीड़ाधिकारी तापस चटर्जी रायगढ, क्रीड़ाधिकारी खरसिया, डॉ. रमेश टंडन निर्णायक तीजराम पटैल, चिंतामणी एवं तमनार कॉलेज के सभी प्रोफेसर ने राज्य स्तरीय टीम के लिए चयनित छात्रों को आशीर्वाद दिया। यह मैच 15 नवम्बर 2014 को अभनपुर में होगा। खरसिया महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पी.सी. धृतलहरे ने राज्य स्तर के लिए चयनित खरसिया के छात्रों को बधाई दीं । डा.रमेश टंडन ने कहा कि ये छात्र खरसिया के गौरव है जो जिले की ओर से खेलते हुए राज्य में नाम रोशन करेंगे। समापन कार्यक्रम में जिंदल पावर प्लांट के एचओडी की गरिमामय उपस्थिति रही।

खरसिया ने लैलूंगा को हराया

खरसिया| तमनार में सेक्टर स्तरीय खो खो पुरुष मैच सम्पन्न हुआ। इसमें 6 कालेजों से टीम ने मैच खेला। टीम मैनेजर डा.रमेश टंडन एवं कोच तीजराम के निर्देशन में महात्मा गांधी शासकीय महाविद्यालय खरसिया की टीम ने फाइनल में लैलूंगा की टीम को हराते हुए विजेता की खिताब हासिल किया। कार्यक्रम का उद्घाटन विधायक सुनीति राठिया ने किया। फाइनल में कप्तान अनिलराज सिदार,लेखराम राठिया, धमेंद्र सिंगराम दीपक,अशोक कुमार, सत्यप्रकाश डेंजारे, मंगल रामदीन, उत्तम गबेल, दिनेश राठिया,पवन ने उत्कृष्ट प्रदर्शनकर खरसिया को जिताया । राज्य स्तरीय स्पर्धा 15 नवंबर को अभनपर में होगी।

दैनिक भास्कर 12 नवंबर 2014

एकता दिवस मनाया

01 नव 2014

खरसिया|महात्मागांधी शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय खरसिया में सरदार बल्लभ भाई पटेल के जन्म दिवस के अवसर पर 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। इसके संयोजक प्रो.एम.एल.धिरही ,सहायक प्रो.डा.आर.के. टंडन के कुशल मार्गदर्शन में सैकड़ों छात्र छात्राओं को प्राचार्य पी.सी.धृतलहरे ने शपथ दिलाई।

दैनिक भास्कर रायगढ़ पृष्ठ 14

3 | 4 | 5 | 6 | 7

सा

स

5

एमजी महाविद्यालय में राष्ट्रीय एकता दिवस

खरसिया। महात्मा गांधी शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय खरसिया में सरदार वल्लभभाई पटेल के जन्म दिवस के अवसर पर 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस मनाया गया। इसके संयोजक प्रो. एम.एल. धिरही, सहायक प्रो. डा आर के. टंडन के कुशल मार्गदर्शन में सैकड़ों छात्र छात्राओं को प्राचार्य पी.सी. धृतलहरे ने शपथ दिलाई।

इसके पश्चात् भरत डेन्जारे एवं इनके साथी सभी एन.सी.सी. कैडेट्स एवं महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने राष्ट्रीय एकता लाना है। भारत को बचाना है, सरदार वल्लभभाई पटेल जिंदाबाद आदि नारों के साथ नगर के मुख्य सड़क पर रैली निकाली। सरदार पटेल राष्ट्रीय एकता के पर्याय थे विषय पर वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें 70 छात्र-छात्राओं ने अपनी सहभागिता दर्ज कराई। इसके पश्चात राष्ट्रीय एकता पर चित्र बनाये। डॉ. आर. के. टंडन के दिशा निर्देश में मार्च पास्ट भी किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के डॉ. पी.सी. धृतलहरे, डॉ. अर्चना सिंह, प्रो. अश्वनी पटेल, प्रो. कश्मीर एक्का, प्रो. प्रभाकर यादव, प्रो. लोकेश शर्मा, प्रो.रेणु सामल आदि उपस्थित थे। छात्र संघ के पदाधिकारी मनीष राजवानी, भरत डेन्जारे, दुर्गा यादव, राजकुमार गबेल, सत्यप्रकाश राठिया, धिलेश लास,अजल बघेल, टीकेश्वर पटेल, रुस्तम डेन्जारे, सत्यप्रकाश डेन्जारे, एयोवापी नगर उपाध्यक्ष कमलेश नायडू, संतोष मिश्रा, रामप्यारी राठिया, राधिका पटेल, सरिता खूंटे, नीता दीनकर, ज्योति साहू, गीतांजलि जोशी,गायत्री राठिया, जया भारती, सुनीता टंडन, कमलेश्वरी सिदार आदि छात्र-छात्राये उपस्थित थे।

रायगढ़, रविवार 12 अक्टूबर 2014 7

जिला स्तरीय महिला खो-खो प्रतियोगिता संपन्न

महापल्ली (11अक्टूबर)। आश्रम स्थित बटमूल आश्रम महाविद्यालय महापल्ली में गत 8 अक्टूबर को जिला स्तरीय महाविद्यालयीन खो-खो खेल प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। प्रतियोगिता में जिले के नामचीन महाविद्यालयीन टीम ने हिस्सा लिया जिसमें शा.कन्या महाविद्यालय रायगढ़ शा.महात्मा गांधी महाविद्यालय खरसिया, सारंगढ़ (बं.एड.) महाविद्यालय भटगांव एवं स्वयं बटमूल कॉलेज महापल्ली। इस जिला स्तरीय खो-खो प्रतियोगिता का शुभारंभ महापल्ली सरपंच श्रीमति चौहान द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं उद्घाटन से हुआ। प्रतियोगिता में शा.महात्मा गांधी महाविद्यालय खरसिया की टीम विजेता रही, वहीं उपविजेता बटमूल आश्रम महाविद्यालय रहा। यहां यह बताना लाजिमी होगा कि विजेता एवं उपविजेता टीम में से उत्कृष्ट प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का चयन भी किया गया जो दुर्ग जिले में आयोजित राज्य स्तरीय 'खो-खो' खेल प्रतियोगिता में अपनी खेल प्रतिभा का जौहर दिखायेंगी। राज्य स्तरीय 'खो-खो' खेल के लिये चयनित खिलाड़ी भारती पाण्डे, सुनीता राठिया, कुन्ती साय, रीता गुप्ता, रम्भाबाटे, गायत्री, मंगीता राठिया, नम्रता उरांव, रसीला राठिया, मंजू पाण्डे, रजनी नायक, रीना सिदार हैं जो बटमूल कॉलेज महापल्ली, शा.महात्मा गांधी महाविद्यालय खरसिया और शा.कन्या महाविद्यालय रायगढ़ की संयुक्त टीम है। राज्य स्तरीय महिला 'खो-खो' प्रतियोगिता के लिए चयनित समस्त खिलाड़ियों को बटमूल आश्रम शिक्षण संस्थान समिति के अध्यक्ष शशिधर पंडा, प्राचार्य बटमूल कॉलेज-डॉ.पी.एल.पटेल, बटमूल कॉलेज क्रीड़ाधिकारी प्रो.पी.के.गुप्ता पूर्व प्राचार्य प्रोफेसर पी.के.कापड़ी ने विजयी लक्ष्य के लिये मंगलभरी शुभकामनायें महाविद्यालय परिवार की ओर दी है। जिला स्तरीय महिला अंतर्महाविद्यालयीन 'खो-खो' प्रतियोगिता को उत्कृष्ट और सफल बनाने में सर्वाधिक सचिव रामअवतार अग्रवाल, दशरथ गुप्ता, दशरथी साय, केंद्रीय विद्यालय रायगढ़ के श्रेष्ठ क्रीड़ाधिकारी वशिष्ठ यादव, गोरधन महाविद्यालय के क्रीड़ाधिकारी बिंदामणी चक्रधारी, एसीसी कॉलेज पटेलपाली के क्रीड़ाधिकारी सुश्री रुपमा पटेल, शासकी महाविद्यालय क्रीड़ा प्रभारी, दिनेश नायक, शा.कन्या महाविद्यालय रायगढ़ के क्रीड़ाधिकारी प्रोफेसर पी.किण्डो, प्रो.चंद्रशेखर बघेल, महात्मा गांधी के क्रीड़ाधिकारी डॉ.रमेश टंडन बटमूल कॉलेज महापल्ली से डॉ.के.सी.गुप्ता, डॉ.विक्रांत गुप्ता, प्रो.के.के.गुप्ता, डॉ.गीता देशमुख, प्रो.कविता सिदवल, प्रो.पूजा जायसवाल, प्रो.आरीश प्रधान, नवीन महापात्र, निशांत पंडा, दीपिका प्रधान, सुभाष यादव शामिल हैं वहीं संपूर्ण खेल प्रतियोगिता का सफल मंच कमेंट्री प्रोफेसर गजेंद्र चक्रधारी ने किया।

यु

महात्मा गांधी कालेज में एनसीसी दिवस सम्पन्न

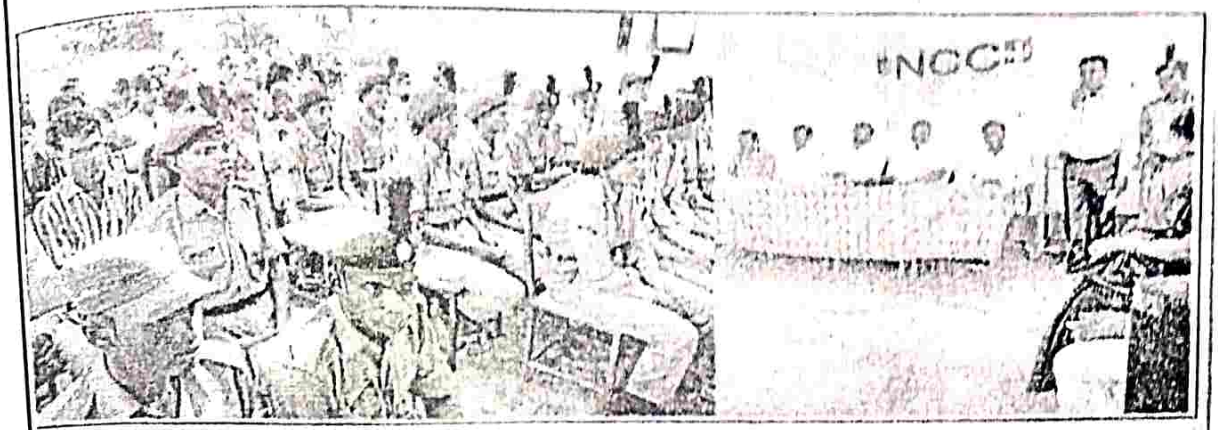

खरसिया। 65 वीं एनसीसी स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में महात्मा गांधी शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय खरसिया में महाविद्यालयीन अधिकारी/कर्मचारी एवं विद्यार्थियों की गरिमामयी उपस्थिति एवं एनसीसी अधिकारी डॉ. रमेश टण्डन के नेतृत्व में समस्त कैडेट्स ने फ्लैग मार्च किया। जयघोष एवं नारे लगाते हुए रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ एनसीसी का स्थापना दिवस मनाया गया।

एनसीसी के 65वें स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर सुबह 10 बजे डॉ.रमेश टण्डन प्रभारी अधिकारी, म.डी.वैष्णव कोऑर्डिनेटर, श्री विनोद मुरलाल, एन.पटेल, अतिथि प्राध्यापक- प्रभाकर यादव, श्री लोकेश वर्मा, कु.रूपा अग्रवाल, सीनियर कैडेट्स निलामणी, रुद्र, तोजराम, कु.मंजु, कु.सत्यराज, कु.ललिता वर्मा एवं नव प्रोफेसर्स की गरिमामयी उपस्थिति में महाविद्यालय से खरसिया की एनसीसी फ्लैग मार्च करते हुए रैली निकाली गयी। रैली शहर की मुख्य सड़क से गुजरती हुई वापस लौट गई। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण-संवर्धन, जल-भूमि एवं भारत माता की जयकारा के नारे के साथ रैली गतिमान रही। रैली से वापस होने के बाद मंचीय कार्यक्रम सम्पन्न हुए। कार्यक्रम अध्यक्ष-प्राचार्य डॉ.पी.सी.घृतलहरे, उपाध्यक्ष प्रो.सी.के. पटेल, मुख्य अतिथि कोऑर्डिनेटर एन.सी.सी.वैष्णव (एनसीसी के पूर्व केडेट रेंजर), इतिहास के विभागाध्यक्ष प्रो.एस.एल.मिश्रा, राजनीति के विभागाध्यक्ष डॉ.पी.एस.यादव, वनस्पति विज्ञान के विभागाध्यक्ष प्रो.बीपीन सिंह जोबी, वनस्पति विज्ञान के विभागाध्यक्ष प्रो.अरुणी पटेल, भौतिकी के विभागाध्यक्ष प्रो.केशव एक्का, एनसीसी अधिकारी डॉ.रमेश टण्डन एवं समस्त कैडेट्स ने विभिन्न सामाजिक प्रस्तुतियां करते हुए रंग भरा। इसके पश्चात् कार्यक्रम अध्यक्ष एवं अन्य अतिथियों के कर कमलों से मन्त्रोच्चार शिविर दिल्ली में अपने वीर्य का प्रदर्शन कर चुके सीनियर कैडेट्स- कु.मंजु यादवी, कु.सत्यराज सिदार एवं वीरेन्द्र अग्रवाल को मेडल से सम्मानित किया गया। इन्हीं वीरों ने अपने वीर्य का प्रदर्शन करने वाले कैडेट्स- सागर सिदार, चेतनात्मक राठौर, कु.ज्योति सिंह, कु.ललिता सिदार, देवराज राठिया भरत हेमाने को भी मेडल से सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारम्भ भूपेन्द्र कुमार द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना के साथ हुआ। सागर सिदार, कु.ज्योति सिदार, चेतनात्मक कु.विद्या पाण्डेय ने एकल गायन कर जहाँ सभी को मोह लिया, वहीं दूसरी तरफ संगीता एवं साथियों (समूह गीत) तथा कु.जोबी एवं साथियों द्वारा प्रस्तुत समूह गीत ने दर्शक दीर्घा को मोह लिया। कार्यक्रम के अंतिम पड़ाव में कु. कविता पटेल व साथियों द्वारा प्रस्तुत समूह नृत्य-"आजा न गोरी" तथा कु. विद्या साहू द्वारा प्रस्तुत एकल नृत्य ने दर्शक हृदय में घर कर लिया। एनसीसी अधिकारी डॉ. रमेश टण्डन ने अपने उद्बोधन के दौरान सैनिक कविता का वाचन किया। प्रो. सी.के. पटेल ने अपने मंचीय भाषण में कैडेट्स को कभी मुड़ न चलने का पाठ पढ़ाया साथ ही एनसीसी के इतिहास को संक्षिप्तसार बताया। अध्यक्षीय सम्बोधन में प्राचार्य डॉ.घृतलहरे ने छात्रों को नियम एवं अनुशासन का पालन करते हुए निश्चित पदों तक पहुँचने का आशीर्वचन दिया एवं समस्त कैडेट्स को उत्साहवर्धन वाक्य 'जैसी' प्रदान किया।

गायत्री अन्तर्विश्वविद्यालयीन महिला कबड्डी भुवनेश्वर के लिए चयनित

खरसिया। महात्मा गांधी शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय खरसिया की छात्रा कु. गायत्री राठिया का चयन भुवनेश्वर में कबड्डी प्रतियोगिता के लिए हुआ है। यह छात्रा एमए पूर्व मे अध्ययनरत है। कन्या छात्रावास खरसिया में रहकर पढ़ायी करती हैं एवं जोबी की निवासी है। इनके क्रीड़ाधिकारी डॉ. रमेश टण्डन के निर्देशन में यह छात्रा पिछले वर्षों में भी कबड्डी, खो-खो, गोला फेंक,तवा फेंक, भाला फेंक आदि खेलों में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा ले चुकी है एवं इस वर्ष भी एथलेटिक्स में खेल चुकी है। प्राचार्य डॉ. पीसी घृतलहरे एवं खरसिया महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, कर्मचारियों, छात्र संघ, खिलाड़ियों ने गायत्री को इस चयन पर बधाईयां दी। सागर सिदार, लेखराम राठिया, डमरूधर राठिया, अधीक्षिका सपना पाटले, गार्ड मोना एवं बालक तथा कन्या छात्रावास के समस्त छात्रों ने भी इसे बधाई दी। 9 दिसम्बर को क्रीड़ाधिकारी डॉ. टण्डन इसे कोरबा के शिविर में छोड़ने गए जहां कटघोरा के क्रीड़ाधिकारी पवार सर के निर्देशन में ये अन्य छात्रा खिलाड़ियों के साथ खेल का अभ्यास करेंगी। इनकी पूरी टीम 13 दिसम्बर को भुवनेश्वर के लिए रवाना होगी।

छात्र-संघ पदाधिकारी परिचय

● अध्यक्ष	–	भानुप्रताप राठिया
● उपाध्यक्ष	–	जानकी बर्मन
● सचिव	–	सागर सिदार
● सह–सचिव	–	हितेश कुमार साहू
■ बी.एससी. प्रथम वर्ष	–	चन्द्रपाल चन्द्रा
■ बी.एससी. द्वितीय वर्ष	–	प्रीती सिंह राठौर (निर्विरोध)
■ बी.एससी. अंतिम	–	भागवत प्रसाद राठिया
■ बी.ए. प्रथम वर्ष	–	अर्निका गबेल
■ बी.ए. द्वितीय वर्ष	–	कांशीराम कुर्रे
■ बी.ए. अंतिम	–	अमरनाथ यादव
■ बी.कॉम. प्रथम वर्ष	–	आरती यादव
■ बी.कॉम. द्वितीय वर्ष	–	ओम प्रकाश
■ बी.कॉम. अंतिम	–	पूर्णिमा गोड़
■ एम. कॉम पूर्व	–	विकास केशरवानी
■ एम. कॉम अंतिम वर्ष	–	काजल यादव
■ एम.ए. पूर्व अर्थशास्त्र	–	वर्षा पाण्डेय
■ एम.ए. पूर्व हिन्दी	–	दिनेश कुमार
■ एम.ए. पूर्व राजनीतिशास्त्र	–	प्रियंका मरकॉम
■ एम.ए. पूर्व. समाजशास्त्र	–	सुष्मिता वैष्णव (निर्विरोध)
■ एम.ए. अंतिम हिन्दी	–	अंजनी रत्नाकर (निर्विरोध)

अधिकारी/कर्मचारी परिचय

क्र.	अधिकारी / कर्मचारी का नाम		पद व विभाग
1.	डॉ. पी.सी. घृतलहरे	–	प्राचार्य
2.	डॉ. दिलीप अम्ब्रेला	–	विभागाध्यक्ष, हिन्दी
3.	प्रो. एम. एल. धीरही	–	विभागाध्यक्ष, इतिहास
4.	डॉ. पी. एल. पटेल	–	विभागाध्यक्ष, राजनीति विज्ञान
5.	डॉ. रविन्द्र चौबे	–	सहायक प्राध्यापक, हिन्दी
6.	डॉ. सुशीला गोयल	–	विभागाध्यक्ष, समाज शास्त्र
7.	प्रो. सरला जोगी	–	विभागाध्यक्ष, प्राणी विज्ञान
8.	डॉ. रमेश टण्डन	–	सहायक प्राध्यापक, हिन्दी
9.	प्रो. मनोज साहू	–	विभागाध्यक्ष, वाणिज्य
10.	प्रो. अश्वनी पटेल	–	विभागाध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान
11.	प्रो. काश्मीर एक्का	–	विभागाध्यक्ष, भौतिकी
12.	डॉ. तृप्ति शुक्ला	–	अतिथि प्राध्यापक, राजनीति
13.	प्रो. लोकेश शर्मा	–	अतिथि प्राध्यापक, रसायन
14.	प्रो. रचिता अग्रवाल	–	अतिथि प्राध्यापक, वाणिज्य
15.	प्रो. रूकमणी पटेल	–	अतिथि प्राध्यापक, रसायन
16.	प्रो. रोमी जायसवाल	–	अतिथि प्राध्यापक, अंग्रेजी
17.	प्रो. दीपक पटेल	–	अतिथि प्राध्यापक, अंग्रेजी
18.	प्रो. तुषार दुबे	–	अतिथि प्राध्यापक, गणित
19.	प्रो. राकेश गिरी	–	अतिथि प्राध्यापक, अर्थशास्त्र
20.	श्री यू. एस. टोण्डे	–	सहायक ग्रेड 2
21.	श्री संजय गुप्ता	–	सहायक ग्रेड 3
22.	श्री आर. के. साहू	–	सहायक ग्रेड 3
23.	श्री एस. के. मेहरा	–	प्रयोगशाला शिक्षक (रसायन)
24.	श्री गोपेश पाण्डेय	–	प्रयोगशाला शिक्षक (भूगोल)
25.	श्री डी. के. नागरे	–	प्रयोगशाला शिक्षक (वनस्पति)
26.	श्री एल. एस. पोर्ते	–	प्रयोगशाला शिक्षक (भौतिकी)
27.	श्री मदन मल्होत्रा	–	डाटा एण्ट्री ऑपरेटर
28.	श्री जी. डी. महंत	–	भृत्य
29.	श्री प्रेमसाय	–	भृत्य
30.	श्री एल. के. सिदार	–	प्रयोगशाला परिचारक
31.	श्री अरूण यादव	–	बुक लिफ्टर
32.	श्री लखन भारती	–	चौकीदार
33.	श्री शिवकुमार	–	चौकीदार, सायकल स्टैण्ड
34.	श्री शौकीलाल	–	ज.भा.स. कर्मचारी
35.	श्री रूद्र कुमार	–	ज.भा.स. कर्मचारी

santana.konas
@in.pwc.com

राष्ट्रीय सेवा योजना
NCC